राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ...

बाइडन प्रशासन ने दी एच-1बी वीजा नियमों में ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 243 | नई दिल्ली, गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	79,005
चांदी	92,500
सेंसेक्स	81,786
निफ्टी	24,668

शाह की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है कांग्रेस: रीजीजू

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी को लेकर संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष गृह मंत्री की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। कांग्रेस सांसदों ने बुधवार को लोकसभा में आंबेडकर के पोस्टर दिखाकर नारेबाजी की और शाह से माफी की मांग की। राज्यसभा में भी यह मुद्दा उठा और विपक्षी सदस्यों ने गृह मंत्री से माफी की मांग की। रीजीजू ने यहां संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, शाह के राज्यसभा में भाषण की एक छोटी क्लिप प्रसारित हो रही है, जिसमें उन्होंने जो कहा, उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। यह गलत है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि शाह ने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब बाबासाहेब जिंदा थे तब कांग्रेस ने उनका अपमान किया। रीजीजू ने कहा, अपने पाप धोने के लिए, राजनीतिक एवं चुनावी फायदे के लिए वे (कांग्रेस) आंबेडकर का नाम ले रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने आंबेडकर के सम्मान के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा, हम आंबेडकर का सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस को बताना चाहिए कि आंबेडकर को नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा क्यों देना पड़ा। नेहरू ने उनका अपमान किया था इसलिए उन्हें इस्तीफा देना पड़ाङ्ग उन्होंने आंबेडकर को लोकसभा चुनाव हारने पर मजबूर कर दिया था। इस मुद्दे पर कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम अन्य दलों ने संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। राज्यसभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच रीजीजू ने कहा कि गृह मंत्री ने आपने संबोधन के दौरान सदन में आंबेडकर के प्रति श्रद्धा जाहिर की और सम्मान व्यक्त किया था। रीजीजू ने कहा कि शाह ने यह भी बताया था कि कांग्रेस ने बाबा साहेब का किस तरह अपमान किया। उन्होंने कहा, जब वह जीवित थे तब उन्हें 1952 में साजिश के तहत कांग्रेस ने चुनाव में हराया। उप चुनाव में भी कांग्रेस ने उन्हें पुनः हराया। अगर बाबा साहेब को कांग्रेस नहीं हराती तो वह 1952 के बाद भी चुनाव जीत कर सदन के सदस्य बने होते। रीजीजू ने कहा कि उनके परिनिर्वाण के बाद भी कांग्रेस ने उन्हें अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और उन्हें भारत रत्न तक नहीं दिया। उन्होंने कहा, उन्हें अपमानित कर कांग्रेस ने देश के साथ खिलवाड़ किया है। संसदीय मामलों के मंत्री ने कहा कि कांग्रेस आज कौन से मुंह से बाबा साहेब के अपमान की बात करती है, यह तो खुद उसने किया है, बार बार किया है। बार बार आंबेडकर का नाम ले कर कांग्रेस छल-कपट करती है। उन्होंने कहा, मैं बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलने वाला बौद्ध हूं। सन 1951 में बाबा साहेब ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था। 71 साल बाद मोदी ने दूसरे बौद्ध को मंत्री बनाया। हम आंबेडकर के बताए रास्ते पर चलते हैं। ये लोग उनके नाम का वोट बैंक के लिए दुरुपयोग कर रहे हैं। विपक्ष के हंगामे के बीच रीजीजू ने कहा कि बाबा साहेब से संबंधित पांच तीर्थ स्थलों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम चल रहा है और मुंबई में 2026 में अरब सागर के तट पर 450 फुट ऊंची उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके बाद पता चलेगा कि मोदी सरकार उनका कितना सम्मान करती है। कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

संक्षिप्त खबरें

कठुआ के एक घर में लगी आग, दो बच्चों समेत छह की मौत

कठुआ। जम्मू के कठुआ स्थित शिवानगर शहर में बुधवार को दुखद हादसे में छह लोगों की जान चली गई। कठुआ के जीएमसी अस्पताल के चिकित्सक के मुताबिक घर में आग लग गई थी जिसमें दम घुटने से सभी की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर दमकल विभाग के कर्मचारी पहुंचे। कठुआ जीएमसी अस्पताल के डॉ. सुरिंदर अत्री ने कहा, ह्लयह एक दुखद घटना है। यह आग रेंटेड हाउस में लगी है। हमारे असिस्टेंट मैट्रन तीन चार महीने पहले रिटायर हुई थीं। किराए के मकान में ही यह घटना घटी। इस घटना में कुल छह लोगों की जान चली गई। बचे हुए तीन लोग अभी खतरे से बाहर हैं। कहा जा रहा है कि उनके घर में किसी प्रकार की जोत या आग जलती थी, जिससे फर्नीचर और अन्य सामग्री में आग लग गई। यह आग पूरी तरह से उनके कमरे में फैल गई और इसका असर उनके आसपास के कमरे पर भी पड़ा, जिससे घबराहट और धुएं से ही मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा, इस घटना में जलने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं, बल्कि धुएं के कारण हुई दम घुटने की वजह से यह हादसा हुआ। यह सब एक ही कमरे में सोते हुए हुआ।

महत्वपूर्ण खबर

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकवादी लांडा के दो प्रमुख सहयोगियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पंजाब में आतंकी षड़यंत्र मामले में प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आंतकवादी लखबीर सिंह उर्फ लांडा के दो प्रमुख सहयोगियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। एनआईए ने बुधवार को यह जानकारी दी। पंजाब के फिरोजपुर जिले के जसप्रीत सिंह और मध्य प्रदेश के बडवानी जिले के बलजीत सिंह के खिलाफ मंगलवार को मोहाली में विशेष एनआईए अदालत के समक्ष आरोपपत्र दायर किया गया। जांच एजेंसी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि एनआईए ने दोनों की पहचान विदेश में रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी लांडा द्वारा बनाए गए आतंकी गिरोह के सदस्यों के रूप में की है।

वाराणसी में चार दशक से बंद पड़े एक मंदिर को खुलवाने की मांग

वाराणसी (उप्र), एजेंसी। वाराणसी में चार दशकों से बंद पड़े एक मंदिर को लोगो द्वारा फिर से खुलवाने की मांग करने के बाद, जिला प्रशासन ने मंदिर के स्वामित्व के दस्तावेजों की तलाश शुरूकर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की एक टीम मंगलवार को मंदिर पहुंची। अपर जिलाधिकारी (शहर) आलोक वर्मा ने कहा, हमें इस मंदिर के बारे में समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला। अगले तीन-चार दिनों में हम इसकी जांच करेंगे। हमारे कानूनी सलाहकारों की टीम मंदिर के स्वामित्व की जांच कर रही है।

आंबेडकर के नाम पर सियासी घमासान, भाजपा-कांग्रेस में तकरार

गृह मंत्री ने कांग्रेस के काले इतिहास की पोल खोल दी : मोदी

पीएम बोलें- कांग्रेस ने सालों तक आंडेकर का किया अपमान

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के अपमान के आरोप का सामना कर रहे अमित शाह का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संविधान निमार्ता का अपमान करने के कांग्रेस के काले इतिहास की पोल खोल दी, जिससे मुख्य विपक्षी पार्टी स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके दूषित इकोसिस्टम को लगता है कि उसके दुर्भावनापूर्ण झूठ संविधान निमार्ता बाबा साहेब आंबेडकर के प्रति उसके कई वर्षों के कुकर्मों को छिपा सकते हैं तो वह गंभीर भूल कर रही है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि किस प्रकार एक परिवार के नेतृत्व में एक पार्टी, डॉ आंबेडकर की विरासत को मिटाने और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति समुदायों को अपमानित करने के लिए हरसंभव गंदी चाल चलने में लिप्त रही है। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी कांग्रेस के उस आरोप के मद्देनजर आई है, जिसमें कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं कि, अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। मोदी ने कहा कि संसद में अमित शाह ने डॉ. आंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा, वे (कांग्रेस) स्पष्ट रूप से उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से स्तब्ध हैं और यही वजह है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं! अफसोस की बात है कि लोग उनकी सच्चाई जानते हैं! प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ आंबेडकर को एक बार नहीं, बल्कि दो बार चुनावों में पराजित करना, पंडित नेहरू का उनके खिलाफ प्रचार करना और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाना, उन्हें भारत रत्न देने से मना करना और संसद के केंद्रीय कक्ष में उनकी तस्वीर को जगह देने से इनकार कर देना कांग्रेस के पापों की सूची में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस चाहे जैसी कोशिश कर ले, लेकिन वह इस बात से इनकार नहीं कर सकती कि अनुसूचित जाति ओर अनुसूचित जनजाति के खिलाफ सबसे बुरा नरसंहार उसके शासन के दौरान हुआ। वर्षो तक वे सत्ता में बैठे रहे लेकिन एससी और एसटी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कुछ भी ठोस नहीं किया। मोदी ने कहा, हम आज जो कुछ भी हैं, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की वजह से ही हैं। हमारी सरकार ने पिछले एक दशक में डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के विजन को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। किसी भी क्षेत्र को ले लीजिए चाहे वह 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना हो, एससी/एसटी अधिनियम को मजबूत करना हो। हमारी सरकार के प्रमुख कार्यक्रम जैसे स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और बहुत कुछ., इनमें से प्रत्येक ने गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन को छुआ है। मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने डॉ. आंबेडकर से जुड़े पांच प्रतिष्ठित स्थलों पंचतीर्थ को विकसित करने का काम किया है।

आंबेडकर का अपमान देश नहीं सहेगा : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर बुधवार को कहा कि देश संविधान निमार्ता का अपमान सहन नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गृह मत्री को माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने संसद परिसर में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर साझा करते हुए अपने व्हाइट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, बाबासाहेब संविधान निमार्ता हैं, देश को दिशा देने वाले महापुरुष हैं। उनका अपमान, उनके निर्मित संविधान का अपमान देश नहीं सहेगा। गृह मंत्री माफी मांगें। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, आंबेडकर जी का नाम लेने से अधिकार मिलते हैं। आंबेडकर जी का नाम लेना मानवीय गरिमा का प्रतीक है। आंबेडकर जी का नाम करोड़ों दलितों-वंचितों के आत्मसम्मान का प्रतीक है। कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं , अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने अमित शाह की टिप्पणी को लेकर संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष गृह मंत्री की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है।

बासाहेब का अपमान करने के लिए शाह देश से माफी मांगें : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि शाह की टिप्पणी का यह मतलब था कि बाबासाहेब का नाम लेना भी गुनाह है।

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर संविधान निमार्ता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए तथा देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों ने इस विषय को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और संसद परिसर में भी विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि शाह की टिप्पणी का यह मतलब था कि बाबासाहेब का नाम लेना भी गुनाह है। उन्होंने कहा, अमित शाह जी ने कल सदन (राज्यसभा) में जब बाबासाहेब आंबेडकर जी का नाम लेकर बयान दिया, तब मैंने हाथ उठाकर बोलने की इजाजत मांगी थी। लेकिन मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया। उस समय हम सब सहयोग की भावना से चुपचाप बैठे रहे, क्योंकि हम संविधान पर चर्चा कर रहे थे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के अनुसार, गृह मंत्री ने जिस तरह से बाबासाहेब का अपमान किया, उसे लेकर पूरे विपक्ष ने विरोध जताया है। खरगे ने आरोप लगाया कि अमित शाह और भाजपा के लोगों के दिमाग में जो मनुस्मृति और आरएसएस की विचारधारा है, वह दर्शाती है कि वे बाबासाहेब के संविधान का आदर नहीं करते। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा, हम शाह की टिप्पणी का पुरजोर विरोध करते हैं। बाबासाहेब का अपमान देश और देशवासी सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, अमित शाह पूरे देश से माफी मांगें और अपने पद से इस्तीफा दें।

कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव, सुरक्षा के कड़े इंतेजाम

प्रात : किरण/ एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बुधवार दोपहर को होने वाले विधानसभा घेराव कार्यक्रम के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि निषेधाज्ञा लागू है और राज्य विधानसभा का सत्र चल रहा है, ऐसे में किसी को भी आदेशों का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा। विधानसभा की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगा दिए गए हैं तथा यहां मॉल एवेन्यू क्षेत्र में कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को डराने-धमकाने तथा उन्हें रोकने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करने के बावजूद हजारों कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पहुंच चुके हैं तथा 12:15 बजे घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसका नेतृत्व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे करेंगे। राय ने मंगलवार को दावा किया था कि राज्य सरकार ने अपनी अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के डर से पार्टी के सदस्यों को प्रदर्शन में भाग लेने से रोकने के लिए कई जिलों में नजरबंद कर दिया है। राय ने कहा, कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम से घबराई योगी सरकार अलोकतांत्रिक तरीकों का सहारा ले रही है। पुलिस कार्रवाई के जरिए नेताओं और कार्यकताओं को डराया-धमकाया जा रहा है और हिरासत में लिया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का शर्मनाक उल्लंघन और जनता की आवाज पर हमला है। राय ने कहा कि कांग्रेस राज्य सरकार के निरंकुश रवैये और पुलिस के जरिये दमन किए जाने का कड़ा जवाब देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसी कार्रवाई जारी रही तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

भारत के ऊपर 'सैटेलाइट बीम' बंद कर दिए गए: एलन मस्क

प्रात : किरण/ एजेंसी

इंफाल। स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क ने कहा कि भारत के ऊपर स्टारलिंक के सैटेलाइट बीम बंद कर दिए गए हैं। उनका यह बयान उस दावे की प्रतिक्रिया में आया है जिसमें कहा गया कि उनकी कंपनी के उपकरण का इस्तेमाल हिंसाग्रस्त मणिपुर में किया जा रहा है। सुरक्षा बलों ने हाल ही में इंफाल पूर्वी

जिले में छापेमारी के दौरान हथियारों और गोला-बारूद के साथ कुछ इंटरनेट उपकरण जब्त किए थे। भारतीय सेना के स्पियर कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जब्त की गई चीजों की तस्वीरें साझा की थीं जिसके बाद एक उपयोगकताओं ने इस पर ध्यान दिया कि उनमें से एक उपकरण पर स्टारलिंक का लोगो था। इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए एक उपयोगकर्ता ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, स्टारलिंक का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा किया जा रहा है। आशा है कि एलन मस्क इस पर ध्यान देंगे और इस तकनीक के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने में मदद करेंगे। मस्क ने जवाब दिया, यह गलत है। भारत के ऊपर स्टारलिंक के सैटेलाइट बीम बंद कर दिए गए हैं। राज्य पुलिस के अनुसार, केराओ खुनौ से जब्त की गई सामग्री में एक इंटरनेट सैटेलाइट एंटीना, एक इंटरनेट सैटेलाइट राउटर और 20 मीटर (लगभग) एफटीपी तार शामिल हैं।

योजना प्रदेश सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, सोलर रूफ टॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद देशभर में तीसरे स्थान पर है।

सीएम योगी के नेतृत्व में सौर ऊर्जा से जगमग हो रहा उत्तर प्रदेश, तेजी से लगाए जा रहे सोलर रूफटॉप पैनल

प्रात : किरण/ एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पीएम सूर्य घर योजना को यूपी में नए आयाम मिल रहे हैं। केंद्र की योजनाओं को प्रदेश के विकास से जोड़ते हुए योगी सरकार ने यूपी को सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शीर्ष राज्यों में ला खड़ा किया है। बिजली बचत, आय वृद्धि और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को पूरा करने वाली इस योजना से प्रदेश के लाखों घर लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, सोलर रूफ टॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद देशभर में तीसरे स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 53 हजार से अधिक सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 25 लाख सोलर रूफ टॉप पैनल लगाने का है। योजना को जनता तक पहुंचाने में मिली सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 18 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं, जिनमें से 32 हजार से अधिक घरों में पैनल का इंस्टालेशन भी पूरा कर लिया गया है।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत सरकार सोलर रूफटॉप लगाने के लिए आकर्षक सब्सिडी प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट क्षमता के पैनल के लिए केंद्र सरकार 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार 15 हजार रुपए की सहायता देती है, यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी। इसी तरह, 2 किलोवॉट के पैनल के लिए केंद्र सरकार द्वारा 60 हजार और योगी सरकार द्वारा 30 हजार, कुल 90 हजार रुपए की सहायता लाभार्थियों को दी जा रही है। वहीं, 3

किलोवॉट या उससे ऊपर के पैनल के लिए केंद्र की ओर से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए की सब्सिडी मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की सहायता दी जा रही है। इस योजना का सीधा फायदा उन घरों को मिल रहा है जो बिजली बिल के बोझ से राहत पाना चाहते हैं। सोलर पैनल लगवाने से न केवल बिजली के बिलों में भारी कमी आ रही है, बल्कि लोग अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग करके आय में वृद्धि भी कर रहे हैं। खास बात यह है कि सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण को भी स्वच्छ और हरित बनाया जा रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 25 लाख सोलर रूफटॉप पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए प्रदेश के सातों डिस्कॉम और हर जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरईसी, डिस्कॉम्स और वेंडर्स के साथ समन्वय स्थापित कर इस योजना में आने वाली हर चुनौती का समाधान किया जा रहा है। यह योजना न केवल बिजली के संकट को दूर करने में सहायक है, बल्कि इससे प्रदेश को आत्मनिर्भर और हरित ऊर्जा से संपन्न राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत न केवल बिजली बचत की दिशा में सफलता मिल रही है, बल्कि यह योजना रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही है।

सोलर पैनल इंस्टालेशन से तकनीकी विशेषज्ञों, श्रमिकों और अन्य संबंधित क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए रोजगार के द्वार खुले हैं। इसके अलावा, सौर ऊर्जा के उपयोग से प्रदेश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिल रही है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह योजना एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जनता को राहत, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के इस अद्भुत संगम से यूपी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस से मेयर पद के लिए आठ नेताओं ने की दावेदारी

ऋशिकेश, एजेंसी। नगर निगम चुनाव में मेयर और पार्षदों के पदों के लिए कांग्रेस की ओर से संभावित प्रत्याशियों ने रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन कार्यालय में अपनी दावेदारी पेश की। कांग्रेस के नगर निकाय चुनाव संयोजक संजय गुप्ता व संगठन महामंत्री ऋषि सिंघल ने बताया कि सोमवार को मेयर पद के लिए आठ और पार्षदों के पदों के लिए 58 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मंगलवार को भी रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन में सुबह 11ः30 से दोपहर 2ः30 बजे तक आवेदन पत्र लिए जाएंगे। अभी तक लगभग सभी वार्डों से कई आवेदन प्राप्त हुए है। यह संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद है। महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि जनता भाजपा की नीतियों से तंग आ चुकी है। पिछले नगर निगम कार्यकाल में विकास का कोई कार्य धरातल पर दिखाई नहीं दिया। जबकि यहां ट्रिपल इंजन की सरकार थी। अब जनता को भी जागरूक होना पड़ेगा। इस मौके पर विजय सारस्वत, महंत विनय सारस्वत, शैलेंद्र बिष्ट, दीप शर्मा, राकेश अग्रवाल, बीएस पयाल, चंदन सिंह पंवार आदि मौजूद रहे। कांग्रेस की ओर से मेयर पद के लिए पूर्व अधिशासी अभियंता महेंद्र सिंह, नगर संगठन महामंत्री दीपक प्रताप जाटव, प्रदेश सचिव प्रवीण जाटव, दिनेश चंद्र, सेवानिवृत वित्त अधिकारी सूरत सिंह कोहली, ऋषभ, मनोज बर्तवाल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने अपनी दावेदारी पेश की है।

क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान चाक-चौबंद रहेगी कानून व्यवस्था

ऋशिकेश, एजेंसी। क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कवायद शुरू कर दी है। हेवलघाटी के कैंपों में सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इन दिनों कैंप संचालक अपने प्रतिष्ठानों में कर्मचारी बढ़ा देते हैं। हेवलघाटी में क्रिसमस व नए साल के जश्न की पूरी तैयार होने लगी है। कैंप व रिर्जाट संचालक अपने प्रतिष्ठानों को सजा रहे हैं। वहीं, पर्यटकों की संख्या को देखते हुए प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ा रहे हैं। कैंपों व रिजॉर्टों में अक्सर पर्यटकों और कर्मचारियों के साथ विवाद की घटनाएं होती हैं। इस सब को देखते हुए पुलिस ने सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। अब तक 100 से अधिक लोगों का सत्यापन किया जा चुका है। फूल चट्टी, रत्तापानी, घट्टू गाड, मोहन चट्टी, बैरागढ़, सिंदूड़ी, बिजनी, कुमार्था, नैल, खैरखाल, पीपलकोटी, नीलकंठ आदि क्षेत्रों में सत्यापन किया जाएगा। थाना लक्ष्मणझूला के प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान कानून व्यवस्था चाक चौबंद बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मिट्टी खनन की अनुमति के दुरुपयोग का आरोप

जसपुर, एजेंसी। एक ग्रामीण ने ठेकेदार पर पीएम आवास योजना के लिए ली गई मिट्टी उठान की अनुमति के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीण ने आरोपों के साक्ष्य उपलब्ध कराकर डीएम से अनुमति निरस्त किए जाने की मांग की है। ग्राम राजपुर निवासी फईम अहमद ने मंगलवार को डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम चतर सिंह चौहान को सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीण ने कहा कि किशनपुर गांव में एक ठेकेदार को एक हजार घन मीटर मिट्टी खनन का परमिट जारी किया गया है। तहसील प्रशासन एवं उप निदेशक खनन ऊधमसिंह नगर की रिपोर्ट पर यह कार्रवाई हुई है।

दीक्षांत समारोह में पदक मिलने पर जताई खुशी

काशीपुर, एजेंसी। बाजपुर रोड स्थित सत्येंद्र चंद्र गुड़िया लॉ कॉलेज की छात्रा अनुष्का को कुमांऊ विवि के दीक्षांत समारोह में कांस्य पदक मिला है। रजिस्ट्रार डॉ. सुधीर कुमार दुबे ने बताया कि इससे पहले छात्रा अनिता कुमारी और अंजुम को कांस्य पदक, मयंक अरोरा को स्वर्ण, कनिष्का टंडन को कांस्य और गरिमा अग्निहोत्री को रजत पदक प्राप्त हुआ था। अनुष्का सिंह की उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन विमला गुड़िया, डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, डॉ. नीरज आत्रेय आदि ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उत्तराखंड में जनवरी 2025 से लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

मुख्यमंत्री धामी बोले-सभी तैयारियां पूरी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हो जाएगा। कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक पोर्टल और मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जिससे कि पंजीकरण, अपील आदि की समस्त सुविधाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को सचिवालय में उत्तराखंड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक के दौरान सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार, समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में होमवर्क पूरा कर चुकी है।

सीएम धामी ने कहा कि मार्च 2022 में प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति, गठित करने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

समिति की रिपोर्ट के आधार पर 07 फरवरी, 2024 को राज्य विधान सभा से समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया गया। इस विधेयक पर महामहिम राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च, 2024 को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसी क्रम में अब समान नागरिक संहिता, उत्तराखण्ड 2024 अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली है।

इस तरह उत्तराखंड अब जनवरी से समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए, संहिता के प्रावधान लागू करने के लिए कार्मिकों का समुचित प्रशिक्षण देने के साथ ही सभी तरह की आधारभूत सुविधाएं जुटा ली जाएं। साथ ही अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाइन रखते हुए, जनसामान्य की सुविधा का ख्याल रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सामान्य की सुलभता के दृष्टिगत समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक पोर्टल और मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जिससे कि पंजीकरण, अपील आदि की समस्त सुविधाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जनवरी, 2025 में उत्तराखंड में राज्य समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। उत्तराखंड का समान नागरिक संहिता कानून, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की मूल भावना पर चलते हुए, समाज को नई दिशा देगा। यह कानून विशेषकर देवभूमि की महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के नए द्वार खोलेगा।

कांग्रेस में एक-दूसरे को मनाने में जुटीं दावेदार, पार्टी हाईकमान ने सभी को देहरादून बुलाया

अल्मोड़ा, एजेंसी। कांग्रेस के हाईकमान ने दावेदारों में सहमति बनाने के लिए सबको देहरादून बुलाया है। देहरादून में बुधवार को कांग्रेस की तरफ से विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को देहरादून पहुंचने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस में पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी की पुत्रवधू सुशीला जोशी के मेयर का चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी पेश करने के बाद घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं। पार्टी से करीब 10 दावेदार मैदान में हैं लेकिन सोमवार को इनमें सहमति बनाने के प्रयास विफल हो जाने के बाद अब महिलाओं ने नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इनमें कई दावेदार एक दूसरे से संपर्क करके यह प्रयास कर रहीं हैं कि वे उनके समर्थन में अपना नाम वापस ले लें। अर्थात महिलाएं चाह रही हैं कि सामने वाली प्रतिद्वंद्वी अपना नाम मेरे पक्ष में वापस ले ताकि वह अपना दावा मजबूती से रख सकें। इस बारे में आज इनमें से कई दावेदार अपने-अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए दूसरी दावेदारों के संपर्क में रहीं। एक दूसरे के घर पर बैठकों का दौर चलता रहा। हालांकि, अभी तक स्थिति जस की तस है।

दूसरी ओर अब कांग्रेस के हाईकमान ने दावेदारों में सहमति बनाने के लिए सबको देहरादून बुलाया है। देहरादून में बुधवार को कांग्रेस की तरफ से अडानी विवाद सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को देहरादून पहुंचने के लिए कहा गया है। इस प्रदर्शन के बहाने ही दावेदारों का मान मनौव्वल किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार निर्देश तो अपरोक्ष रूप से ये भी हैं कि जो महिलाएं मेयर का चुनाव लड़ना चाहती हैं, उन्हें अधिक से अधिक भीड़ के साथ आने को कहा गया है। इस प्रदर्शन के बहाने ही अल्मोड़ा के मेयर पद सहित जिले की नगरपालिका चिलियानौला और नगर पंचायतों द्वाराहाट, भिकियासैंण और चौखुटिया के लिए दावेदारी करने वालों दावेदारों को भी मनाने का प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने बताया कि अभी पार्टी की ओर से मेयर पद पर और दावेदार बढ़ सकते हैं। मंगलवार को पार्टी के पदाधिकारी कार्यालय में बैठकर दावेदारों के आने का इंतजार करते रहे।

विस्थापन के लिए ग्रामीणों ने पीएमओ को लिखा पत्र

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋ षिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से प्रभावित टिहरी जनपद के नरेंद्रनगर ब्लॉक अंतर्गत बल्याखान के ग्रामीणों ने विस्थापन की मांग को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड को पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से ग्रामीणों ने केंद्र सरकार से मैदानी क्षेत्र में विस्थापन की मांग की है। जुलाई 2023 में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉडगेज रेल परियोजना के कारण गूलर के नजदीक बल्याखान गांव के नीचे रेलवे सुरंग निर्माण के दौरान ब्लास्टिंग होने से करीब 13 ग्रामीणों के मकानों में दरारें आ गई थी। उसके बाद स्थानीय प्रशासन और रेल विकास निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर इसकी जांच की थी। रेल विकास निगम की ओर से मकानों की मरम्मत के लिए कुछ आर्थिक सहायता दी गई थी, लेकिन अब फिर से कई लोगों के मकानों में दरारें आने लगी हैं। ग्रामीणों ने 10 अगस्त से गूलर स्थित सुरंग के आगे धरने की चेतावनी दी थी, लेकिन प्रशासन के साथ हुई बैठक में ग्रामीणों ने धरने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। अब ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री कार्यालय, रेलवे बोर्ड नई दिल्ली और रेल मंत्री को ज्ञापन भेजकर मैदानी क्षेत्र में विस्थापन की मांग की है। ज्ञापन सौपनें वालों में दिनेश प्रसाद रयाल, मदन रयाल, संजय रयाल, देवदत्त, राधेश्याम, कीर्ति प्रसाद, विकम मेहर आदि शामिल हैं।

रात के अंधेरे में लाइनमैन चोरी-छिपे कर रहा था ये काम, लोगों की पड़ गई नजर, पुलिस भी दौड़ी-दौड़ी आई

रुड़की, एजेंसी। रामनगर डिवीजन के कृष्णानगर इलाके में रात के समय ऊर्जा निगम के लाइनमैन ने चोरी छिपी बिजली की लाइन के तार काट डाले। जिस समय लाइनमैन यह काम कर रहा था, तभी कालोनी के लोगों की नजर उस पर पड़ गई। हंगामा करते हुए लाइनमैन को पकड़ लिया और उसको पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में अवर अभियंता की ओर से तहरीर दी गई है।

रामनगर डिवीजन के कृष्णानगर गली नंबर बीस में बिजली की दो लाइन है। वर्षाकाल में एक लाइन में खराबी आने पर दूसरी लाइन से बिजली की आपूर्ति को शुरू किया गया था। इसी बीच कुछ लोग इस लाइन को स्थायी रूप से हटाना चाहते थे। इस पर ऊर्जा निगम की ओर से मना कर दिया गया था। इसी बीच सोमवार देर रात एक व्यक्ति बिजली की लाइन को काट रहा था। इस पर कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ गई। उन्होंने उसे विद्युत तार चोर गिरोह का सदस्य समझकर शोर मचाना शुरू कर दिया। तब तक भीड़ एकत्र हो गई। इस बात की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद लाइनमैन को रात में ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सुबह के समय ऊर्जा निगम के अधिकारियों को इस बात की जानकारी मिली। जिस पर उन्होंने लाइनमैन के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस संबंध में रामनगर के अवर अभियंता सुखपाल ने पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ऐश्वर्य पाल ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। कालोनी के लोगों ने ऊर्जा निगम से वैकल्पिक लाइन को फिर से दुरुस्त करने के निर्देश दिए है।

पृथ्वी पर पीने के जल की मात्रा रोज घटती जा रही : डॉ. सुनैना

ऋषिकेश, एजेंसी। त्रिवेणीघाट में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के विभिन्न एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में स्पर्श गंगा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एनएसएस अधिकारी डॉ. सुनैना रावत ने कहा कि स्पर्श गंगा मात्र गंगा को स्वच्छ कर देने का कार्य नहीं अपितु गंगा के साथ-साथ उन नदियों, गदेरे, जल स्रोतों को साफ रखना है जिससे हमें पीने का जल मिलता है, क्योंकि पृथ्वी पर पीने के जल की मात्रा दिन प्रतिदिन घटती जा रही है।

वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि यदि अगला विश्व युद्ध होगा तो मात्र पानी के लिए लड़ा जाएगा। ऐसी भयानक स्थिति से यदि हमें बचना है तो अपने समस्त जल स्रोतों को साफ और स्वच्छ रखना अनिवार्य है। गढ़वाल मंडल के कोऑर्डिनेटर पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि वर्ष 2009 से तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक की ओर से स्थापित स्पर्श गंगा दिवस कार्यक्रम निरंतर गतिमान है। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक दिलेराम रवि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य समाज को नवीन दिशा प्रदान करना है। समाज के लिए वह राह प्रदान करना जिससे देश विकसित हो और सफलता की सीढ़ियों को चढ़ता रहे। इससे पूर्व प्रदेश के एनएसएस अधिकारी डॉ. सुनैना रावत, मंडलीय कार्यक्रम समन्वयक गढ़वाल मंडल पौड़ी पीएस नेगी, प्रो. गौरव वार्ष्णेय ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र, श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज ऋषिकेश, राजकीय इंटर कॉलेज खदरी खड़कमाफ श्यामपुर और मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ढालवाला टिहरी गढ़वाल के स्वयं सेवियो, कार्यक्रम अधिकारी और शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।टन किया।

दूषित पानी से होकर गुजरने को मजबूर ग्रामीण

ऋषिकेश, एजेंसी। प्रतीत नगर ग्राम पंचायत में लंबे समय से पानी की निकासी के लिए नाली की सफाई नहीं हो पाई है। जिसके चलते नाली का दूषित पानी सड़क पर बह रहा है। राहगीरों के साथ-साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूषित पानी से छात्र-छात्राओं की ड्रेस तक खराब हो रही है।

ग्राम पंचायत प्रतीत नगर में घरों के गंदे पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण कराया गया था। लेकिन ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाई गई यह नाली ग्रामीणों के लिए ही मुसीबत का सबब बनी हुई है। लंबे समय से नाली की सफाई नहीं हुई है। जिसके चलते नाली चोक होने से दूषित पानी सड़क पर बह रहा है।

सबसे खराब हालत राजकीय इंटर कॉलेज के समीप है। यहां नाली से निकलने वाला पानी इंटर कॉलेज, हनुमान चौक और छावनी के मुख्य गेट से होता हुआ रेलवे फाटक तक पहुंच रहा है। दिनभर दूषित पानी सड़क पर बहता रहता है। जिसके चलते पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बरसात के दौरान तो स्थिति और भी बदतर हो जाती है। जहां एक ओर दूषित पानी से स्थानीय लोगों और स्कूली बच्चों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इससे गांव में घातक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। दूषित पानी से सेना प्रशासन भी परेशान है।

ग्राम पंचायत प्रतीत नगर की प्रशासक अंजना चौहान का कहना है कि गांव में किसी भी कार्य को करने के लिए पंचायत के खाते से धनराशि निकालने की अनुमति उनको नहीं मिली है। जिसके चलते गांव में विकास कार्य करने में दिक्कत आ रही है। इस समस्या के संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भी अवगत कराया है। लेकिन अधिकारी इस ओर ध्यान नही दे रहे हैं। पूर्व उप प्रधान दीवान सिंह चौहान, अजय साहू, एके सिंह और सुचित झा का कहना है कि इस मामले को लेकर जल्द ही वह जिलाधिकारी से मुलाकात करेंगे।

विदेशी युवतियों से छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋ षिकेश घूमने आई दो विदेशी युवतियों से स्पा सेंटर में अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

जर्मनी निवासी युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह और उसकी कनाडा निवासी दोस्त ऋषिकेश आए थे। बीते रविवार को दोनों हिमालयन योग स्पा सेंटर, आईडीपी में स्पा कराने गए थे। यहां मसाज करने वाले बबलू नाम के एक कर्मचारी ने गलत तरीके से उन्हें छुआ और उनका यौन उत्पीड़न किया। उस समय एक ही कर्मचारी मौजूद था।

दो शादी की बात छिपाकर धोखे से की तीसरी की, उसे भी निकाला

हरिद्वार, एजेंसी। दो शादी की बात छिपाकर ज्वालापुर की युवती से तीसरी शादी कर ली। अब मारपीट कर उसे भी घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, मोहल्ला कैतवाड़ा ज्वालापुर निवासी युवती ने शिकायत दी। बताया कि उसकी शादी 20 सितंबर 2022 को आमिर निवासी नूर बस्ती सहारनपुर यूपी से हुई थी। शादी से पहले से आमिर ने शपथ पत्र देकर खुद को अविवाहित बताया था। शादी के बाद जब पति के घर पहुंची तो कुछ दिनों बाद ही पता चला कि आमिर की उससे तीसरी शादी है। इससे पहले उसने 16 अगस्त 2019 को अहबाबनगर ज्वालापुर निवासी युवती से शादी की थी। आरोप है कि एक शादी समारोह में उसे फिर मालूम हुआ कि एक और शादी जिला मुजफ्फरनगर से की हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद से आमिर ने उसे डरा धमकाकर रखा। माता-पिता से मिलने भी नहीं दिया। आरोप है कि जानबूझकर धोखाधड़ी दो शादियों की बात छिपाकर गुमराह कर प्रेमजाल में फंसाकर शादी की। राज खुलने पर गाली-गलौज कर मारपीट की। बेटी को जन्म देने के बाद उसने और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

एचआरडीए से सिंचाई विभाग नहरों में सीवर गिराने वालों का नक्शा पास नहीं करने का करेगा अनुरोध

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण को पत्र लिखकर सिंचाई विभाग अब नहरों में गंदगी गिराने वालों के भवन नक्शा नहीं पास करने का अनुरोध करेगा। एक सप्ताह से शहर और देहात के क्षेत्रों में कई स्थानों पर नहर किनारे बसी आबादी को चिन्हित करने का काम किया जा रहा है। टीम ने अब तक कुल चार वार्ड नगरीय क्षेत्र के चिन्हित किए हैं। वहीं, इसमें बसी आबादी की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। नहर, गूल, और रजवाहों में गंदगी की शिकायत लगातार मिल रही है। इसको देखते हुए शहर से देहात तक टीम को भेजा जा रहा है। उन मकानों को चिन्हित किया जा रहा है, जिनके सीवर का पानी या अन्य तरह की गंदगी नहर में जा रही है। इनको सूचीबद्ध करते हुए इन भवनों का स्वीकृत नक्शा निरस्त करने और नए आवेदनों की जांच कराने की मांग एचआरडीए से की जा रही है। अधिशासी अभियंता ने कहा कि विभाग नोटिस भेजने के साथ ही इसकी पूरी रिपोर्ट भी एसडीएम को प्रेषित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अकेले जगजीतपुर और कनखल क्षेत्र के करीब दो हजार से अधिक भवनों को चिन्हित किया जा चुका है, जो गंगा की शाखाओं में सीवर पाइप के जरिए डाल रहे हैं। नहरों में सीवर और गंदगी डालना इसके किनारे बसी कॉलोनियों की मजबूरी बन चुकी है। वर्ष 2002 में राज्य गठन के बाद नगर निगम का तीसरा चुनाव होने जा रहा है। अधिकांश कॉलोनियां जो नहरों के किनारे बसी यहां पर सीवर और जल निकास जैसी समस्याओं को अनदेखा किया गया। इसमें प्रमुख रूप से जगजीतपुर के कई वार्ड शामिल हैं। इसी तरह कनखल क्षेत्र से निकल रही नहर किनारे जो भवन बने हैं, उन्हें आवागमन के लिए नहर की पटरी तो मिल गई, लेकिन सीवर और जल निकास का विकल्प नहीं मिला। हालत यह है कि घरों का पानी नहर में मिला दिया गया है। वार्ड के पार्षदों का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में प्रस्ताव भी दिया, लेकिन सीवर और जल निकास की कार्ययोजना को स्वीकृति नहीं मिली।

शोधार्थी डॉ.पूजा ने बेस कपड़े पर फाल्कोनेरिया इंसिग्निस का उपयोग कर रोगाणुरोधी सतह बनाई

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। जीबी पंत कृषि विवि पंतनगर की शोधार्थी व वर्तमान फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान चंडीगढ़ में सहायक प्राध्यापक डॉ. पूजा ने बेस कपड़े पर फाल्कोनेरिया इंसिग्निस का उपयोग कर रोगाणुरोधी फिनिश (सतह) बनाने में सफलता हासिल की है।

जीबी पंत कृषि विवि पंतनगर की शोधार्थी व वर्तमान फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान चंडीगढ़ में सहायक प्राध्यापक डॉ. पूजा ने बेस कपड़े पर फाल्कोनेरिया इंसिग्निस का उपयोग कर रोगाणुरोधी फिनिश (सतह) बनाने में सफलता हासिल की है। इस विशेष कपड़े को संग्रहालय में शोकेस के लिए आधार सामग्री के रूप में डिजाइन किया गया है।

यह कपड़ा अमूल्य कलाकृतियों को सुरक्षा देगा। विवि को इस नई तकनीक का पेटेंट भी हासिल हो गया है।

डॉ. पूजा ने जीबी पंत कृषि विवि स्थित सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. अल्का गोयल और प्राध्यापक डॉ. मानविका सहगल के मार्गदर्शन में अपनी पीएचडी पूरी की थी। डॉ. पूजा ने बताया कि सूक्ष्मजीवों के विकास की संभावना वाली पर्यावरणीय परिस्थितियों में नाजुक कलाकृतियों का संरक्षण न हो पाना बहुत बड़ी समस्या है। इसका संग्रहालय और दीर्घाएं वैश्विक स्तर पर सामना करते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए फाल्कोनेरिया इंसिग्निस के प्राकृतिक गुणों का उपयोग कर कपड़े पर नई रोगाणुरोधी सतह तैयार की गई है। यह एक पौधा है, जो अपनी मजबूत रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए जाना जाता है। फाल्कोनेरिया इंसिग्निस से बायोएक्टिव घटकों को अलग कर उपचारित केसमेंट फैब्रिक (कलाकृतियों के लिए एक सुरक्षित आवास) तैयार किया गया है, जो बैक्टीरिया, कवक और अन्य रोगाणुओं के विकास को रोकता है। इस रचनात्मक दृष्टिकोण के दो फायदे हैं। पहला...संग्रहालय में कलाकृतियों के संरक्षण में सुधार करता है। दूसरा... यह पारंपरिक रासायनिक उपचारों के लिए एक स्थायी विकल्प देता है। डॉ. पूजा ने बताया कि अब तक संग्रहालयों में वस्त्रों को संरक्षित करने के लिए काली मिर्च और लौंग जैसे खाद्य स्रोतों का उपयोग किया जाता था।

संक्षिप्त खबरें

चोरी के 17 लाख रुपये गड्ढे छिपाए थे, धरा

नई दिल्ली । मुखर्जी नगर में हुई चोरी की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस संबंध में पुलिस ने 1000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को धर दबोचा। मामले में 43 लाख रुपये और एक बाइक बरामद हुई है। आरोपी ने पैसे अपने निमार्णाधीन मकान के शौचालय के गड्ढे में रखे थे। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी रघुबीर उर्फ बौंडी इंदौर के द्वारकापुरी का निवासी है। आरोपियों ने सुरेश अग्रवाल के जीटीबी नगर स्थित कार्यालय में ताला तोड़कर लगभग 1.25 करोड़ रुपये की चोरी कर ली थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गड्ढे से 17,58,220 रुपये नकद, साहूकार से लिए गए 10 लाख रुपये तथा चोरी के पैसे से खरीदी गई एक नई बाइक बरामद की है। साथ ही तीन बैंक खातों से 15,10,000 रुपये फ्रिज किए गए हैं। इसमें एक खाता सह आरोपी गुरदीप की मां का भी है।

तीमारदारों के लिए शुरू हुआ कंबल बैंक

नई दिल्ली, । दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों के तीमारदारों को ठंड से बचाने के लिए मंगलवार को निशुल्क कंबल बैंक शुरू किया गया है। कंबल बैंक का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी संजय मयूख ने किया। इस मौके पर मयूख ने कहा कि दिल्ली भाजपा के महामंत्री विष्णु मित्तल की आओ साथ चले संस्था की यह पहल बताती है कि भाजपा का मतलब सेवा है और यह मंत्र सभी कार्यकर्ता के लिए सर्वोपरि है।

मंत्री ने बिजली के मीटर जल्द लगाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली,। बल्लीमारान से विधायक एवं दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन ने अपने क्षेत्र में बीएसईएस अधिकारियों को तेजी से नए घरेलू मीटर लगाने के निर्देश दिए हैं। इसे लेकर मंगलवार को बल्लीमारान स्थित उनके कार्यालय में विशेष कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें बीएसईएस अधिकारियों ने नए मीटर के लिए लोगों के आवेदन स्वीकार किए। इमरान हुसैन ने बीएसईएस अधिकारियों से कहा कि लोगों के घरों में जल्द से जल्द बिजली के नए मीटर लगाए जाएं। इमरान हुसैन ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द नए बिजली कनेक्शन प्रदान करना है। इस दौरान शिविर में आए लोगों की बिजली बिलों से संबंधित समस्याओं का निवारण किया गया। इस विशेष शिविर में लगभग 500 से अधिक घरों में नए बिजली मीटर कनेक्शन और संबंधित जन शिकायतों का समाधान किया गया। कैंप के दौरान इमरान हुसैन ने स्वयं स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करवाया और बीएसईएस अधिकारियों को नए बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इमरान हुसैन ने बीएसईएस के अधिकारियों को स्थानीय निवासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनकी शिकायतों का जल्द निपटारा करने के लिए कहा।

कोठी में आग लगने से बुजुर्ग पति-पत्नी की मौत

नई दिल्ली, । सफदरजंग एन्क्लेव स्थित एक कोठी में बुधवार तड़के लग गई। आग में बुजुर्ग दंपति की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग तृतीय तल पर लगी थी। घर में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान भी जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मृतकों की पहचान गोविंद राम नागपाल (80) तथा उनकी पत्नी शीला नागपाल (78) के रूप में हुई है। बुजुर्ग दंपति घर में अकेले रहते थे। उनका बेटा अमेरिका में है, जबकि बेटी पश्चिम विहार इलाके में रहती है। दमकल विभाग के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सफदरजंग एन्क्लेव में बी-2 ब्लॉक स्थित मकान संख्या 204 में तृतीय तल पर गोविंद राम नागपाल अपनी पत्नी शीला नागपाल के साथ रहते थे। गोविंद राम केल्वीनेटर कंपनी से सेवानिवृत थे। वहीं, उनकी पत्नी विद्या निकेतन से सेवानिवृत हुई थी। रात को हमेशा की तरह दंपति सोने गए थे। सुबह करीब पौने छह बजे मकान के तृतीय तल से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने मकान से धुंआ एवं आग की लपटें उठती देखीं तो उन्होंने मामले की सूचना दमकल विभाग तथा पुलिस को दी। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी के अनुसार, आग की सूचना पर दमकल विभाग के अलावा स्थानीय पुलिस तथा कैट एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंचीं। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घर के अंदर पहुंचने पर बुजुर्ग दंपति मृत हालत में पड़े मिले। आग लगने से घर का सभी सामान जलकर राख हो गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि दंपति के परिवार में एक पुत्र तथा पुत्री हैं। उनका पुत्र विनीत नागपाल अमेरिका में रहता है,

पढ़ने का चश्मा अगर विदेशी है तो संविधान में भारतीयता कभी दिखाई नहीं देगी: गृह मंत्री अमित शाह

● नेहरू जी ने भारत नाम का विरोध किया, अगर इंडिया के चश्मे से भारत को देखोगे, तो भारत कभी समझ नहीं आएगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने राज्यसभा में भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि, ह्यपढ़ने का चश्मा अगर विदेशी है तो संविधान में भारतीयता कभी दिखाई नहीं देगी। बात चाहे चुनावी मैदान की हो या संसद में चर्चा करने की, भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह अपनी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरते हैं। वास्तविक तथ्यों, विपक्ष की खामियों और भाजपा की उपलब्धियों के साथ जब शाह अपना बाण चलाते हैं तो विपक्षी धाराशायी हो जाते हैं। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने 55 साल के अपने शासन में 77 बार संविधान में परिवर्तन किए, जबकि 16 साल के शासन में भारतीय जनता पार्टी ने 22 बार संविधान में परिवर्तन किए। संविधान में संशोधन या परिवर्तन के पीछे के कारणों व उद्देश्यों से ही पार्टी का चरित्र और खासकर संविधान के प्रति पार्टी के विश्वास का एक प्रतिबिंब लोकतंत्र में जनता के सामने आता है। भारतीय राजनीति को नई पहचान दिलाने वाले शाह ने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि नेहरू जी के कार्यकाल में पहला संशोधन 18 जून, 1951 को हुआ, जिसके तहत 19 ए को जोड़ा गया, जिसका उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी को ‚urti' करना था। इंदिरा गांधी की सरकार ने 24वाँ संविधान संशोधन किया, जिसके माध्यम से संसद को नागरिकों के मौलिक अधिकार कम करने का अधिकार दे दिया गया। 10 अगस्त, 1975 का वह काला दिन जब इंदिरा गांधी के ही नेतृत्व में 39वाँ संविधान संशोधन किया गया, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री पद की न्यायिक जाँच पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इंदिरा गांधी ने चुनाव में हार की डर से 42वाँ संविधान संशोधन किया और लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का सामान्य कार्यकाल 5 साल से बढ़ाकर 6 साल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपना पहला और 101वाँ संविधान संशोधन 1 जुलाई, 2017 को लाई जब देश के अर्थतंत्र को १ँ८३ँ में लाने के लिए जीएसटी को लागू किया गया। मोदी सरकार ने 102वाँ संशोधन किया ताकि नेशनल कमीशन ऑफ बैकवर्ड क्लास को संवैधानिक दर्जा मिले। मोदी सरकार तीसरा संशोधन 12 जनवरी, 2019 को लाई जिसके तहत किसी भी प्रकार का आरक्षण का फायदा न पाने वाली गरीब जाति के बच्चों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया गया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर मातृ शक्ति को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए मोदी सरकार ने चौथा संविधान संशोधन 28 दिसंबर 2023 को लाने का काम किया। इसके अलावा ट्रिपल तलाक समाप्त करने, नई शिक्षा नीति-2020 लाने, जम्मू-कश्मीर में आरक्षण देने, तीन नए आपराधिक कानून को लागू करने का काम मोदी जी की दूरदर्शिता और अमित शाह की नीतियों से ही संभव हुआ है। देश की जनता ने यह भी देखा है कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान कोरा संविधान की प्रति को हवा में लहराकर जनादेश लेने का कुत्सित प्रयास किया है। संविधान सभाओं में लहराने और बहकाने का मुद्दा नहीं है, संविधान एक विश्वास और श्रद्धा है। कांग्रेस एक हाथ से ओबीसी के आरक्षण का विरोध करती है तो दूसरे हाथ से धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण देने की वकालत करती है, जो असंवैधानिक है। एक परिवार पार्टी को परिवार की जागीर समझता है और साथ ही संविधान को भी निजी जागीर समझता है। मुस्लिम पर्सनल लॉ इस देश में संविधान आने के बाद तुष्टिकरण की शुरूआत है। 200 सालों की गुलामी के बाद जब भारत आजाद हुआ तब दुनिया के राजनीतिक पंडितों का मानना था कि ये देश बिखर जाएगा और आर्थिक रूप से कभी आत्मनिर्भर नहीं हो सकेगा। संविधान को स्वीकार करने के 75 साल बाद आज देश एक होकर मजबूती के साथ दुनिया के सामने खड़ा है। आज अमृतकाल में एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो खुद को देश का प्रधान सेवक कहते हैं तो दूसरी ओर तानाशाही इंदिरा गांधी थी, जिन्होंने खुद को शासक कहा।

एम्स को प्रदूषण रहित 27 ई-बसें डोनेट करेगी बीएसईएस

● एम्स व बीएसईएस के निदेशकों ने 11 ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। 213 एकड़ में फैले ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) के परिसर में प्रदूषण रहित आवागमन को बढ़ावा देने के लिए बीएसईएस 27 इलेक्ट्रिक बसें डोनेट कर रही है। इन प्रदूषण-रहित इलेक्ट्रिक बसों से एक ओर जहां एम्स कैंपस की आबोहवा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, वहीं इससे रोजाना हजारों मरीजों, उनके परिवारजनों और एम्स के डॉक्टरों व स्टाफ को स्वच्छ परिवहन की सुविधा भी मिलेगी। बीएसईएस और एम्स के बीच की इस साझेदारी से एम्स कैंपस में कार्बन फुटप्रिंट्स में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। बेहतर पर्यावरण के निर्माण की दिशा में पहल करते हुए बीएसईएस अपने सीएसआर कार्यक्रमों के तहत ये बसें एम्स को डोनेट कर रही है। गौरतलब है कि देशभर से हजारों की संख्या में मरीज अपना इलाज करवाने एम्स आते हैं और उनके साथ उनके परिवार के लोग भी होते हैं। आज एम्स परिसर में हुए एक सादे कार्यक्रम में एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास और बीएसईएस लीडरशिप टीम ने हरी झंडी दिखाकर 11 ई-बसों को रवाना किया, जो एम्स कैंपस में लोगों के स्वच्छ आवागमन में अपना योगदान देंगी। बीएसईएस के डायरेक्टर व ग्रुप सीईओ श्री अमल सिन्हा, बीएसईएस बोर्ड में डायरेक्टर श्री वी एस वर्मा तथा बीवाईपीएल के सीईओ श्री अमरजीत सिंह ने आज के ई-बस फ्लैग-ऑफ कार्यक्रम में बीएसईएस टीम का नेतृत्व किया। इस मौके पर एम्स व बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अगले कुछ महीनों में 16 और ई-बसें एम्स को उपलब्ध कराई जाएंगी। बीएसईएस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही 27 ई-बसों में से 20 बसें एम्स कैंपस में मरीजों व उनके परिवारजनों के आवागमन के लिए काम करेंगी और 7 बसें परिसर में डॉक्टरों व स्टाफ के आवागमन की जिम्मेदारी संभालेंगी। एम्स परिसर में रोजाना औसतन 10 हजार से अधिक लोग विजिट करते हैं। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस न सिर्फ दिल्ली के 50 लाख घरों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध करा रही है, बल्कि अपने प्रयासों से वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन कर रही है। एक कॉरपोरेट नागरिक के तौर पर अपने सामाजिक दायित्वों के बारे में बताते हुए बीएसईएस के प्रवक्ता ने कहा कि बीएसईएस न सिर्फ लोगों के घरों को रौशन कर रही है, बल्कि उनके सपनों, आकांक्षाओं और सामाजिक प्रगति को भी गति दे रही है। एम्स को ई-बसें डोनेट करना बीएसईएस की इन्हीं सामाजिक दायित्वों को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस अपनी विभिन्न पहल के माध्यम से लोगों के जीवन और दिल्ली शहर को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। अपने सीएसआर पहल के माध्यम से पिछले कुछ वर्षों के दौरान बीएसईएस लाखों लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लेकर आई है। स्वास्थ्य पर आधारित बीएसईएस के सीएसआर कार्यक्रमों के तहत पिछले वर्षों के दौरान 20 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। स्वास्थ्य आधारित पहल के तहत फिलहाल, आई केयर कैंप, नशा-मुक्ति कैंप, व माहवारी-स्वच्छता पहल के अलावा दिव्यांगों की सहायता के लिए भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य को लेकर बीएसईएस की प्रतिबद्धता को इस बात से समझा जा सकता है कि कोविड-19 महामारी के दौरान इसने बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, पीपीई केट, हैंड सैनिटाइजर, मास्क, आदि का वितरण किया था, जिससे स्वास्थ्यकर्मियों व आम दिल्लीवासियों को महामारी से बचने में काफी मदद मिली थी।

केजरीवाल की संजीवनी योजना, जनता के साथ एक और धोखा : बिधूड़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने अरविंद केजरीवाल की 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का मुफ्त इलाज करने की योजना को जनता के साथ एक और धोखा बताया है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल तो पिछले दस सालों से कह रहे हैं कि दिल्ली में हर व्यक्ति को मुफ्त इलाज मिल रहा है, मुफ्त टेस्ट हो रहे हैं और दिल्ली में स्वास्थ्य क्रांति आई हुई है। अगर आम आदमी पार्टी के शासन में पहले से ही ऐसी व्यवस्था है तो फिर इस योजना की जरूरत ही क्या है? बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल ने इस योजना को संजीवनी नाम दिया है लेकिन असल में यह दिल्ली की जनता के लिए नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी अपने लिए संजीवनी ढूंढ रही है। दिल्ली की जनता के साथ उसने जो धोखे किए हैं और झूठे वादे किए हैं, उससे आम आदमी पार्टी मरणासन्न स्थिति में पहुंच गई है। सच्चाई तो यह है कि महिलाओं के लिए एक हजार की पेंशन या फिर 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के मुफ्त इलाज जैसी योजनाएं भी अब आप सरकार के लिए संजीवनी नहीं बन सकतीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बुजुर्गों की पेंशन पिछले सात साल से बंद पड़ी है और आयुष्मान भारत योजना लागू न किए जाने के कारण दिल्ली के 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग दिन-रात केजरीवाल को कोस रहे हैं। उनकी नाराजगी को भांपते हुए केजरीवाल अब उनके साथ धोखा करते हुए यह हवाई योजना लाए हैं। बिधूड़ी ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के मुफ्त इलाज की योजना पर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप सरकार है लेकिन केजरीवाल कह रहे हैं कि यह योजना तब लागू होगी, जब वह दोबारा सत्ता में आएंगे। आखिर तुरंत या इससे पहले इस योजना को क्यों नहीं लाया गया? इस योजना का रजिस्ट्रेशन सरकार नहीं कर रही बल्कि यह जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को सौंपी गई है। जब सरकार की योजना है तो पार्टी कार्यकर्ता कैसे रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि दिल्ली में महिलाओं को एक हजार रुपए की राशि देने के बारे में भी इसी तरह पिछले लोकसभा चुनावों के वक्त आप कार्यकताओं ने रजिस्ट्रेशन किया था लेकिन वह केवल धोखा साबित हुआ। ऐसे रजिस्ट्रेशन का कोई कानूनी महत्व नहीं है। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल को पता चल चुका है कि उनका खेल खत्म हो चुका है और जनता उनके हर पैंतरे को समझ चुकी है। इसीलिए अब वह जनता को धोखा देने के लिए चुनावों से पहले नई-नई योजनाएं लाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। ऐसे ही वादे पंजाब की महिलाओं के साथ किए गए थे जो अब तक पूरे नहीं किए गए। दिल्ली की जनता ऐसे धोखों में नहीं फंसेगी।

मेरी तरह ही देश के करोड़ों लोगों के आदर्श हैं बाबा साहब अंबेडकर, जो बाबा साहेब से करें प्यार, वह भाजपा को करे इन्कार : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भाजपा नेता और देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दलितों, शोषितों और वंचितों के मसीहा बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का अपमान करने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति की है। बुधवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने भाजपा मुख्यालय पर हल्ला बोल दिया। अरविंद केजरीवाल खुद अपने हाथ में बाबा साहब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तानह्व लिखी तख्ती लेकर पैदल ही भाजपा मुख्यालय की तरफ कूच किए। उनके साथ वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, दिल्ली की सीएम आतिशी, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज समेत तमाम नेता नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे। दिल्ली पुलिस ने सबको बीच रास्ते में रोक दिया तो वो सड़क पर ही बैठ गए और अपना विरोध जताया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का अपमान आम आदमी पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। बाबा साहब के दिए हुए संविधान की वजह से आप लोग सत्ता में आए हो। अगर आपको बाबा साहब के नाम से आपत्ति है तो अपनी सत्ता छोड़ दो। बाबा साहब का अपमान करने के लिए अमित शाह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। देश के करोड़ों दलितों, पिछड़े और वंचितों के लिए बाबा साहब भगवान से कम नहीं हैं- केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मंगलवार को संसद में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब अंबेडकर का बहुत अपमान किया। उनका एक तरह से मजाक उड़ाया। अमित शाह ने कहा कि अंबेडकर-अंबेडकर कहने से कुछ नहीं होगा, इससे अच्छा भगवान का भजन करो, तो हो सकता है स्वर्ग मिल जाए। मैं अमित शाह को कहना चाहता हूं कि देश के करोड़ों दलितों, गरीबों, कुचले और पिछड़े लोगों और वंचितों के लिए बाबा साहब अंबेडकर भगवान से कम नहीं हैं। मरने के बाद पता नहीं कि स्वर्ग मिलता है या नहीं लेकिन आज इस पृथ्वी के ऊपर ऐसे करोड़ों वंचित इसलिए जिंदा हैं क्योंकि बाबा साहब अंबेडकर ने उन्हें संविधान में जीने और रहने का अधिकार दिया। आम आदमी पार्टी बाबा साहब के जीवन और बताए गए रास्ते पर चलने की कोशिश करती है- केजरीवाल उन्होंने कहा कि जिस तरह से अमित शाह ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मैं खुद व्यक्तिगत तौर पर उन्हें अपना आदर्श मानता हूं। उनके बताए गए रास्ते पर चलने की कोशिश करता हूं। मुझे जब भी कभी जीवन में कठिनाई महसूस होती है तो उनकी जीवनी उठाकर पढ़ लेता हूं। उनका संघर्ष हमें प्रेरणा देता है। केवल मैं ही नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी भी बाबा साहब अंबेडकर के जीवन और बताए गए रास्ते पर चलने की कोशिश करती है। मेरे जैसे करोड़ों लोग हैं जिनके आदर्श बाबा साहब अंबेडकर हैं। उन सभी करोड़ों लोगों की भावनाओं को अमित शाह ने आहत किया है। अमित शाह के समर्थन पीएम मोदी के उतरने से साफ हो गया है कि यह भाजपा की एक सोची समझी रणनीति थी - केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि लेकिन आज जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह के समर्थन में उतर आए, उससे ऐसा लगता है कि मंगलवार को जो अमित शाह ने कहा था वह भाजपा की एक सोची हुई रणनीति थी। जिसके तहत संसद में बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया गया। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। अब यह साफ हो गया है कि भाजपा बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ है, संविधान के खिलाफ है। अब भाजपा के जितने समर्थक हैं, उन्हें चुनना पड़ेगा कि या तो वो भाजपा के साथ हैं या बाबा साहब अंबेडकर के साथ हैं।

निगम के विद्यालय के छात्रों ने उत्तरी मैसेडोनिया के माननीय राजदूत के साथ ग्रीन क्रिसमस मनाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम प्राथमिक विद्यालय एंड्रयूज गंज के छात्रों ने आज उत्तर मैसेडोनिया के माननीय राजदूत स्लोबोदान उजुनोव की उपस्थिति में ग्रीन क्रिसमस मनाया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त अमित कुमार शर्मा और ग्रामालय के निदेशक सुभाष मानव के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अमित कुमार शर्मा अतिरिक्त आयुक्त (शिक्षा) ने कहा कि इस समय जब प्रदूषण हम सभी को प्रभावित कर रहा है, कचरे का पुनःचक्रण कचरे को कम करने के तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि सतत विकास और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए हमें युद्ध स्तर पर कचरे के पुनःचक्रण को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती माता को बेहतर स्थिति में छोड़ने का संकल्प लेना होगा। दिल्ली नगर निगम के विद्यालय के छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साह के साथ क्रिसमस की सजावट की। उत्सव के लिए इस्तेमाल की गई अपशिष्ट सामग्री का पुनर्चक्रण पूरे कार्यक्रम का सार था। इस अवसर पर एसजेडीएस टीम ने अद्भुत कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। संपूर्ण कार्यक्रम बहुत उत्साहजनक था और पर्यावरण हितेशी तरीके से उत्सव मनाने का संदेश देने वाला था।

फ्लाईओवर के बीचों-बीच फांसी लगाकर बुजुर्ग ने दी जान

नई दिल्ली,। दिल्ली के भीकाजी कामा प्लेस पर इंसानियत को शर्मसार करने वाली खुदकुशी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फ्लाईओवर के बीचों-बीच बिजली के पोल से बुजुर्ग अनिल (61) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। रिंग रोड होने की वजह से यहां से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, मगर किसी की नजर बुजुर्ग पर नहीं गई। हालांकि ये घटना कई दिन पुरानी है, लेकिन यह वीडियो दिल्ली वासियों की सजगता व इंसानियत पर सवाल खड़े कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ये घटना 16 नवंबर की है। पेशे से इलेक्ट्रीशियन अनिल कुमार पुत्र जंगी लक्ष्मी पार्क नांगलोई में रहते थे। वह लंबी बीमारी के बाद अवसाद में चले गए थे। उनका सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा था। घटना वाले दिन वह सुबह करीब छह बजे भीकाजी कामा प्लेस फ्लाईओवर पर पहुंचे। पहले तो वह काफी देर तक वहां घूमते रहे। फिर रस्सी से बिजली के पोल से फांसी लगा ली।

जीटीबी अस्पताल से नियुक्त कई डॉक्टर यहां रोजाना उपलब्ध रहेंगे और कुछ विशेषज्ञ चुनिंदा दिनों में अपनी सेवाएं देंगे- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बाबरपुर में एक नव निर्मित सुपर स्पेशलिटी पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के तहत संचालित होने वाला यह पांचवां पॉलीक्लिनिक है। इस मौके पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पॉलीक्लिनिक दिल्ली सरकार के थ्री-टायर हेल्थकेयर मॉडल का एक हिस्सा है । जिसमें तीन चरणों यानी प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर और तृतीयक स्तर पर सेवाएं दी जाती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और एक बड़ी आबादी को संभालने के लिए यह सबसे अच्छी प्रणाली के रूप में उभरी है। यह पॉलीक्लिनिक एक बहु-विशिष्ट क्लिनिक है जो विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करता है। जैसे आंतरिक चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल रोग और त्वचा रोग, ईएनटी, नेत्र, हड्डी रोग, सर्जरी (द्वि-साप्ताहिक आधार पर)। इस पॉलीक्लिनिक में एलोपैथिक, यूनानी एवं आयुर्वेदिक उपचार के लिए निःशुल्क दवा वितरण का प्रावधान है। यह पॉलीक्लिनिक सुबह 8 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक काम करेगा। पॉलीक्लिनिक में मामूली संचालन प्रक्रियाओं, ईसीजी, ब्लड और यूरिन टेस्ट आदि की सुविधा भी होगी। पैथोलॉजिकल परीक्षणों के लिए सेंपल का संग्रह गुरु तेग बहादुर अस्पताल के सहयोग से किया जाएगा। यह दिल्ली के एक एकीकृत 3-स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल मॉडल का एक बड़ा उदाहरण है जहां प्राथमिक स्तर पर आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती है, यदि आवश्यक हो, तो रोगी को पॉलीक्लिनिक में इलाज किया जाता है और यदि एड्मिशन की आवश्यकता होती है तो रोगी को अस्पताल के लिए रेफर किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप प्रत्येक स्तर पर मरीजों की संख्या में समग्र वितरण होता है। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह पॉलीक्लिनिक जीटीबी अस्पताल का विस्तार है। जीटीबी अस्पताल से नियुक्त कई डॉक्टर यहां रोजाना उपलब्ध रहेंगे और कुछ विशेषज्ञ चुनिंदा दिनों में अपनी सेवाएं देंगे। यह पॉलीक्लिनिक पास के मोहल्ला क्लीनिक का भी विस्तार है। यदि किसी व्यक्ति को किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या के इलाज की आवश्यकता है, तो उन्हें इस पॉलीक्लिनिक में भेजा जाएगा और जीटीबी अस्पताल के अंतर्गत इनका इलाज किया जाएगा। पॉलीक्लिनिक में ईसीजी , ब्लड और यूरिन टेस्ट जैसी सुविधा भी होगा। इसके अलावा मैडिसन, मदर-चाइल्ड गायनेकोलॉजिस्ट एवं फिजिशियन की सुविधाएं भी दी जाएंगी। पॉलीक्लिनिक में साथ ही एलोपैथिक, यूनानी एवं आयुर्वेदिक उपचार के लिए निःशुल्क दवा वितरण का भी प्रावधान है। आप सरकार दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक के साथ-साथ हर बड़े क्षेत्र में एक पॉलीक्लिनिक बनाने की योजना बना रही है। दिल्ली सरकार अपने निवासियों को उनके घर के पास गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए दिन-रात काम कर रही है। बाबरपुर में 15 मोहल्ला क्लिनिक खोला गया है। सरकार राष्ट्रीय राजधानी में ज्यादा से ज्यादा पॉलीक्लिनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है।

स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता : राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को बाबरपुर में नवनिर्मित पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। इसी कड़ी में हम रोज नए मोहल्ला क्लीनिक और पॉली क्लिनिक खोल रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े। जीटीबी अस्पताल द्वारा संचालित यह पांचवां पॉलीक्लिनिक है। गोपाल राय ने कहा कि पॉलीक्लिनिक दिल्ली सरकार के थ्री-टायर हेल्थकेयर मॉडल का एक हिस्सा है, जिसमें तीन चरणों यानी प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर और तृतीयक स्तर पर सेवाएं दी जाती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए यह सबसे बेहतर मॉडल है। उन्होंने कहा कि यह पॉलीक्लिनिक एक बहु-विशिष्ट क्लिनिक है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करता है। इस पॉलीक्लिनिक में एलोपैथिक, यूनानी एवं आयुर्वेदिक उपचार के लिए निःशुल्क दवा वितरण का प्रावधान भी है। उन्होंने बताया कि यह पॉलीक्लिनिक सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक काम करेगा। इसमें ईसीजी, ब्लड और यूरिन टेस्ट आदि की सुविधा भी होगी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या: 40-क.वि.-नई दिल्ली-2024-25 दिनांक : 17.12.2024

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	दो वर्ष की अवधि के लिए डीएलआई क्षेत्र की स्काडा प्रणाली का वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)
2	अनुमानित लागत	रु. 31,20,349.68/-
3	बयाना राशि	रु. 62,400/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	30.12.2024 (10:30 बजे) से 13.01.2025 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	13.01.2025 (15:00 बजे)
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

3877/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप. मु. सिग. एवं दू. सं. अभि./नि./पी. स./नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निर्धारित प्रपत्र पर सील्ड ई–निविदा (एकल प्रणाली) निम्नलिखित कार्य के लिए IREPS की वेबसाइट पर आमंत्रित कर रहे है।

1	कार्य का नाम एवं स्थान	चिपियाना बुजुर्ग (हॉल्ट) स्टेशन पर अंसाल्डो मेक ईआई में संशोधन/परिवर्तन के लिए एस और टी कार्य (इंडोर और आउटडोर) आईसीडब्ल्यू डीएलआई डिवीजन के जीजेडबी–टीडीएल पर एल–एक्सिंग नंबर 152–ए और 152–बी के बदले आरओबी का निर्माण और अंसलदो में संशोधन/परिवर्तन के लिए एस और टी कार्य (इनडोर और आउटडोर) उकलाना स्टेशन आईसीडब्ल्यू पर ईआई बनाते हैं। उत्तर रेलवे के यूएमबी डिवीजन के (ओएचई 33/20+34/1) के बीच मानवयुक्त एलसी संख्या बी–25/2 के स्थान पर आरओबी का निर्माण।
2	पूरा होने की अवधि	एलओए जारी होने की तारीख से 09 महीने
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1.26 करोड़
4	धरोहर राशि	रु. 2,13,000/– (दो लाख तेरह हजार मात्र) (केवल ऑन लाइन जमा किया जाना है)
5	स्थान जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है	उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 20.12.2024 to 13.01.2025 के बीच 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
6	निविदा फार्म जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय	उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज फार्म 13.01.2025 upto 11:30 AM तक IREPS वेबसाइट पर जमा कराये जा सकते हैं।
7	निविदा खुलने की तारीख एवं समय	ई–निविदा दिनांक 13.01.2025 at 11.:30 बजे खोला जाएगा।

सं.: 570–सिग–पी.स.–निविदा–133 दिनांक: 18.12.2024 3876/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्लखित कार्य के लिए ई–निविदा करते हैं।

निविदा सं.	निविदा सं. 275635		
कार्य का नाम और कार्य स्थान	“आरसीएनके/एसएनपी में एमएलआर शेड्यूल के दौरान एलएचबी कोचों में जंग की मरम्मत और अगले हिस्से का प्रतिस्थापन।”		
अनुमानित लागत	₹3,50,64,508/- जीएसटी @18% सहित		
बयाना राशि	₹3,25,300/-	निविदा फॉर्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि		अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने	
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय		दिनांक 08.01.2025 खुलने का समय 15:00 बजे	
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट		उपरोक्त निविदा IREPS साईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।

निविदा संख्या: 275635 दिनांक 17.12.2024 3869/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राजधानी किरण

श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति द्वारा आयोजित 11 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से संपन्न

● परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने कथा में श्रद्धालुओं को सुनाया श्री हनुमान जन्म, श्री राम विवाह व सामूहिक विवाह का प्रसंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री राम कथा व बालाजी महोत्सव के चौथे दिन 11 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन रोहिणी स्थित जापानी पार्क जेएमडी टेन्ट के सामने धूमधाम से किया गया। इन गरीब कन्याओं को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न जगहों से लोग एकत्रित हुए थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन रितेश बंसल, संस्थापक अध्यक्ष राकेश गुप्ता, महासचिव महेश अग्रवाल, संरक्षक मुकेश मित्तल, सह-सचिव रमेश लुथरा, कोषाध्यक्ष सतीश सिंघल, कोषाध्यक्ष सतीश सिंघल, सह-कोषाध्यक्ष प्रणीत कानोडिया, प्रवीण चैधरी, उमेष अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजीव गुप्ता, आशीष मित्तल, सतपाल बंसल, अमित जैन सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे। परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने कथा में श्रद्धालुओं को सुनाया श्री हनुमान जन्म, श्री

राम विवाह व सामूहिक विवाह का प्रसंग। इस समारोह में परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने पंडाल में उपस्थित वर वधू को आशीर्वाद भी दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि सभी कन्याएं सास ससुर को माता पिता का सर्वोच्च सम्मान दें। संस्थापक अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बताया कि संस्था द्वारा करवाया जा रहा 11 कन्याओं का सामूहिक विवाह सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि संस्था समय पर दिव्यांगजनों व अन्य गरीब लोगों के लिए भी आर्थिक सहायता मुहैया करवाती रहती है और समाज में इससे बढ़कर र कोई कार्य नहीं है। संस्था द्वारा इन कन्याओं को गृहस्थी जीवन शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन भी मुहैया कराया है। उन्होंने यह भी कहा कि हिन्दू रीति रिवाज में कन्यादान का विशेष महत्व होता है। संस्था की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक वर वधु को तुलसी का एक पौधा भी भेंट किया गया था। उसे यादगार के रूप में घर के आसपास लगाने एवं पौधे के पल्लवन और संरक्षण के लिए प्रेरित किया किया। वर वधु ने पौधे लगाने का संकल्प भी लिया। श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति के चेयरमैन रितेश बंसल ने कहा कि कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि इस अवसर पर बेटियों को आशीर्वाद देने का मौका मिला है, वर वधुओं ने पारंपरिक रस्मों को पूरा किया और एक दूसरे के गले में वरमाला डाली तथा आयोजन में उपस्थित लोगों से आशीर्वाद ग्रहण किया। विवाह समारोह बेहद शानदार तरीके से आयोजित किया गया और जोड़ों के सपनों को साकार करते हुए उनके लिए इसे जीवनभर का एक यादगार अनुभव बनाने के लिहाज से व्यापक तौर पर इंतजाम किए गए थे।

आईपी यूनिवर्सिटी के बीएएमएस एवं बीएचएमएस प्रोग्राम की अंतिम काउन्सलिंग 20 दिसंबर को

नई दिल्ली, । आईपी यूनिवर्सिटी के बीएएमएस(कोड 153) एवं बीएचएमएस(कोड 154) प्रोग्राम की अंतिम काउन्सलिंग ऑफलाइन मोड में यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस में 20 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के उपरांत सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। इसकी काउन्सलिंग में नीट यूजी 2024 के वे सफल उम्मीदवार भाग ले सकते हैं जिन्होंने पंजीकरण शुल्क 1,500 रुपए एवं काउन्सलिंग भागीदारी शुल्क 1,000 रुपए जमा कर रखे हैं और जिन्हें अभी तक इन प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आयोजित किसी भी काउन्सलिंग में कोई सीट आवंटित नहीं हुई हुई है। काउन्सलिंग के दिन ही आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 96,000 रुपए का बैंक ड्राफ्ट, नीट यूजी 2024 का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकार के फोटो, आईपी में पंजीकरण के दस्तावेज, इत्यादि भी साथ लेकर आना है। इस प्रोग्राम मे कितनी सीटें उपलब्ध हैं इसका पता काउन्सलिंग के दिन ही चलेगा। बीएएमएस प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नजफगढ़ और बीएचएमएस प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध डॉ. बी॰ आर॰ सुर होमीओपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मोती बाग में उपलब्ध है। इन दोनों प्रोग्राम में बची हुई सीटें स्टेट कोटे की हैं इसलिए आवेदक का बारहवीं की परीक्षा दिल्ली के किसी स्कूल से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इन दोनों प्रोग्राम में सीट आवंटित होने पर आवंटित कॉलेज में उसी दिन रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

दिल्ली के बुजुर्गों को स्वास्थ्य रखने की जिम्मेदारी आपका बेटा केजरीवाल पूरी करेगा, इसके बदले में हमें बस सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के बेटे और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने बुजुर्गों को स्वास्थ्य की गारंटी दी है। बुधवार को उन्होंने घोषणा की कि चुनाव बाद आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद संजीवनी योजना लागू कर दिल्ली के 60 साल से ऊपर के हर बुजुर्ग का मुफ्त इलाज कराएंगे। योजना के तहत बुजुर्ग निजी या सरकारी अस्पताल में अपना इलाज करा सकेंगे और उसका सारा खर्च सरकार उठाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए कोई आय या सामाजिक-आर्थिक प्रतिबंध नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमने श्रवण कुमार से प्रेरित होकर ह्ममुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजनाह्न लागू की और अबतक हमारी सरकार एक लाख से ज्यादा बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करा चुकी है। अब दिल्ली के हर बुजुर्गों को स्वास्थ्य रखने की जिम्मेदारी उनका यह बेटा पूरी करेगा। इसके बदले में हमें बस सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए। पार्टी मुख्यालय में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज जो मैं घोषणा करने जा रहा हूं, वह शायद भारत के इतिहास में आज तक

कभी नहीं की गई। हम बुजुर्गों का बहुत मान-सम्मान करते हैं। उनकी वजह से ही हम हैं। आज देश जहां पहुंचा है, बुजुर्गों ने ही पहुंचाया है। बुजुर्गों ने 24 घंटे मेहनत कर, खून पसीना बहाकर अपने परिवार को पाला, समाज को आगे बढ़ाया, देश को आगे बढ़ाया। उनके बच्चे होने के नाते उनके बुढ़ापे में हमारा फर्ज बनता है कि हम उनका ख्याल रखें। हमने दिल्ली में श्रवण कुमार जी से प्रेरित होकर ह्ममुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजनाह्न लागू की। इस योजना के तहत अभी तक लगभग एक लाख बुजुर्ग देश के कोने-कोने में तीर्थयात्रा कर चुके हैं। जिसमें रामेश्वरम, शिरडी, अजमेर शरीफ, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, द्वारकाधीश, ऋषिकेश जैसे काफी सारे स्थान आते हैं। इन जगहों पर तीर्थयात्रा करने का सारा खर्च दिल्ली सरकार देती है। बुजुर्गों को उनके घर से एक बस रेलवे स्टेशन तक लेकर जाती है। रेलवे स्टेशन पर एसी ट्रेन होती है, जिसमें बुजुर्गों की सारी खातिरदारी की जाती है। रास्ते का सारा सामान एक थैले में दिया जाता है। जिस स्थान पर पहुंचते हैं, वहां पर एक बस का इंतजाम रहता है। होटल फ्री होता है और बुजुर्गों के आने-जाने, रहने, खाने-पीने का सारा खर्चा दिल्ली सरकार देती है। इसके बदले में हमें और दिल्ली के दो करोड़ लोगों को दुआएं मिलती हैं, जिसकी कोई कीमत नहीं होती है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि बुढ़ापे में सभी को एक चीज तकलीफ देती है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे 100 बीमारियां आदमी को घेर लेती हैं। आदमी की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वह इलाज कैसे कराएगा। मैं कई ऐसे लोगों को भी जानता हूं जो अच्छे खासे परिवारों से आते हैं लेकिन उनके बच्चे उनका ख्याल नहीं रखते हैं। मैंने बुढ़ापे में कई अच्छे परिवारों के बुजुर्ग मां-बाप को तड़पते देखा है। बच्चे अपने बूढ़े मां-बाप को छोड़ देते हैं। लेकिन आप चिंता मत करना, आपका यह बेटा अभी जिंदा है। रामायण में एक कहानी पढ़ते हैं कि जब लक्ष्मण मूर्छित हुए थे तो हनुमान जी उनके लिए संजीवनी बूटी लेकर आए थे। आज मैं दिल्ली के बुजुर्गों के लिए ह्मसंजीवनी योजनाह्न का ऐलान कर रहा हूं। 60 साल से ऊपर के जितने भी बुजुर्ग हैं, उनका पूरा इलाज मुफ्त कराया जाएगा। हम चुनाव के बाद इस योजना को पारित करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुजुर्ग चाहे सरकारी अस्पताल में इलाज कराना चाहें या प्राइवेट अस्पताल में, उनका पूरा इलाज फ्री कराया जाएगा। इसकी कोई बीपीएल, एपीएल, टीपीएल, आरपीएल की लिमिट नहीं होगी। अमीर हो या गरीब, सभी बुजुर्गों का इलाज मुफ्त कराया जाएगा। इस योजना में कोई अपर लिमिट नहीं होगी, जितना भी बुजुर्गों की बीमारी पर खर्चा आएगा उसे दिल्ली सरकार वहन करेगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन दो-तीन दिन में शुरू हो जाएगा। बुजुर्गों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है।

अमित शाह का बयान भाजपा और आरएसएस के डीएनए में डॉ. अम्बेडकर और संविधान के प्रति घृणा को प्रमाणित करता है : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा के देश के संविधान निर्माता, भारत रत्न, बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर के संसद में अपमान के लिए अमित शाह, नरेंद्र मोदी सहित पूरी भारतीय जनता पार्टी को देश से माफी मांगनी होगी और अमित शाह तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें। यह पहला मौका नहीं है जब भाजपा नेता या पार्टी ने अम्बेडकर या भारतीय संविधान का अपमान किया हो, भाजपा और आरएसएस के डीएनए में ही अम्बेडकर व उनके लिखे संविधान के लिए घृणा और नफरत बसी हुई है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अमित शाह ने अंबेडकर जी का अपमान किया है, इसे देश का कोई व्यक्ति बर्दाश्त नहीं करेगा, क्योंकि देश के हर नागरिक को बराबरी का अधिकार बाबासाहेब के संविधान ने मिला है। बाबासाहेब का अपमान देश के करोड़ों देशवासियों विशेषकर दलितों और उनकी आस्था का अपमान है। उन्होंने कहा कि भाजपा नही चाहती कि देश के दलितों, शोषितों और वंचितों को सम्मान, समानता और बराबरी का अधिकार मिले। श्री यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नेता स्पष्ट खुले आम देश की जनता के सामने भाषण दे रहे थे कि अगर 400 पार हुए तो संविधान बदल देंगे। देशवासियों ने भाजपा को उनका असलियत को सामने लाकर खड़ा कर दिया है कि वो अपने बलबूते सरकार भी नही बना सके। उन्होंने कहा कि अमित शाह के बयान के बाद भाजपा को समझ चुकी है कि उन्हें अम्बेडकर के खिलाफ बयानबाजी का खामियाजा उठाना पड़ेगा, इसलिए, उनका सारा तंत्र डेमेज कंट्रोल में लग गया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोगों का संविधान को नही मानने की प्रवृति को पूरा देश जानता है, यह अम्बेडकर द्वारा लिखे संविधान के विधान की मजबूरी ही है जो यह संविधान के तहत शपथ लेते है। भाजपा के लोग हमेशा बांटने, जाति, वर्ग विशेष की राजनीति करते आए है। देश और दलितों के नायक अम्बेडकर का संसद में अमित शाह द्वारा अपमान करना महंगा साबित होगा।

गरीब महिलाओं को कंबल और शाल वितरित किये

नई दिल्ली, । लगभग दो दशकों से भी ज्यादा समय से 108 बेसहारा बुजुर्गों को गोद लेकर उनकी देखभाल करती आ रही सामाजिक संस्था हेरिटेज इंडिया और बच्चों के सामरिक विकास से जुड़ी बाल कलश वेल्फेयर नामक सामाजिक संस्था ने अपनी साथी और संस्था से जुड़ी मशहूर समाज सेविका डॉ नैंसी जुनेजा जन्मदिन पर बुराड़ी संत नगर के यदुवेंद्र पब्लिक स्कूल में गरीब बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से जुड़ी शिक्षा सामग्री और गरीब महिलाओं को कंबल व गर्म शॉल वितरित किए। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष एस एन दुबे और राष्ट्रीय सलाहकार आदेश भारद्वाज ने कहा कि डॉ नैंसी जुनेजा हमारी संस्था की एक लंबे समय से सहयोगी साथी हैं और हमेशा से ही अपने प्रशंसनीय योगदान से प्रभावित करती रही हैं। हमारी संस्था विगत 22 वर्षों से गरीब और बेसहारा 108 लोगो को गोद लेकर उनके भरण पोषण से लेकर उनके स्वास्थ्य और दवाइयों का इंतजाम करती आ रही है। इसके अलावा अलग अलग मौकों पर स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविर और जरूरतमंद लोगों को जरूरी सामान वितरित कर मदद करती रही है। कई मौकों पर हमारी संस्था कैंप लगवाकर कर दिव्यांग लोगो के लिए कृत्रिम हाथ, पैर, कृत्रिम आँखें, बैसाखी जैसी अनमोल चीजें भी उपलब्ध करवा चुकी है। संस्था ऐसे परिवारों का चयन भी करती हैं जिनकी तीन या चार पीढ़ियां होने के बावजूद वह परिवार संयुक्त रूप से रह रहे हैं हम उन परिवारों को भी न सिर्फ सामाजिक रूप से सम्मानित करते हैं बल्कि उन परिवारों की आर्थिक हालातों के अनुरूप उन्हें हर संभव मदद करने का प्रयास भी करते हैं। वह चाहे उन परिवारों के बच्चों की स्कूली शिक्षा के मामले हो या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं। आगे भी हमारी यह संस्था समाज कल्याण के किसी भी कार्य में अग्रणीय भूमिका निभाने के लिए सदैव तैयार रहती है। इस कार्यक्रम में संस्था की वैश्विक सलाहकार चंचल केम, यादवेंद्र स्कूल के आर पी यादव, बाल कलश के बृजपाल, हेरिटेज परिवार से डॉ आर एस राणा, और संतोष पांडे रणवीर सिंह राणा प्रिंसिपल हरदेव यादव मास्टर जी देवेंदर कुमार सिंह कविता कुमारी कालीचरण पवार माया देवी सविता राजपूत मनोज कुमार जैसे समाज आर पी शुक्ला कल्याण के कार्यों से जुड़े लोग भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर जारी, 400 के पार पहुंचा एएक्यूआई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर से प्रदूषण अपने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7:15 बजे तक एक्यूआई 450 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7:15 बजे तक एक्यूआई 450 तक पहुंच चुका है, जबकि दिल्ली-एनसीआर के फरीदाबाद में एक्यूआई 263, गुरुग्राम में 392, गाजियाबाद में 390, ग्रेटर नोएडा में 330 और नोएडा में 364 एक्यूआई बना हुआ है। राजधानी दिल्ली के अधिकतर इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर और 500 के बीच में बना हुआ है। अलीपुर में 443, आनंद विहार में 481, अशोक विहार में 461, आया नगर में 410, बवाना में 472, बुराड़ी क्रॉसिंग में 483, मथुरा रोड में 466, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 448, डीटीयू

में 432, द्वारका सेक्टर 8 में 457, आईजीआई एयरपोर्ट में 448, आईटीओ में 455, जहांगीरपुरी में 469, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 441, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 440, मंदिर बाग में 430, मुंडका में 473, नरेला में 463, नेहरू नगर में 480, नॉर्थ कैंपस डीयू में 437, शादीपुर में 467 अंक बना हुआ है। अगर दिल्ली में दृश्यता की बात करें, तो सुबह 5:30 बजे तक 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और सुबह 7 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 300 मीटर रही। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं हैं। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा में कक्षा छठी, नौवी और 11वीं की पढ़ाई हाईब्रिड मोड से संचालित किए जाने का निर्देश दिया गया। हाईब्रिड मोड का अर्थ हुआ कि बच्चे फिजिकल और ऑनलाइन दोनों ही तरह के क्लास अटेंड कर सकते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए यह कदम उठाया गया। बता दें, अगर किसी क्षेत्र के एक्यूआई 0 से 50 के बीच रहता है, तो उसे अच्छी श्रेणी की हवा गुणवत्ता कहा जाता है । 51 से 100 के बीच संतोषजनक वायु गुणवत्ता माना जाता है। 101 और 200 की एक्यूआई श्रेणी को मध्यम श्रेणी का माना जाता है। अगर किसी जगह का एक्यूआई 201 से 300 के बीच हो तो उस क्षेत्र का एक्यूआई खराब माना जाता है।

दिल्ली में नकली आधार कार्ड बनाया जा रहा है : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को नकली आधार कार्ड मामले को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह गंभीर समस्या उभरकर सामने आ रही है, जिसमें नकली आधार कार्ड और जाति प्रमाणपत्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ह्लयह सब अरविंद केजरीवाल के नगीना विधायक और उनके समर्थकों के द्वारा हो रहा है। द्वारका सेक्टर 22 और 23 के इलाकों में इन मामलों की पुष्टि हुई है, इन मशीनों से आधार कार्ड तैयार किए जाते थे और यह प्रक्रिया लगातार चल रही थी। उन्होंने आगे कहा, यह बात सामने आई कि लोकसभा चुनाव के दौरान जब शिकायत की गई थी कि यहां कुछ गड़बड़ी हो रही है, तो इन मशीनों को हटा दिया गया। लेकिन, इस दौरान कई दस्तावेज तैयार किए गए थे जो बेहद चौंकाने वाले हैं। हमें अब तक आठ मामलों की जानकारी मिली है। लेकिन, इसके अलावा हजारों मामले ऐसे हैं, जो हमारी निगाहों में हैं। यह तो केवल एक जिले का मामला है, लेकिन आप सोचिए दिल्ली के बाकी जिलों में क्या स्थिति होगी। जहां तक नकली आधार कार्ड और जाति प्रमाणपत्रों की बात है, तो यह सवाल उठता है कि किन लोगों को इन दस्तावेजों के जरिए लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, क्या ये लोग असली भारतीय नागरिक हैं, या फिर रोहिंग्या या बांग्लादेशी हैं जो इन दस्तावेजों के जरिये अपना नाम बदलकर यहां रहने का प्रयास कर रहे हैं? यह एक गंभीर मुद्दा है और इसे हल करने के लिए एक गहरी जांच की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, हमारी ओर से इन मामलों को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही हैं। लेकिन, ऐसे घपले के लगातार होते रहने से यह स्पष्ट होता है कि इन दस्तावेजों के अवैध निर्माण के कारण दिल्ली में असामाजिक तत्वों को फायदा हो रहा है। इन सब के पीछे का मकसद सिर्फ चुनावी लाभ उठाना और अवैध तरीके से सरकारी योजनाओं का फायदा प्राप्त करना है, जो कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक बड़ा खतरा है।

नुक्कड़ सभाओं के जरिए लोगों तक पहुंच रही भाजपा

नई दिल्ली, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि नुक्कड़ सभाओं के जरिए भाजपा आप सरकार की विफलता को आम जनता तक पहुंचा रही है। सचदेवा ने दावा किया कि एक सप्ताह में भाजपा ने 18 सौ से ज्यादा नुक्कड़ सभाएं की हैं। प्रतिदिन वार्ड स्तर पर इन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा ने चुनाव प्रचार के पहले चरण में नुक्कड़ सभाओं को माध्यम चुना है। पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय के नेतृत्व में इन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। नुक्कड़ सभा में नुक्कड़ नाटक के जरिए आप सरकार की विफलता को बताया जा रहा है। सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ने 11 से 17 दिसंबर के बीच 1812 नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया है। आज जनता प्रदूषण के आलावा लचर जन स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्थाओं, जल जमाव एवं पेयजल संकट से परेशान है। इन सभाओं में भाजपा के जनप्रतिनिधि और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहते हैं।

अटल गौरव सम्मान अरबिंदो कॉलेज के शिक्षक डॉ. हंसराज सुमन को नई दिल्ली में 21 दिसम्बर को दिया जाएगा।

● अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती के अवसर पर दिया जाएगा अटल गौरव सम्मान

● दलित अस्मिता के लिए संघर्ष करने वाले, सामाजिक कार्यकर्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चेरिटेबल न्यास (रजि.) की ओर से शिक्षा, साहित्य, फिल्म, पत्रकारिता, समाजसेवा, अभिनय व शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 जयंती के अवसर पर ग्रेस इंडिया सम्मान समारोह -2024 के अंतर्गत ह्ल अटल गौरव सम्मान ह्ल प्रदान किए जाएंगे। न्यास ने इस साल के ग्रेस इंडिया अवॉर्ड्स के अंतर्गत अटल गौरव सम्मान -2024 की घोषणा की है। न्यास ने इस बार का यह सम्मान दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबिंदो कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन को दिए जाने की घोषणा की है। यह सम्मान वाईएमसीए नई दिल्ली में 21 दिसम्बर को दिया जाएगा। प्रति वर्ष यह सम्मान पत्रकारिता व शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है। बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय में डॉ.सुमन एक महत्त्वपूर्ण नाम है। इन्होंने हंसराज कॉलेज से स्नातक व स्नातकोत्तर, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएड, एम.ए. मास कॉमनीकेशन (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) एम. फिल. व पीएच-डी, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से करने के उपरांत पत्रकारिता व अध्यापन कार्य को अपना करियर बनाया। डॉ. हंसराज सुमन दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज में हिंदी साहित्य तथा पत्रकारिता के एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। आप शिक्षक संगठन फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल

जस्टिस के नेशनल चेयरमैन हैं। पाँच वर्ष तक नॉन कॉलेजिएट सेंटर(दिल्ली विश्वविद्यालय) के प्रभारी रहे हैं। वर्ष – 2015-2017 और 2017-2019 तक दिल्ली विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था एकेडेमिक काउंसिल में सदस्य भी रह चुके हैं। इसके अलावा ये दिल्ली विश्वविद्यालय की अनेक कमेटियों में रहकर डॉ. सुमन ने अपने दायित्व का निर्वाह किया है। एडमिशन कमेटी, अपॉइंटमेंट्स और प्रमोशन कमेटी, मेडिकल कमेटी, फंक्शन कमेटी, सलेब्स कमेटी के अलावा डॉ. सुमन दिल्ली विश्वविद्यालय की टास्क फोर्स कमेटी के सदस्य रहे हैं। इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सम्मान व अन्य अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. सुमन को दिल्ली सरकार का डॉक्टर अम्बेडकर अवार्ड, डॉ. राधा कृष्णन अवार्ड, योगेश गुप्त साहित्य रत्न अवार्ड, संत रविदास सम्मान के अलावा लगभग 100 संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा इन्होंने 10 पुस्तकों का सम्पादन किया है तथा विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इनके 100 से अधिक लेख प्रकाशित हो चुके है। साथ ही इन्होंने न्यू मीडिया विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय से ह्ल हिन्दी पत्रकारिता पर प्रौद्योगिकीय परिवर्तन का प्रभाव ह्ल विषय पर पीएच-डी की है। यह पुस्तकाकार रूप में जल्द ही प्रकाशित होकर जनवरी 2025 में आ रही है।

कैग रिपोर्ट को लेकर दिल्ली के एलजी ने विशेष सत्र बुलाने के लिए सीएम आतिशी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर 14 लंबित कैग रिपोर्टों को सदन के पटल पर रखने के लिए 19-20 दिसंबर को विशेष विधानसभा सत्र बुलाने के लिए कहा है। अपने निर्देश में उपराज्यपाल ने कहा कि कैग रिपोर्ट को तुरंत दिल्ली विधानसभा के पटल पर रखना चाहिए। अपने पत्र में एलजी विनय कुमार सक्सेना ने लिखा, ह्लमैं एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक महत्व के मुद्दे पर आपका तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूं। मुझे यकीन है कि दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री के रूप में, आप भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा किए गए विभिन्न विभागों के कामकाज पर वैधानिक लेखा परीक्षण के महत्व से अवगत हैं। उन्होंने लिखा, जैसा कि आप

जानते हैं, संविधान निमार्ताओं द्वारा विधायिका के समक्ष सरकार की जवाबदेही की रूपरेखा के हिस्से के रूप में, ऐसी सभी रिपोर्टों को विधान सभा के समक्ष रखना एक निर्वाचित सरकार का संवैधानिक दायित्व है। पिछले दो वर्षों में रिपोर्ट पेश करने में निर्वाचित सरकार की ओर से जानबूझकर चूक हुई है। मैं इस मूलभूत दायित्व की गंभीरता को याद दिलाते हुए आपको लगातार बताता आ रहा हूं। मुझे दुख है कि संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने के 75वें वर्ष में, एक निर्वाचित सरकार, जिसने पारदर्शिता के मुद्दे पर लोकप्रिय जनादेश हासिल किया था, ने जानबूझकर अपने साथी विधायकों से पहले ही खुलासे में अस्पष्टता का रास्ता चुना है ह्व अपने इस पत्र से एलजी ने साफ कर दिया है कि कैग रिपोर्ट को सदन के पटल पर ना रखे जाने के पीछे दिल्ली सरकार अपने विभागों में हुए भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश कर रही है। अपने पत्र में एलजी ने लिखा है कि आप (आतिशी), सदन के नेता होने के नाते, माननीय अध्यक्ष के परामर्श से, 19 या 20 दिसंबर को इन सीएजी रिपोर्ट को सदन में रखने के लिए विधानसभा की एक विशेष बैठक बुला सकते हैं, क्योंकि मामले में अत्यधिक देरी हुई है और इसके लिए चुनाव होंगे। आठवीं विधान सभा आने वाली है।

पूरे साल में 288 नशा तस्कर हुए गिरफ्तार

नई दिल्ली, । दक्षिणी जिला पुलिस ने पूरे साल लगातार नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चला कर कुल 288 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं, गत पिछले सिर्फ तीन सप्ताह में पुलिस ने ऑपरेशन गरुड़ के तहत कार्रवाई करते हुए 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। साथ ही ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद भी किए गए। दिल्ली में सबसे अधिक पूर्वोतर राज्यों, बिहार और उड़ीसा मूल के नशा तस्कर गिरफ्तार हुए।

अटल गौरव सम्मान सेहंसराज सुमन सम्मानित होंगे

नई दिल्ली, । ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चेरिटेबल न्यास (रजि.) की ओर से शिक्षा, साहित्य, फिल्म, पत्रकारिता, समाजसेवा, अभिनय व शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 जयंती के अवसर पर ग्रेस इंडिया सम्मान समारोह -2024 के अंतर्गत ह्लअटल गौरव सम्मानह्व प्रदान किए जाएंगे। न्यास ने इस साल के ग्रेस इंडिया अवॉर्ड्स के अंतर्गत अटल गौरव सम्मान-2024 की घोषणा की है। न्यास ने इस बार का यह सम्मान दिल्ली विश्वविद्यालय के अरबिंदो कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन को दिए जाने की घोषणा की है। यह सम्मान वाईएमसीए नई दिल्ली में 21 दिसम्बर को दिया जाएगा। प्रति वर्ष यह सम्मान पत्रकारिता व शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है। बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय में डॉ.सुमन एक महत्त्वपूर्ण नाम है। इन्होंने हंसराज कॉलेज से स्नातक व स्नातकोत्तर, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएड, एम.ए. मास कॉमनीकेशन (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) एम. फिल. व पीएच-डी, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से करने के उपरांत पत्रकारिता व अध्यापन कार्य को अपना करियर बनाया।

एम्स के डॉक्टर अभिनव को एसिकॉन अवार्ड से नवाजा

● सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित हुए डॉक्टर अभिन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । भारतीय राष्ट्रीय शल्य चिकित्सक सम्मेलन (एसिकॉन) में एम्स के डॉक्टर अभिनव को सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया है। डॉक्टर अभिनव कुमार जो एम्स नई दिल्ली में कार्यरत है। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ वीडियो प्रेजेंटेशन अवार्ड प्राप्त कर अपनी असाधारण प्रतिभा और सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रमाण दिया है। यह प्रतिष्ठित अवार्ड, जो हर साल एक बार दिया जाता है, उनके गहन ज्ञान और समर्पण को दशार्ता है। यह अवॉर्ड कार्यक्रम बड़े ही भव्य रप में आयो'जित किया गया था। डॉक्टर अभिनव की इस उपलब्धि ने न केवल एम्स का गौरव बढ़ाया है, बल्कि डॉ. अभिनव को सर्जरी के क्षेत्र में एक विशिष्ट व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया है। ज्ञात

हो कि एसिकॉन में भाग लेने वाले सर्जन अपने पेशे से जुड़े मुद्दों पर बारीकियों से अपने विचार भी रखते है। इस मौके पर डॉक्टर अभिनव ने बताया कि ऐसे अवॉर्ड उनके मनोबल को बढ़ाते है। मैं सम्मान पा कर बहुत ही खुश हूं। मैं अपने दिल से शुक्रिया अदा करता हूं उन सबको जो इस सफर का हिस्सा रहे। आगे भी अपने इस मेडिकल के क्षेत्र में बेहतरीन करने के लिए प्रयासरत रहूंगा। ताकि अधिक से अधिक मरीजों को अपनी सेवाएं देकर उन्हें स्वस्थ कर सकूं। ये रहे एसीकॉन विजेता : डॉ. सुरेन्द्र पाठक, डॉ. अंकुर बंसल, डॉ. अनुभव गोयल, डॉ. उत्कर्ष गुप्ता, डॉ. रवि गोयल, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. अभिषेक अरोरा, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. अंकुर अग्रवाल, डॉ. करन रावत, डॉ. सोमेन्द्र पाल सिंह, जगत पाल सिंह, डॉ. मयंक जैन, डॉ. मनीष गोयल, डॉ. भुवनेश शर्मा आदि शामिल थे।

हरियाणा में बनेंगे नए जिले और तहसील, गठन की प्रक्रिया शुरू; उपायुक्तों से मंगवाई जाएगी रिपोर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की कैबिनेट सब कमेटी ने नए जिले, उपमंडल, तहसील और उप तहसील बनाने के लिए आए सभी प्रस्तावों की धरातल पर जांच कराने का निर्णय लिया है। इन सभी प्रस्तावों को संबंधित जिलों के उपायुक्तों के पास भेजा जाएगा, ताकि वहां से आने वाली रिपोर्ट के आधार पर कैबिनेट सब कमेटी नए जिले और उपमंडल व तहसीलें बनाने पर फैसला ले सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सरकार में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार की अध्यक्षता में कैबिनेट सब-कमेटी का गठन कर रखा है, जिसकी पहली बैठक मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई। बैठक में कमेटी के सदस्यों के रूप में राजस्व एवं शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, संसदीय कार्य मामले मंत्री महीपाल सिंह ढांडा व कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहे।

बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल वित्तायुक्त तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी तथा विकास एवं पंचायत विभाग के आयुक्त एवं सचिव अनुराग अग्रवाल के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। कैबिनेट सब कमेटी की बैठक में नए जिलों, उपमंडलों, तहसील व उप-तहसील की मांग से जुड़े लगभग एक दर्जन एजेंडे रखे गए।

कैबिनेट सब-कमेटी ने सभी मांगों को लेकर संबंधित जिलों के डीसी से रिपोर्ट मंगवाने को कहा है। उपायुक्तों द्वारा जिले, उपमंडल, तहसील व उप-तहसील से जुड़ी मांगों का ग्राउंड पर अध्ययन करवाया जाएगा। डीसी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर भेजेंगे। जिस शहर को नया जिला बनाया जाना है, उसमें कौन-कौन से हलके, उपमंडल, शहर, कस्बे, तहसील, उप-तहसील, ब्लाक समिति व गांव शामिल होंगे, इसकी रिपोर्ट भी जिला उपायुक्तों को भेजनी होगी।

इसी तरह उपमंडल को लेकर भी पूरी रिपोर्ट जिलों से आएगी। जिला उपायुक्तों के पास से रिपोर्ट आने के बाद कैबिनेट सब-कमेटी फैसले लेगी। इस प्रक्रिया को पूरी करने के बाद कैबिनेट सब कमेटी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अपनी रिपोर्ट देगी। प्रदेश में अभी तक 2011 की जनगणना के हिसाब से काम चल रहा है। नई जनगणना हुए बिना नए जिलों, उपमंडल व तहसील आदि के बनने की मांग में और भी देरी हो सकती है। इससे पहले सब-कमेटी अपनी बाकी प्रक्रिया पूरी कर लेना चाहती है।

मनोहर लाल ने एक और हुड्डा ने दो जिले बनाए

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में चरखी दादरी को प्रदेश का 22वां जिला बनाया गया था। हालांकि, उस समय कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता वाली कैबिनेट सब-कमेटी ने हांसी व गोहाना को भी जिला बनाने की सिफारिश की थी। लेकिन सरकार ने केवल दादरी को ही जिले का दर्जा दिया था। हांसी को पुलिस जिला घोषित किया जा चुका है। इसके बाद डबवाली को भी पुलिस जिला बनाया जा चुका है। पूर्व की हुड्डा सरकार के समय दो नए जिले नूंह व पलवल बनाए गए थे।

इन जिलों की उठ रहीं मांग

हरियाणा में हांसी, गोहाना, असंध, डबवाली और मानेसर को नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। 15वीं विधानसभा के पहले सत्र के दौरान भी इन हलकों के विधायकों की ओर से जिला बनाने की मांग की गई। पूर्व की मनोहर सरकार के समय भी विधायकों द्वारा जिला बनाने की मांग की जाती रही है।

विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना, असंध व हांसी के लोगों की मांग को लेकर सकारात्मक जवाब भी दिया था। उसी कड़ी में नायब सरकार ने कैबिनेट सब-कमेटी बनाई है। इसी तरह भिवानी के बवानीखेड़ा और रोहतक के कलानौर सहित कई कस्बों को उपमंडल बनाए जाने की मांग भी की जा रही है।

दिसंबर-2023 में बने थे छह सब-डिवीजन

पिछले साल यानी दिसंबर-2023 में मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश में छह नए उपमंडल बनाए थे। उस समय भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार थी और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की अध्यक्षता में कैबिनेट सब-कमेटी बनाई हुई थी।

इस कमेटी की सिफारिश पर मानेसर (गुरुग्राम), नीलोखेड़ी (करनाल), इसराना (पानीपत), छछरौली (यमुनानगर), नांगल चौधरी (महेंद्रगढ़) और जुलाना (जींद) को सब-डिवीजन बनाया गया। हालांकि, बवानीखेड़ा और कलानौर की भी सिफारिश की गई थी लेकिन किन्हीं कारणों से इन पर निर्णय नहीं हो पाया।

कांग्रेस विधायक मामन खान को हाईकोर्ट से झटका

नूंह हिंसा मामले में अलग ट्रायल को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रात: किरण संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक मामन खान द्वारा ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। यह मामला जुलाई 2023 के नूंह हिंसा से जुड़ा है, जिसमें ट्रायल कोर्ट ने उनके खिलाफ सुनवाई को अन्य आरोपितों से अलग कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि सुनवाई को अलग करने से अभियोजन पक्ष का काम कठिन हो गया है और खान को इस आधार पर कोई पक्षपात नहीं झेलना पड़ेगा।

मामन खान को हाईकोर्ट ने दिया झटका जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु की बेंच ने कहा याचिकाकर्ता ने यह दावा नहीं किया है कि ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया गलत हैं। इस परिस्थिति में सुनवाई को अलग करना याचिकाकर्ता के लिए हानिकारक नहीं होगा। इसके अलावा ट्रायल कोर्ट को इस प्रकार की कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है और यह प्रक्रिया कानून के तहत उचित है।

हाईकोर्ट ने मामन खान की आरोपों को खारिज करने की याचिका को भी खारिज करते हुए कहा प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि एक विधायक होते हुए भी याचिकाकर्ता ने कानून तोड़ा है। आम जनता का विश्वास बनाए रखने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि चुने हुए प्रतिनिधियों को न्याय के कटघरे में लाने में कोई बुराई नहीं है।

मामन खान ने नीचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

मामन खान जो नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका से विधायक हैं, ने नूंह के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा 28 अगस्त 2024 को दिए गए आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में अभियोजन पक्ष को उनके खिलाफ अलग चार्जशीट दाखिल करने और सुनवाई को अन्य आरोपितों से अलग करने का निर्देश दिया गया था।

खान ने उनके खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को भी चुनौती दी थी। उनके वकील का तर्क था कि यह मामला सामूहिक दंगे और सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान से जुड़ा है, जिसमें उन्हें धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत फंसाया गया है।

वकील ने यह भी कहा कि जो कृत्य एक ही अपराध से संबंधित हैं, उन्हें एक साथ सुना जाना चाहिए और इस मामले में ट्रायल को अलग करना अवैध है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया कि ट्रायल कोर्ट का फैसला सुनवाई को अलग करने का अधिकारपूर्ण और न्यायसंगत था। साथ ही मामले को शीघ्र निपटाने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

करण औजला के कार्यक्रम में हंगामा करने और पुलिसकर्मी पर हमला करने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गायक करण औजला के संगीत कार्यक्रम में जबरन घुसने का प्रयास करने के दौरान नशे की हालत में हंगामा करने और एक पुलिस अधिकारी पर हमला करने के आरोप में तीन चिकित्सकों और एक मेडिकल छात्र को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आरोपियों की पहचान एसजीटी विश्वविद्यालय के चिकित्सक दिव्यांशु (23) और अजय (24), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर अभय (26) और एसजीटी विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के छात्र ऋषभ (21) के रूप में हुई है।

गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को तब हुई जब चारों ने संगीत कार्यक्रत में जबरन घुसने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने इन लोगों को कार्यक्रम स्थल के बाहर रोका तो उन्होंने हंगामा किया और एक पुलिसकर्मी की वर्दी भी फाड़ दी। इस झगड़े में पुलिसकर्मी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद और अधिकारी मौके पर पहुंचे और चारों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी न केवल शोर मचा रहे थे बल्कि अन्य लोगों को भी परेशान कर रहे थे।

प्रवक्ता ने कहा, उन्हें सोमवार को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच जारी है।

गुरुग्राम पुलिस ने 71.15 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का किया खुलासा

- देशभर से ठगी करने वाले 16 आरोपियों को किया काबू
- ठगी की कुल 6103 शिकायतों की गुरुग्राम पुलिस ने सुलझाई गुत्थी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने देशभर से ठगी की वारदातों में 16 आरोपियों को काबू करके 71.15 करोड़ रुपये की ठगी की वारदातों का पटाक्षेप किया है। इस तरह से ठगी की 6103 शिकायतों को पुलिस ने सुलझाया। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि आरोपी इन्वेस्टमेंट के नाम पर तथा लोगों को फेडेक्स (फर्जी अधिकारी बनकर) के माध्यम से धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम देकर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे।

सहायक पुलिस आयुक्त साइबर प्रियांशु दिवान के नेतृत्व में गुरुग्राम के साईबर अपराध पुलिस थानों की पुलिस टीमों द्वारा 16 साईबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ के बाद साइबर ठगी की वारदातों का परत दर परत खुलासा होता गया। ठगी की वारदातों में आरोपी दीपांशु व चांद शाह को एक नाबालिग साथी सहित थाना साईबर अपराध पूर्व की पुलिस ष्टीम ने काबू किया। आरोपी धीरज जोशी, प्रणव, आशीष, साहिल, कमलेश शर्मा, वासुदेव उर्फ वासु शर्मा, छोगाराम व गुलाब सिंह को भी साईबर पूर्व थाना की टीम ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा रोहतास सैनी, कार्तिक सैनी, विनोद कुमार, सोनू कुमार व दुर्गेश भी साइबर ठगी में पकड़े गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जा से सात मोबाइल फोन्स का इंडियन साईबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर से डाटा का अवलोकन कराया गया। आरोपियों के विरुद्ध देशभर में लगभग 71 करोड़ 15 लाख रुपयों की ठगी करने के संबंध में 6103 शिकायतें और 253 केस दर्ज हैं। इन केसों में 13 केस हरियाणा में दर्ज हैं। गुरुग्राम में थाना साईबर अपराध पूर्व में तीन केस दर्ज हैं।

गुरुग्राम में करण औजला के कॉन्सर्ट में भारी हंगामा, पुलिस की फाड़ी वर्दी; चार डॉक्टर गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बादशाहपुर (गुरुग्राम)। शहर के सेक्टर-68 के एरिया मॉल में सिंगर करण औजला के शो में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। वहीं प्रशंसक भी जमकर हंगामा कर रहे हैं। कॉन्सर्ट में प्रशंसकों में आपस में जमकर लात घूसे चले।

चार लोगों के निकास द्वार से घुसने का प्रयास करने पर पुलिसकर्मियों के साथ भी हाथापाई की गई। निरीक्षक स्तर के एक पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी गई। उसके कंधे पर लगे स्टार पर भी हाथ डाला गया। पुलिस ने चार डॉक्टरों को किया अरेस्ट पुलिस ने इस संबंध में चार डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपितों को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने चारों को जेल भेजने के आदेश दिए हैं। भोंडसी थाना प्रभारी की शिकायत पर बादशाहपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

इस मामले में आरोपित मेजर अभय लांबा एनएसजी में डॉक्टर हैं। अन्य तीनों अजय लांबा, देवांशू और रिषभ एसजीटी बुढेड़ा में डॉक्टर हैं। आरोप है कि चारों डॉक्टरों ने निकास द्वार से कॉन्सर्ट में घुसने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने उनको रोकना चाहा।

बादशाहपुर थाना में मामला किया गया दर्ज

इसी दौरान गेट पर मौजूद एक निरीक्षक की वर्दी फाड़ दी गई। उसके स्टार पर भी हाथ डाला गया। प्रशंसकों का हंगामा बढ़ता देख अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके विरुद्ध बादशाहपुर थाना में मामला दर्ज किया गया है।

प्रशंसकों में आपस में भी जमकर लात घूसे चले। शो के वीआईपी क्षेत्र में प्रशंसकों में आपस में मारपीट और लात घुसने चलने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर प्रसारित हो रहा है। करण औजला के कंसर्ट को लाइटों से चकाचौंध करने के लिए डीजल जनरेटर का प्रयोग किया जा रहा है।

ग्रेप-चार लागू होने के कारण डीजल जनरेटर पर पूरी तरह से रोक

दिल्ली एनसीआर में ग्रेप-चार लागू होने के कारण डीजल जनरेटर पर पूरी तरह से पाबंदी है। पाबंदी के बावजूद भी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। 10 बजे के बाद तेज आवाज में म्यूजिक बजाने पर भी पाबंदी है। लेकिन 10 बजे के बाद भी तेज आवाज में म्यूजिक बजाया जा रहा है। नियमों की धज्जियां उड़ाने के मामले में प्रशासन बिल्कुल चुप्पी साधे हुए हैं।

दर्दनाक हादसा: फरीदाबाद में तेज रफ्तार ऑटो पलटा, बच्चे की मौत

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद के धौज थाना क्षेत्र में ऑटो पलटने से एक पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। इस हादसे में उसकी नानी गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेज रफ्तार में था ऑटो गांव धौज के रहने वाले जाहिद ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका बेटा सुहैल अपनी नानी समरुद्दीन के साथ ऑटो में धौज से खोरी जमालपुर जा रहे थे। रास्ते में एक मोड पर ऑटो चालक ने तेज रफ्तार में ही ऑटो मोड़ दिया। संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया। डॉक्टर ने सुहैल को किया मृत घोषित बताया गया कि हादसे के बाद उनके बेटे सुहैल और उसकी नानी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सुहैल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाधान शिविर में रानी देवी को मिली बुढ़ापा पेंशन की सौगात

एसडीएम ने शिकायत सुनने के बाद विभाग को दिए पेंशन बनाने के निर्देश

- बुधवार को समाधान शिविर में सुनी गई 17 शिकायतें

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। बुधवार को समाधान शिविर में गुडगांव गांव की निवासी रानी देवी को बुढ़ापा पेंशन की सौगात मिली। एसडीएम रविंद्र कुमार ने उनकी वृद्धावस्था पेंशन बनवाने के तुरंत निर्देश जारी किए। शिविर में 17 शिकायतों की सुनवाई की गई, जिनमें से दो का मौके पर निपटारा किया। शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। लघु सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में एसडीएम रविंद्र कुमार ने लोगों की शिकायतों को सुना और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिविर में गुडगांव गांव की 62 वर्षीय रानी देवी ने शिकायत रखी कि उसने बुढ़ापा पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन अभी तक उसकी पेंशन नहीं बनी है। जब कि वह पेंशन के लिए सभी पात्रता पूरी करती है। इस पर एसडीएम ने समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी को बुलाकर रानीदेवी की पेंशन बनवाने के निर्देश दिए। स्थानीय राजीव नगर निवासी राममूर्ति ने शिकायत रखी कि उसकी आयु 80 साल की है। मकान के प्रोपर्टी विवाद को लेकर उसकी संतान उसके साथ आए दिन मारपीट करती है और उसे घर से बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। जबकि मकान उसके नाम पर है। इस पर एसडीएम ने मौके पर ही पुलिस कर्मचारी को बुलाकर वृद्धा के साथ झगड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में फर्रूखनगर निवासी गौरीशंकर ने शिकायत रखी कि राजस्व विभाग द्वारा अवैध कालोनी में जमीन की रजिस्ट्री की जा रही है। इस मामले की जांच करवाई जाए। इस पर एसडीएम ने जिला राजस्व अधिकारी को इस शिकायत की जांच करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसीपी सुशीला देवी, सदर कानूनगो गुलाब सिंह, एचएसवीपी के एसडीओ अजमेर सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग की जेई निहारिका राव, समाज कल्याण विभाग से सपना, शिकायत शाखा से कर्मवीर इत्यादि मौजूद रहे।

गुरुग्राम में एचएसवीपी के 437 प्लॉट मालिकों को मिलेगी 183 करोड़ की छूट

- विवादों से समाधान की ओर नाम से एचएसवीपी ने स्कीम चलाई
- बकाया राशि को 14 मई तक करवा सकते हैं जमा
- ओसी सर्टिफिकेट लेने के लिए भी चलाई गई है एक नई स्कीम

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा विवादों से समाधान की ओर नाम से नई समझौता योजना का लाभ उठाकर प्लॉट मालिक अपनी बकाया राशि को न्यूनतम दरों पर जमा करवा सकते हैं। इसकी आखिरी तारीख 14 मई निर्धारित की गई है। इसके अलावा ओसी सर्टिफिकेट लेने के लिए विभाग ने वन टाइम अर्पोच्युनिटी की एक और स्कीम भी लागू की हुई है।

गुरुग्राम में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण-2 की संपदा अधिकारी बलिना ने बुधवार को बताया कि विवादों से समाधान की ओर नाम से इस नई स्कीम में गुरुग्राम के रिहायशी, कॉमर्शियल, ग्रुप हाउसिंग व इंडस्ट्रियल कैटेगरी के 19 सेक्टरों के 437 प्लाटधारकों को भूमि की बढ़ी हुई दरों में छूट का लाभ दिया गया है। जिसकी राशि करीब 183 करोड़ 52 लाख रूपए की है। इनमें सेक्टर 27, 28, 30, 31, 31-32 ए, 32 39, 40, 42, 43, 45, 46, 51, 52, 54, 55, 55-56, 56 और 57 के प्लाट धारक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी प्लाटधारक 14 मई, 2025 तक अपनी बकाया राशि को दी गई छूट का लाभ उठाते हुए जमा करवा दें, इसके बाद उनको दोबारा से कोई और मौका नहीं मिलेगा।

संपदा अधिकारी बलिना ने बताया कि जमीन के रेट बढ़ाए जाने के कारण गुरुग्राम में एचएसवीपी के कई भूखंड मालिकों की ओर बकाया राशि है, जो कि जमा नहीं हुई है। इसी मामले के समाधान के लिए यह नई स्कीम आनलाइन शुरू की गई है।

स्थानीय प्लाटधारक अपनी प्रोपर्टी की आईडी व पासवर्ड का प्रयोग करते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के पोर्टल पर आवेदन कर इस स्कीम का लाभ उठा सकते हैं। जिसमें उनकी ओर बकाया राशि और दिए गए छूट के लाभ को भी दशार्या गया है। यह स्कीम उन लोगों के लिए है, जिन्होंने पहले इस प्रकार की किसी स्कीम का लाभ ना उठाया हो। उन्होंने बताया कि एचएसवीपी के पोर्टल पर वन टाइम अर्पोच्युनिटी की एक और स्कीम भी है। जिन रिहायशी, ग्रुप हाउसिंग या औद्योगिक प्लाटधारकों ने बगैर ओसी सर्टिफिकेट लिए बिल्डिंग पर कब्जा ले लिया है, वे 31 मार्च, 2025 तक इस स्कीम में शामिल हो सकते हैं। उनको ओसी सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा।

एप्पल कंपनी के नाम से नकली सामान बेचने पर छह दुकानदार काबू

- आरोपियों के कब्जा से 4677 नकली बैक कवर, 557 बैक पैनल, 74 केबल व 53 एडैप्टर बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। यहां एप्पल कंपनी के नाम पर नकली उत्पाद बेचने के मामले में पुलिस ने छह दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जा से 4677 नकली बैक कवर, 557 बैक पैनल, 74 केबल व 53 एडैप्टर बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार 17 दिसंबर मंगलवार को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-56 में शिकायत देकर कहा था कि एप्पल कंपनी द्वारा उसको एप्पल कंपनी के नकली उत्पाद बेचने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही के लिए अधिकृत किया गया है। जब इन्होंने सर्वे किया तो पता चला कि सेक्टर-56 मार्केट में कुछ दुकानदार एप्पल कंपनी के नाम पर नकली उत्पाद बेच रहे हैं। इस शिकायत पर पुलिस टीम द्वारा मार्केट में जाकर उन दुकानों में चेकिंग की गई। इस दौरान छह दुकान संचालकों को एप्पल कंपनी के नाम पर नकली उत्पाद बेचते पाया गया। जिनकी पहचान राहुल निवासी सराय दौड़ जिला मथुरा (उत्तर-प्रदेश), संजीव कुमार निवासी एनआईटी (फरीदाबाद), राहुल कदम निवासी जैकमपुर (गुरुग्राम), देवेंद्र तिवारी निवासी वाटिका कुंज भौंडसी (गुरुग्राम), इशांत नासा निवासी मदनपुरी (गुरुग्राम) व बृजेंद्र निवासी सुशांत लोक (गुरुग्राम) के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी दुकान संचालकों के विरुद्ध थाना सेक्टर-56 गुरुग्राम में कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जा से मोबाईल फोन के 4677 नकली बैक कवर, मोबाइल फोन के 557 नकली बैक पैनल, 74 नकली केबल व 53 नकली एडैप्टर बरामद किए गए हैं।

खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रेताओं के लिए चलेगा जागरुकता अभियान

- एफएसएसएआई लाईसेंस बनवाने के लिए दुकानदारों को किया जाएगा जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अब स्वास्थ्य विभाग के फूड एंड ड्रग्स विभाग ने खाद्य एवं पेय पदार्थ बेचने वाले तथा उत्पादन करने वाले रेहड़ी चालकों, दुकानदारों, व्यवसायियों के लिए फूड सेफ्टी का लाईसेंस एफएसएसएआई बनवाना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए विभाग से संबद्ध सामाजिक संस्था ग्राम विकास एवं अनुसंधान सोसायटी की ओर से गुरुग्राम जिला में जल्दी ही जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

ग्राम विकास एवं अनुसंधान सोसायटी के संचालक विक्रजीत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फूड एंड ड्रग्स विभाग ने उनकी संस्था को हरियाणा प्रदेश के गुरुग्राम सहित नौ जिलों में फूड सेक्रटी का लाईसेंस बनवाने के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की अनुमति प्रदान की है।

उन्होंने बताया कि आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तायुक्त व शुद्ध खाद्य सामग्री मिले, इसके लिए खाद्य सुरक्षा के मानकों की अनुपालना की जानी आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि जो भी दुकानदार खाने-पीने की वस्तुएं बेच रहे हैं या जो उद्यमी खाद्य एवं पेय पदार्थों का उत्पादन कर रहे हैं, उनके पास एफएसएसएआई लाईसेंस हो। अधिकांश दुकानदार व व्यवसायियों के पास अभी यह लाईसेंस नहीं है। इस लाईसेंस के बिना कोई व्यक्ति खाद्य पदार्थों की बिक्री कर रहा है या बना रहा है तो उस पर जुमार्ना किया जा सकता है। इस मामले में सजा का भी प्रावधान है। विक्रमजीत ने बताया कि अभियान को चलाने के लिए गुरुग्राम की व्यापारिक ईकाईयों जैसे किरयाना एसोसिएशन, दूध विक्रेता एसोसिएशन, रेहड़ी एसोसिएशन,मेडिकल एसोसिएशन, होटल एसोसिएशन, सब्जी मंडी व्यापार मंडल आदि के साथ मिलकर जागरुकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान में जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।

गुरुग्राम के निगमायुक्त ने जोन-4 में जांची सफाई व्यवस्था

सडकों की सफाई के साथ ही मलबे व कचरे का उठान करने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने जोन-4 क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सडकों की पर्याप्त सफाई करने सहित मलबे व कचरे का उठान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बुधवार को निगमायुक्त ने स्थानीय राजीव चौक से निरीक्षण की शुरूआत की तथा सुभाष चौक, वाटिका चौक, बादशाहपुर, कादरपुर रोड़, एसपीआर, बादशाहपुर एमआरएफ सेंटर, बेगमपुर खटोला सहित अन्य स्थानों का दौरा किया। वाटिका चौक से राष्ट्रीय राजमार्ग की तरफ एसपीआर का निरीक्षण करने के दौरान निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं पाए जाने पर संबंधित एजेंसी पर जुमार्ना लगाने के निर्देश सफाई शाखा के अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही यहां पर खाली जमीन में बनी झुग्गियों में कचरा अलगाव कार्य के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ सफाई निरीक्षक से कहा कि वे यहां पर सफाई व्यवस्था बनाए रखने, कचरे में आग नहीं लगाने संबंधी मामलों की निगरानी करें तथा अगर उल्लंघना पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करवाएं। इसके साथ ही बादशाहपुर एमआरएफ सेंटर के निरीक्षण के दौरान वहां पर भी सफाई बनाए रखने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि सडकों के किनारों, ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में पड़े कचरे, मलबे तथा पॉलीथीन आदि को उठाया जाए, ताकि सफाई व्यवस्था बेहतर बनी रहे। इसके अलावा, बादशाहपुर सब्जी मंडी में सभी दुकानदार अपने यहां डस्टबिन रखना सुनिश्चित करें, ताकि इधर-उधर कचरा ना फैले। उन्होंने यहां पर खड़ी गार्बेज ट्रॉली को भी समय-समय पर खाली करवाने के निर्देश दिए तथा कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ट्रॉली के बाहर कचरा ना फैले। बेगमपुर खटोला में निगम की खाली भूमि को देखने के दौरान निगमायुक्त ने सहायक अभियंता से कहा कि वे इस जमीन की चारदीवारी कराकर इसे सुरक्षित करें। इसके साथ ही क्षेत्र में अगर कहीं पर सीवरेज व पानी की लीकेज है, तो उसे तुरंत दुरुस्त कराएं। इस मौके पर निगमायुक्त के साथ संयुक्त आयुक्त अखिलेश कुमार यादव, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई, सहायक अभियंता आशीष हुड्डा, सफाई निरीक्षक भूपेन्द्र उपस्थित थे।

हरियाणा में शीतलहर जारी, लोगों को सुबह-शाम ठिठुरा रही ठंड

प्रात: किरण संवाददाता

हिसार। शीतलहर चलने के साथ ही रात के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। सोमवार को हिसार का न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री था, जो मंगलवार को 1.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। बुधवार को 10 जिलों में शीतलहर का सामना करना पड़ेगा। मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ ही हवा की गुणवत्ता खराब हुई है।

स्कूलों में हाइब्रिड मोड में कक्षाएं चलाने के निर्देश

सात शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ज्यादा खराब श्रेणी में पहुंच गया है। एनसीआर में ग्रेप का चौथा चरण लागू होने पर गुरुग्राम में सरकारी कर्मियों का ऑफिस टाइम बदला है। डीसी ने प्राइवेट संस्थानों में अगले आदेश तक घर से काम करने की एडवाइजरी जारी की है।

स्कूलों में 10वीं व 12वीं कक्षाओं को छोड़कर हाइब्रिड मोड में कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए गए। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि आने वाले दिनों में शीतलहर चलने से तापमान में गिरावट आएगी। कोल्ड वेव का सामना करना पड़ सकता है।

न्यूनतम तापमान में आज होगी और गिरावट

करनाल में बुधवार की रात सबसे सर्द रहने का अनुमान जताया गया है। अभी तक करनाल में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार रात को तीन और बुधवार को न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने का अनुमान है। कृषि वैज्ञानिकों ने मौसम को गेहूं और आलू की फसल के लिए अनुकूल बताया है।

सुबह-शाम की ठिठुरा रही है ठंड

भिवानी में सुबह-शाम की ठंड के साथ ही अब कोहरा भी गहराने लगा है। मंगलवार की सुबह ठंडी हवा चलने के साथ ही शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में मौसम का मिजाज बदल गया है। इससे आने वाले दिनों में तापमान और गिरने की संभावना जताई गई है। न्यूनतम तापमान का स्तर जमाव बिंदू से महज चार कदम दूरी पर है। तापमान गिरने से ठंड में इजाफा होगा। मौसम का मिजाज अब बदलता हुआ दिखाई देने लगा है। लोगों को सुबह-शाम की ठंड ठिठुरा रही है।

शीतलहर की चपेट में पड़ोसी राज्य भी

पड़ोसी राज्य राजस्थान के कई जिले शीतलहर की चपेट में हैं। फतेहपुर सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां न्यूनतम तापमान लगातार चौथे दिन शून्य से नीचे दर्ज किया गया। पंजाब में फरीदकोट में मंगलवार को तापमान शून्य डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार 23 दिसंबर तक पंजाब में शीतलहर जारी रहेगी। उत्तराखंड में मंगलवार को बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब समेत आसपास की चोटियों पर हिमपात हुआ है।

सम्पादकीय

हरियाणा के पिछड़े वर्ग का चेहरा कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति उनके समर्पण से देखा जा सकता है। इनके काम ने किसानों के समर्थन पर विशेष ध्यान देने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में काफी सुधार किया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता और नेता के रूप में ये समुदाय की मदद करने और बरवाला में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। ये अपने क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए स्थानीय परियोजनाओं पर काम करते हैं। रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हिसार जिले के गंगवा गाँव में हुआ। इनके पिता का नाम राजाराम और माता का नाम केसर देवी है। पत्नी अंगूरी देवी से इनकी शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी। इनकी दो बेटे सुरेंद्र गंगवा और संजीव गंगवा हैं। 34 साल की राजनीतिक यात्रा में इन्होने कैबिनेट मंत्री के पद तक का ऐतिहासिक सफर तय किया है। गंगवा ने राजनीति की शुरूआत अपने गाँव गंगवा से की थी, जहाँ उन्होंने पंच का चुनाव जीता था। इन्होंने हिसार जिले की बरवाला विधानसभा क्षेत्र में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के ह्यकमल खिलानेह्न का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। रणबीर गंगवा ने 1990 में 26 साल की उम्र में अपने गाँव में पंच का चुनाव लड़ा था, जहाँ से उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरूआत की। 2024 में बीजेपी ने उन्हें नलवा की बजाय बरवाला विधानसभा से उम्मीदवार बनाया, जहाँ उन्होंने पहली बार पार्टी को जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक जीत में उनकी इस यात्रा में कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष का सामना करने की उनकी क्षमता विजय गान करती नजर आती है। पिछले कुछ वर्षों में, 60 वर्षीय रणबीर गंगवा हरियाणा की सत्तारूढ़ भाजपा में पिछड़े वर्ग का एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं। नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में इनको सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और सार्वजनिक निर्माण (भवन और सड़कें) विभाग दिया गया है। रणबीर गंगवा वर्ष 2000 में लम्बी राजनीति के सफर में शामिल हुए जब वह हिसार ज़िला परिषद के लिए चुने गए। 2005 में वे पुनः निर्वाचित हुए और इसके उपाध्यक्ष बने। चार साल बाद पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने इनको इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के टिकट पर नलवा विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा। हालांकि, कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व मंत्री संपत सिंह चुनाव जीत गए। बाद में, गंगवा 2010 में आईएनएलडी के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। 2014 में, पार्टी ने इनको फिर से नलवा विधानसभा सीट से मैदान में उतारा और इन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन को हराया। 2018 में इनेलो के विभाजन के बाद, गंगवा 2019 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए। ये नलवा से चुने गए और बाद में विधानसभा में डिप्टी स्पीकर बने। इस बार ये फिर से विधानसभा के लिए चुने गए। बरवाला निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधायिका के सदस्य रणबीर सिंह गंगवा बरवाला में बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा को बदलने के लिए समर्पित हैं और अपने नेतृत्व कौशल का उपयोग करके खुद को निर्वाचन क्षेत्र में एक सम्मानित व्यक्ति और ओजस्वी नेता के रूप में स्थापित कर रहे हैं। सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने तथा किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण की वकालत करने के प्रति इनकी प्रतिबद्धता ने इनको समुदाय से सराहना और समर्थन दिलाया है। बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति इनके समर्पण से पहचाना जा सकता है।

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया। समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में, परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँः शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद, तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिएः डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक दुनिया के कौशल के साथ संरेखण की मांग करती है। आमूलचूल परिवर्तन छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की मांगों के साथ संरेखित कर सकता है। फि नलैंड की शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक कौशल और हाथों से सीखने पर जोर देती है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों की अधिक सहभागिता और रोजगार क्षमता होती है। आमूलचूल सुधार लचीले शिक्षा मार्ग प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर अलग-अलग सीखने के मार्ग अपनाने की अनुमति मिलती है। जर्मनी की दोहरी शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक शिक्षा और अकादमिक शिक्षा के बीच संतुलन प्रदान करती है, जिससे रोजगार क्षमता में सुधार होता है। अधिक छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव से छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक तर्क को बढ़ावा मिलेगा। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (क्ष्ह) कार्यक्रम रचनात्मकता, संस्कृति और संज्ञानात्मक कौशल सहित छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

कोई बताए तो सही कि क्या कमी है एक देश एक चुनाव में

यह सब तर्क कमजोर हैं। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग चुनाव व्यवस्थाएं हैं। कुछ देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, जबकि कुछ देशों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। स्वीडन, बेल्जियम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव एक साथ कराए जाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। बहरहाल, एक देश-एक चुनाव से देश के आम जनमानस में राष्ट्र की अवधारणा सशक्त होगी।

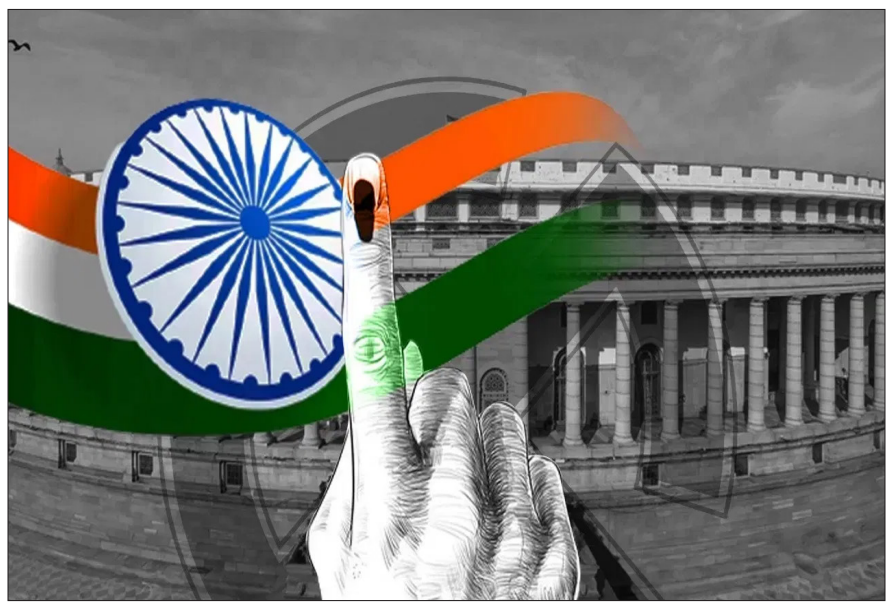

आर.के. सिन्हा
लेखक

एक देश एक चुनाव के सपने को साकार करने की तरफ देश बढ़ रहा है। बेशक,लगातार चुनाव देश की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। भारत में ह्यएक देश-एक चुनावह्न का विचार एक ऐसा विषय है जिस पर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय है। कुछ लोगों का मानना है कि इससे देश को कई फायदे होंगे, वहीं कुछ लोग इसके कुछ नुकसान भी बताते हैं। पर ये सच है कि बार-बार चुनाव कराने में काफी पैसा खर्च होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस खर्च को काफी हाद थे कम किया जा सके। चुनावों में सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों की भारी संख्या में तैनाती करनी पड़ती है। जाहिर है, बार-बार चुनाव होने से कामकाज में बाधा तो आती ही है साथ ही संसाधनों का भारी दुरुपयोग भी होता है। एक साथ चुनाव कराने से इस समस्या को दूर काफी हद तक कम किया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के बाद सरकार एक देश- एक चुनाव की तरफ तेजी से बढ़ रही है। इससे लोकसभा, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत चुनाव सभी एक साथ होंगे। यह सब 100 दिनों के अंदर ही संपन्न होगा। सरकार का मानना है कि इससे देश की जीडीपी में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। केंद्र सरकार इस मुद्दे पर आम सहमति बनाना चाहती है। यह मामला किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे देश के हित में है। यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा, क्योंकि सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि ह्यएक देश, एक चुनावह्न से कई मसलों का हल हो जाएगा।

चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। एक देश, एक चुनाव भाजपा और नरेंद्र मोदी का पुराना एजेंडा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मोदी जी इसकी वकालत करते रहे हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में 2 सितंबर 2023 को कोविंद कमिटी बना कर उन्होंने पहला कदम बढ़ाया था। निश्चित रूप से बार-बार चुनाव होने से सरकारें नई नीतियों और योजनाओं को लागू करने में झिझकती हैं। एक साथ चुनाव होने से सरकारों को स्थिरता मिलती है और वे बेहतर ढंग से काम कर पाती हैं। एक बात और कि बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दल विकास के मुद्दों से भटक जाते हैं और चुनाव जीतने पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दलों को विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अधिक अवसर मिलता है। एक देश-एक चुनाव के विपक्ष में तर्क में कुछ पिलपिले तर्क आ रहे हैं। जैसे कि राष्ट्रीय चुनावों के साथ-साथ राज्यों के चुनाव होने से क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र कमजोर हो सकता है क्योंकि इससे राष्ट्रीय स्तर पर एक ही राजनीतिक दल का दबदबा हो सकता है। यह सब तर्क कमजोर हैं। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग चुनाव व्यवस्थाएं हैं। कुछ देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, जबकि कुछ देशों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। स्वीडन, बेल्जियम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव एक साथ कराए जाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में राष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। बहरहाल, एक देश-एक चुनाव से देश के आम जनमानस में राष्ट्र की अवधारणा सशक्त होगी। भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक़्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया, इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई और विधानसभा समय से पहले भंग हो गई थी। यह भी माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव होने से मतदाता भागीदारी में वृद्धि हो सकती है क्योंकि लोगों को बार-बार मतदान करने की आवश्यकता नहीं होगी। कुल मिलाकर बात यह है कि ह्यएक देश एक चुनावह्न को दलगत आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इस पर हर स्तर पर खुल कर ईमानदारी से चर्चा होनी चाहिए। उसके बाद ही किसी अंतिम निर्णय पर पहुंचा जाना चाहिए। अगर इसे भाजपा या मोदी जी के किसी एंजेडे के रूप में देखा गया तो यह सही नहीं होगा। अभी तक जो विपक्षी नेता ह्यएक देश एक चुनावह्न के विचार का विरोध कर रहे हैं, उन्हें अपने दिल पर हाथ रखकर पूछना चाहिए कि क्या उन्हें बार-बार चुनावी रणभूमि में उतरना पसंद है?

किसान आंदोलन : शरू हो चुकी है एकजुट होने की कवायद

अब डल्लेवाल के अनशन व 18 दिसंबर को किसानों द्वारा पंजाब में आहूत रेल रोको आंदोलन के बाद ऐसा लगता है कि किसान संगठनों के एकजुट होने की कवायद फिर से शुरू हो चुकी है। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं। राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए।

निर्मल रानी
लेखक

पंजाब- हरियाणा की सीमाओं पर चलने वाला किसान आंदोलन धीरे धीरे और गंभीर रूप धारण करता जा रहा है। क्योंकि हरियाणा की सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एनपी) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। किसान नेता के स्वास्थ की देखरेख में लगे डॉक्टर्स उनकी सेहत को लेकर बेहद चिंतित हैं। डल्लेवाल 80 साल की उम्र में इतने दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी देखभाल में लगे डॉक्टर्स के अनुसार पहले से ही कैंसर रोग से पीड़ित डल्लेवाल के लिवर व किडनी को इस अनशन के कारण काफी नुकसान पहुँच चुका है। उनकी किडनी व लीवर की स्थिति काफी नाजुक होती जा रही है। गौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फरवरी को पंजाब के किसान अपनी उन मांगों को पूरी करने के वादों को याद दिलाने के लिये दिल्ली जाना चाह रहे थे जो कि मोदी सरकार द्वारा तीन विवादित कृषि कानून वापस लेते समय सरकार द्वारा मानी गयी थीं। परन्तु हरियाणा सरकार ने उन्हें पंजाब सीमा से आगे बढ़कर दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। तभी से यह किसान पंजाब- हरियाणा की खनौरी व शम्भू सीमाओं पर डटे हुये हैं और बीच बीच में दिल्ली जाने का प्रयास भी करते रहे हैं। काबिल-ए-गौर है कि जब एक वर्ष से भी लंबे समय तक चले संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन ने नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कभी ह्यन झुकनेह्न की छवि बनाने वाले नेता को तीन विवादित कृषि कानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था उस समय देश के किसानों के अधिकांश संगठन एकजुट थे। और इसी किसान एकता ने केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिये मजबूर कर दिया था। परन्तु उस समय भी कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी यह कहने से चूके थे कि-ह्न हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, गरीब के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये कानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात, पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। शायद हमारी तपस्या में कमी रही। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। हमने कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया। ह्न यह बात मोदी ने तब कही थी जब कि उस समय देश के अधिकांश छोटे बड़े किसान व उनके अधिकांश संगठन एकजुट थे। परन्तु याद कीजिये उस समय भी सरकार ने अपने समर्थन में कई ऐसे संगठनों के नाम बता दिए थे जिनका नाम पहले न तो कभी सुना गया न ही वे संगठन अस्तित्व में थे। यानी फर्जी संगठनों को किसान संगठन बता कर किसानों में फूट डालने की कोशिश 2020-21 के किसान आंदोलन के समय भी की गयी थी। परन्तु अब 13 फरवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये। मगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का सरकार पर असर पड़े या न पड़े लेकिन किसान संगठनों व विपक्षी नेताओं पर इसका प्रभाव पड़ता जरूर दिखाई देने लगा है। जहां विभिन्न विपक्षी राजनैतिक दलों के नेता खनौरी स्थित डल्लेवाल के अनशन स्थल पर उनका स्वास्थ समाचार लेने बड़ी संख्या में पहुँचने लगे हैं वहीं संयुक्त किसान मोर्चा के विभिन्न धड़ों में भी हलचल तेज हो चुकी है। एस के एम के कई महत्वपूर्ण घटकों से किसान एकता के स्वर उठने शुरू हो चुके हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बयान किसान नेता राकेश टिकैत की ओर से आया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये टिकैत ने कहा है कि-ह्न किसान यदि अलग-अलग चलेंगे तो लुटेंगे। हमें एकजुट रहना होगा। 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ हमने सबको कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और सब इकट्ठा हो जाएं। दिल्ली की कॉल अलग-अलग मत दें। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं। ह्यह्न राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए। बात सरकार को करना है, नफा नुक़्सान सरकार को देखना है। दिल्ली की तैयारी करनी है तो सभी लोगों को इकट्ठा होना होगा। सभी मोर्चे को इकट्ठा होकर बातचीत करनी चाहिए। गौरतलब है कि धरने पर बैठे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा को आंदोलन को सहयोग व समर्थन देने सम्बन्धी चिट्ठी भी लिखी है। पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संग्ठन, व्यापक किसान एकता की बात जोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी? फर्जी किसान संगठनों को खड़ा करने से लेकर किसान आंदोलन को बदनाम करने तक के लिए सरकार द्वारा कौन कौन से प्रोपेगण्डे नहीं किये गये? इन्हें आन्दोलनजीवी, खालिस्तानी, देशद्रोही न जाने क्या क्या कहा गया? आंदोलन के चरित्र पर सवाल खड़े किये गये। परन्तु इन सब आरोपों के बावजूद सरकार को इन्हीं तथाकथित ह्लआन्दोलनजीवी, खालिस्तानी व देशद्रोहीह्व किसानों की मांगों के आगे घुटने भी टेकने पड़े। और स्वयं प्रधानमंत्री को सामने आकर कृषि कानून वापस लेने की घोषणा करते समय किसानों को संबोधित करना पड़ा। इसका कारण केवल एक था और वह था संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चलने वाला ऐतिहासिक किसान आंदोलन।

संभल के कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर का सच

मनोज कुमार अग्रवाल

संभल के कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर से लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पहले जहां मंदिर में शिवलिंग और हनुमान जी की मूर्ति मिली थी, वहीं अब मंदिर के परिसर में मौजूद कुएं की खुदाई के दौरान मां पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी की प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। उत्तर प्रदेश के संभल में मुस्लिम बहुल इलाके में इस मंदिर का पता चलने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि संभल में इतना प्राचीन मंदिर क्या रातोरात प्रशासन ने बना दिया? क्या वहां बजरंगबली की इतनी प्राचीन मूर्ति रातों-रात आ गई? मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उन दरिंदों को आज तक सजा क्यों नहीं मिली, जिन्होंने 46 वर्ष पहले संभल में नरसंहार किया था? इस पर चर्चा क्यों नहीं होती है। 46 साल से बंद पड़े संभल के इस मंदिर में रविवार से पूजा-पाठ प्रारंभ कर दी गयी है। हिंदू संगठन के लोग मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। मंदिर में विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ पूजा संपन्न होने के बाद आरती की गई। कैसे मिली मंदिर की जानकारी? लाके में बिजली चोरी की चेकिंग के दौरान मंदिर होने की जानकारी सामने आई थी। संभल में मस्जिदों और घरों में छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर बिजली चोरी के खुलासे हुए। इसी दौरान यहां पुलिस तब हैरान रह गई जब इस इलाके में चेकिंग के समय अचानक एक मंदिर मिल गया जो कि सन 1978 से बंद बताया जा रहा है। 46 सालों से बंद पड़ा ये मंदिर सपा सांसद जियाउररहमान बर्क के घर से 200 मीटर की दूरी पर मिला है। मंदिर के अंदर हनुमान जी की प्रतिमा, शिवलिंग और नंदी स्थापित हैं। फिलहाल यहां डीएम और एसपी ने सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की है। संभल के सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि ये मंदिर कई सालों से है। 1978 में जब दंगा हुआ था तब भी मंदिर यहीं था। यहां सभी को पता है कि दंगे के बाद यहां से हिंदू पलायन कर गए थे। मंदिर की जानकारी सामने आने के बाद खुदाई में यहां एक कुआं भी मिला है। इस कुएं को ढका गया था। मकान बनाकर मंदिर पर कब्जे की बात भी सामने आई है। एडिशनल एसपी श्रीश चंद्र ने बताया, चेकिंग के दौरान पता चला कि कुछ लोगों ने मकान बनाकर मंदिर पर कब्जा कर लिया है। अब मंदिर की साफ-सफाई करा दी गई है और जिन लोगों ने मंदिर पर कब्जा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मंदिर में भगवान शिव और हनुमान जी की मूर्तियां हैं। पहले इस क्षेत्र में कई हिंदू परिवार रहते थे बाद में उन्होंने यह क्षेत्र छोड़ दिया था। मंदिर के पास है प्राचीन कुआं डीएम संभल राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि मुस्लिम आबादी के बीचों-बीच बंद पड़े मिले मंदिर के पास एक प्राचीन कुएं के बारे में भी जानकारी मिली। अब इस कुएं की खुदाई की जा रही है। मंदिर के आसपास के इलाके में किया गया अतिक्रमण भी ध्वस्त किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान कुएं की सफाई का काम शुरू किया गया था। इस दौरान मिट्टी हटाने पर ये तीनों मूर्तियां मिलीं। इनमें से एक मूर्ति संगमरमर की है और कार्तिकेय जी की मानी जा रही है। हालांकि, अन्य दो मूर्तियां थोड़ी खंडित अवस्था में मिली हैं। मिली हुई मूर्तियों की प्राचीनता का पता लगाने के लिए पुरातत्व विभाग को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही इन मूर्तियों की कार्बन डेटिंग कराई जाएगी ताकि इनकी सही उम्र का पता चल सके। डिप्टी एसपी अनुज चौधरी ने बताया कि मंदिर से मिली सभी मूर्तियों को सुरक्षित रख लिया गया है। कुएं की खुदाई का काम फिलहाल रोक दिया गया है और कुएं को ढक दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस खोज से इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के लिए एक नया अध्याय खुल गया है। दंगों के बाद से बंद था मंदिर स्थानीय लोगों के अनुसार, 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद से इस मंदिर को बंद कर दिया गया था। मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद इसे 15 दिसंबर को फिर से खोला गया था। लोगों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक कर आरती की गई। इसके बाद हनुमान जी की आरती भी की गई। वही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटना भी शुरू हो गई है। विद्युत चोरी की जांच में निकला मंदिर संभल की एसडीएम वंदना मिश्रा ने बताया कि हम विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चला रहे थे और जगह-जगह जाकर चेक कर रहे थे, तो इस स्थान पर भी पहुंचे। यहां पर एक मंदिर दिखाई दिया। इसके बाद मैंने जिलाधिकारी से इस मंदिर को खोलने की अनुमति ली और अब हम सभी लोग इस मंदिर का निरीक्षण करने के लिए यहां आए हैं। मंदिर के अंदर हनुमान जी की मूर्ति और शिवलिंग पाए गए।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, गुरूवार, 19 दिसंबर, 2024

उम्रकैद काट रहा परिवार, जो भी हमारा दर्द समझेगा उसे धन्यवाद देंगे: हाथरस गैंगरेप पीड़िता का भाई

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ/हाथरस। हाथरस में वर्ष 2020 में कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की शिकार महिला के भाई का कहना है कि उनका परिवार एक तरह से उम्रकैद काट रहा है और जो कोई भी उनका दर्द समझेगा, उनकी आवाज उठाएगा परिवार उसका शुक्रिया अदा करेगा।

महिला के भाई संदीप सिंह ने यह भी कहा कि उसकी बहन की अस्थियां घर पर रखी हैं और उनका विसर्जन तभी किया जाएगा जब परिवार को पूरा न्याय मिलेगा।

संदीप की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पिछले बृहस्पतिवार को महिला के परिवार के सदस्यों से मुलाकात करने का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करने के बाद मंगलवार को आई। गांधी ने जोर देकर कहा कि न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा परिवार से किए गए वादे आज तक पूरे नहीं किए गए हैं। भाजपा और उसके सहयोगी रालोद ने वीडियो साझा करने के लिए गांधी की आलोचना की, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की घटक समाजवादी पार्टी ने उनका समर्थन किया।

सिंह ने कहा कि परिवार पिछले पांच वर्षों से न्याय की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा, जो कोई भी हमारा मुद्दा उठाएगा और हमारा दर्द समझेगा, हम उसका शुक्रिया अदा करेंगे चाहे वह सरकार हो या कोई और।

उन्होंने कहा, हम तो एक तरह से उम्रकैद काट रहे हैं। अगर उत्तर प्रदेश सरकार अपना वादा पूरा नहीं करती है तो हम देखेंगे। सरकार हो या विपक्ष, हमारे लिए सब बराबर हैं। हमें अदालत से भी पूरा न्याय नहीं मिला है। पांचवां साल बीत चुका है और हम अब भी अदालत और सरकार से उम्मीद लगाए बैठे हैं। हम पीड़ित हैं और कुछ नहीं कर सकते।

राहुल गांधी को समर्थन देते हुए समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता दीपक रंजन ने कहा कि राज्य सरकार ने पीड़ित परिवार से जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, नेता प्रतिपक्ष को जिस प्रोटोकॉल का हक है, वह तक तो राहुल गांधी को नहीं दिया गया।

हाथरस में परिवार से मिलने के बाद गांधी ने आरोप लगाया था कि उनके (परिवार) साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

कांग्रेस के अनुसार, इस साल की शुरूआत में परिवार ने गांधी से संपर्क किया था और न्याय पाने में उनका सहयोग मांगा था। पार्टी ने युवती के पिता द्वारा विपक्ष के नेता को लिखा गया एक पत्र भी साझा किया था।

गांधी ने परिवार के साथ उनके घर पर लगभग 35 मिनट बिताए और उनसे बातचीत की। वह पत्रकारों के एक समूह से बात किए बिना चले गए, जो उनके दौरे के लिए गांव में एकत्र हुए थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा ने तीन अक्टूबर 2020 को हाथरस में पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी और घोषणा की थी कि वे मृतक को न्याय सुनिश्चित करने के लिए लड़ेंगे। युवती (19) के साथ 14 सितंबर 2020 को कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया था। उसे इलाज के लिए अलीगढ़ और बाद में दिल्ली ले जाया गया, जहां 29 सितंबर 2020 को उसकी मृत्यु हो गई थी। उसका अंतिम संस्कार 30 अक्टूबर को तड़के किया गया। उसके परिवार ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने उन्हें रात के अंधेरे में अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर किया था। वहीं स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि दाह संस्कार परिवार की इच्छा के अनुसार किया गया था। प्रारंभिक पुलिस जांच के बाद, सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी और सभी चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

उप्र के आजमगढ़ में सामूहिक बलात्कार के बाद गर्भवती हुई महिला की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

आजमगढ़। सामूहिक बलात्कार पीड़िता की यहां के जिला महिला अस्पताल में मौत हो गई। दुष्कर्म के बाद पीड़िता पांच माह की गर्भवती थी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार महिला (40) पांच माह की गर्भवती थी और दुष्कर्म के बाद से ही उसकी तबीयत बिगड़ रही थी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) चिराग जैन ने बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और 10 साल पहले उसके पति की मौत हो गई थी।

उन्होंने बताया कि महिला का बेटा 20 साल का है और उसका परिवार मुश्किल से अपना गुजारा कर पाता था। जैन ने बताया, जुलाई में चार से छह लोगों ने उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया और जब महिला की सेहत खराब रहने लगी तब परिवार को घटना की जानकारी हुई।

उन्होंने कहा, जब महिला के परिवार को उसकी स्थिति के बारे में पता चला तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और उसकी चिकित्सकीय जांच

कराई गई। जांच से पता चला कि वह पांच महीने की गर्भवती थी और उसमें खून की बेहद कमी थी।

पुलिस ने 13 दिसंबर को पांच संदिग्धों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जब अस्पताल ने पीड़िता की गंभीर हालत के बारे में उन्हें सूचित किया तो तीन कांस्टेबल ने रक्तदान किया लेकिन महिला की हालत बिगड़ती गई। उसे अंततः दूसरे चिकित्सा केंद्र और फिर एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, गहन देखभाल के बावजूद सोमवार रात को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने नामजद संदिग्धों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा के घेराव की घोषणा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष के घर पर पुलिस का पहरा

अमरोहा। 18 दिसंबर को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर लखनऊ में विधानसभा के घेराव की घोषणा के बाद अधिकारियों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष के घर पर पुलिस का पहरा लगा दिया है। मंगलवार को अमरोहा से कांग्रेस कार्यकताओं को लेकर जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया को लखनऊ पहुंचना था। सोमवार को मध्य रात्रि में ही उनके सब्दलपुर शर्की स्थित आवास को पुलिस ने घेर लिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के कुशासन के खिलाफ कांग्रेस द्वारा विधानसभा घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पुलिस के बल पर विधानसभा घेराव के कार्यक्रम को विफल करने की साजिश कर रही है। सोमवार रात दो बजे से ही उन्हें घर में ही नजर बंद कर रखा है। विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस नेता नजर बंद

वहीं फिरोजाबाद में कांग्रेस ने 18 दिसंबर को विधानसभा के घेराव का आह्वान किया है। इसमें शामिल होने जा रहे पार्षद नुरुल हुदा, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष साजिद बेग, पूर्व प्रदेश सचिव प्रकाशनिधि गर्ग को पुलिस ने नजरबंद कर लिया है।

पुरवा ने बढ़ाई रफ्तार, अब कोहरे के बन रहे आसार

गोरखपुर। हवा की दिशा बदलते ही मौसम में बदलाव दिखा है। पछुआ पर पुरवा हवा की लगाम लगते ही बीते करीब छह दिन तक औसत से नीचे रिकार्ड हुआ न्यूनतम तापमान बढ़ा है। नम पुरवा हवा अब बंगाल की खाड़ी से नमी से लेकर आ रही है और आने वाले दिनों में कोहरे का आसार बना रही है। कोहरे के चलते अब अधिकतम तापमान घटेगा और दिन में ठंड का प्रभाव बढ़ेगा। ऐसे में रात में ही नहीं बल्कि दिन में भी अपेक्षाकृत अधिक ठंड का अहसास होगा।

मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय ने बताया कि दिसंबर के पहले पखवारे में पछुआ हवा प्रभावी रही। ऊपरी वायुमंडल में उसकी रफ्तार 40 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रिकार्ड हुई। तेज रफ्तार से चल रही पछुआ हवा ने पहाड़ों की ठंड को पूर्वी उत्तर प्रदेश तक पहुंचाया। बफीली पछुआ हवा ने न्यूनतम तापमान को रिकार्ड स्तर पर गिराया। न्यूनतम तापमान सामान्य से इतना कम रिकार्ड हुआ कि पहले पखवारे का पांच दिन मौसम विभाग के मानक पर शीतलहर वाला दिन करार हुआ। मौसम विज्ञानी के अनुसार पछुआ की रफ्तार पर अब पुरवा हवा ने लगाम लगा दी है। नम पुरवा हवा अब कोहरे के कारण बनेगी। कोहरे के चलते धूप की चमक कम होगी और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज होगी। दो दिन बाद से अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाने लगेगी। इसके चलते ठंड बढ़ेगी। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक यह चरम पर पहुंचेगी। पुरवा हवा के चलते आर्द्रता में बढ़ोतरी हुई है। 80 प्रतिशत के आसपास रिकार्ड होने वाली अधिकतम आर्द्रता 90 प्रतिशत के पार हो गई है। दिन में धूप से राहत तो रात में सर्दी का झटका दे रहा मौसम

उत्तर-पश्चिम से आ रही सर्द हवा ने शहर का मौसम बदल दिया है। दिन में धूप निकलने से लोग राहत महसूस कर रहे हैं लेकिन सूरज ढलते ही सर्दी असर दिखाने लगती है। सुबह और शाम को हल्का कोहरा भी असर दिखा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अभी दिन में सर्दी बढ़ने की स्थितियां नहीं बन रही हैं। इसलिए बुधवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

तीन दिन से उत्तर पश्चिम की हवा भी धीमी बह रही है। मंगलवार को औसत गति 1.4 किमी प्रति घंटा रही है। मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री रहा, जो सामान्य तापमान से भी 1.4 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 5.8 रहा, जो सामान्य से 2.1 डिग्री कम रहा है। इससे पहले सोमवार को भी दिन का तापमान सामान्य से आधा डिग्री अधिक रहा है।

मौसम विशेषज्ञ डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि मौसम में अभी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं।

कागजों में चल रहा अभियान, हकीकत में गोवंश से किसान परेशान

ब्लॉक इस्लामनगर में नहीं किए गोवंश संरक्षित, फसल कर रहे नष्ट

प्रात: किरण संवाददाता

बदायूं, । शासन के निर्देश पर चलाया जा रहा गौ संरक्षण अभियान केवल कागजों में ही दौड़ रहा है। हकीकत में हर गांव में छुट्टा गोवंश दर्जनों की संख्या में किसानों की फसलों को चट कर रहे हैं। गांव के कई किसान की कई बीघा फसल गोवंश ने पूरी तरह चट कर दी। इसके बाद परेशान किसान लल्ला सिंह चौहान किसान नेता का कहना है कि उसके खेत में गोवंश की वजह से कोई फसल नहीं हो पाती है।शासन के निर्देश पर सात दिसंबर से 14 दिसंबर तक गौ संरक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में पशुपालन विभाग ने खाना पूर्ति करनी शुरू कर दी। हर दिन दो चार गोवंश पकड़ कर गोशाला में भेजे गए, जबकि प्रति दिन 400 गोवंश प्रतिदिन संरक्षित करने का आदेश दिया गया था। ग्राम तरकपरोली में गौ वंशपशुओ का बुरा हाल है एक तरफ सरकार के सख्त निर्देश है कि गौ वंश पशुओ को जंगल में नहीं छोड़ा जाए जिसकी जिम्मेदारी ग्राम सचिव उमेश यादव ०प्रधान वीरेश को दी गई परन्तु सरकार के आदेशो को कागज में दर्शकाकर खाना पूरी कर रहे कुछ दिन ही पूर्व ही जिला अधिकारी ने आदेश दिए थे परन्तु अभी तक कोई भी पालन

नहीं हुआ और ग्रामीण रातभर जागकर अपने खेतो की रखवाली कर रहे है एक ग्राम तरकपरोली निवासी लल्ला सिंह चौहान ने बताया ने बताया की रात भर खेत पर रहकर रात गुजारनी पड़ती है इतनी ठण्ड पड़ती है कि कुछ किसान बीमार हो गये गौ वंश पशुओ का गाँव में और जंगल में दर्जनों संख्या में देखने को मिल जायेगे गोवंश किसानों के लिए बन रहे मुसीबत तहसील क्षेत्र के गांव तरकपरोली में छुट्टा गोवंश किसानों को सिरदर्द बने हुए हैं। किसानों की गेहूं की फसल रात में चट कर रहे हैं जिससे किसान बेहद परेशान हैं। गांव बन बेहटा के किसानों का कहना है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसान विरोधी है इसलिए किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। सचि० उमेश यादव सरकार को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है उनका मोबाइल भी नहीं लग रहा है

दुग्ध सहकारी समिति ने किया नि:शुल्क लिहाफ वितरण का आयोजन

गरीबो, बेसहाराओ की मदद करना पुण्य का कार्य: डॉ. मनोज वर्मा

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा/बुढ़नपुर ।दुग्ध सहकारी समिति बुढ़नपुर के तत्वाधान में नूरपुर-स्योहारा मार्ग पर पराग डेयरी बुढ़नपुर पर गरीबों बेसहाराओ तथा असहाय लोगों को सर्दी से बचाने के लिए निःशुल्क लिहाफ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दुग्ध सहकारी समिति मुरादाबाद संघ के उपसभापति कमल कुमार ने दिव्यांग, वृद्ध, विधवा महिलाओं एवं गरीब लोगों को 100 लिहाफ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ मनोज वर्मा, दुग्ध संघ मुरादाबाद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, दुग्ध संघ मुरादाबाद के सचिव अविनाश कुमार सत्यार्थी,किसान नेता गजेंद्र सिंह,टिकैत,पूर्व सभापति कृष्ण कुमार ढाका तथा दुग्ध सहकारी समिति मुरादाबाद संघ के उपसभापति कमल कुमार के द्वारा दिव्यांग,वृद्ध ,विधवा गरीब लोगों को 100 लिहाफ वितरित किये गये। दुग्ध सहकारी समिति मुरादाबाद संघ

के उपसभापति कमल कुमार द्वारा अतिथियों को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर मनोज वर्मा ने कहा कि गरीब ,असहाय तथा बेसहारा लोगों की हमेशा मदद करनी चाहिए।और उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल,लिहाफ अन्य उपकरण का वितरण करते रहना चाहिए। ये बहुत ही परोपकारी और पुण्य का कार्य है। दुग्ध संघ मुरादाबाद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा कि जो आज समिति द्वारा निशुल्क लिहाफ वितरण का कार्यक्रम किया गया है ये कार्य मानवीय श्रेणी में आता है मंडल में जो अन्य समितियां बनी हुई है उनको भी ऐसे ही गरीब लोगों की मदद करनी चाहिए। किसान नेता गजेंद्र सिंह टिकैत ने कहा कि समिति द्वारा निशुल्क लिहाफ वितरण का कार्यक्रम किया गया है एक बहुत ही अच्छी पहल है। उनके द्वारा बहुत सहरानीय कार्य किया गया। इस मौके पर दुग्ध सहकारी समिति मुरादाबाद संघ के उपसभापति कमल कुमार,डायरेक्टर रतिराम सिंह,नवनीत कुमार,मास्टर जोगिंदर सिंह,अभय कुमार,देवेन्द्र कुमार,दिलावर कुमार,जयवीर सिंह आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मैनपुरी की एक अदालत ने दहेज हत्या के मामले में चार लोगों को सजा सुनाई

मैनपुरी ।मैनपुरी की एक अदालत ने दहेज के लिए एक महिला की हत्या करने के मामले में पति और देवर को आजीवन कारावास, सास को 10 तथा ननद को 20 साल कैद की सजा सुनाई। एक शासकीय अधिवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिवक्ता संजीव चौहान ने बताया कि सभी पर 25-25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश कुलदीप सिंह की त्वरित अदालत ने मंगलवार को 2012 के दहेज हत्या के मामले में यह आदेश पारित किया। भोनगांव थाना क्षेत्र के गांव दिवरणिया के निवासी सर्वेश कुमार की शिकायत पर अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में कहा गया कि शिकायतकर्ता की बेटी रीना की शादी पांच जून 2009 को तुलजापुर गांव के नीरज से हुई थी जिसके कुछ समय बाद ही रीना के ससुराल वाले एक भैंस और 20,000 रुपये की मांग करने लगे। इसमें कहा गया कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर 12 अक्टूबर 2012 को रीना के पति नीरज, ससुर अंत राम, सास शांति देवी, देवर दीपू, ननद मीनू और एक अन्य महिला रिश्तेदार ने उसे आग के हवाले कर दिया। रीना ने मौत से पहले अस्पताल में मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराए थे। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अगले दिन रीना की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने नीरज, अंत राम, शांति देवी, दीपू और मीनू के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। अधिवक्ता ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान अंत राम की मौत हो गई। चौहान ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने गवाह और सबूत पेश किए। उन्होंने कहा कि सभी तथ्यों पर गौर करने के बाद अदालत ने नीरज और दीपू को हत्या का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई जबकि मीनू को 20 साल और शांति देवी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव, सुरक्षा के कड़े इंतेजाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बुधवार दोपहर को होने वाले विधानसभा घेराव कार्यक्रम के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि निषेधाज्ञा लागू है और राज्य विधानसभा का सत्र चल रहा है, ऐसे में किसी को भी आदेशों का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा।

विधानसभा की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगा दिए गए हैं तथा यहां मॉल एवेन्यू क्षेत्र में कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को डराने-धमकाने तथा उन्हें रोकने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करने के बावजूद हजारों कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पहुंच चुके हैं तथा 12:15 बजे घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसका नेतृत्व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे करेंगे। राय ने मंगलवार को दावा किया था कि राज्य सरकार ने अपनी अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के डर से पार्टी के सदस्यों को प्रदर्शन में भाग लेने से रोकने के लिए कई जिलों में नजरबंद कर दिया है।राय ने कहा, कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम से घबराई योगी सरकार अलोकतांत्रिक तरीकों का सहारा ले रही है। पुलिस कार्रवाई के जरिए नेताओं और कार्यकताओं को डराया-धमकाया जा रहा है और हिरासत में लिया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का शर्मनाक उल्लंघन और जनता की आवाज पर हमला है। राय ने कहा कि कांग्रेस राज्य सरकार के निरंकुश रवैये और पुलिस के जरिये दमन किए जाने का कड़ा जवाब देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसी कार्रवाई जारी रही तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के संभल में रंजिश में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या

संभल। संभल जिले में बुधवार सुबह मोटरसाइकिल सवार कुछ लोगों ने एक अधिवक्ता की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत होता है और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उसने बताया कि घटना बहजोई थाना क्षेत्र की है जब अधिवक्ता सत्यपाल नेटा गांव से दूध लेकर बहजोई अपने घर आ रहा था तभी बिजली घर के पास मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उस पर गोली चला दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसे मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में ही सत्यपाल ने दम तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार मृतक के भाई नरेश कुमार ने हत्या में गणेश नामक व्यक्ति की संलिप्तता का आरोप लगाया है जिसकी उनके भाई के साथ रंजिश थी। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। बिश्नोई ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में घटनास्थल पर एक मोटरसाइकिल पर कुछ लोग नजर आ रहे हैं और मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में सेप्टिक टैंक में गिरने से दो बच्चों की मौत

सोनभद्र । सोनभद्र के विंढमगंज थाना क्षेत्र के केवल गांव में सेप्टिक टैंक में गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि अंकित (पांच) और सौरभ (छह) मंगलवार शाम खेलते-खेलते टूटे ढक्कन वाले सेप्टिक टैंक के पास चले गए और उसमें गिर गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना का पता चलने पर परिवार के सदस्य बच्चों को बचाने के लिए दौड़ पड़े और उन्हें दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां चिकित्सक ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

समाज की प्रगति का मुख्य मंत्र शिक्षा है इसके बिना किसी भी समाज और देश की प्रगति संभव नहीं : अश्विनी कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। भारत सरकार या प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं में बिना किसी भेदभाव के सभी को पात्रता के आधार पर लाभ पहुंचाया जा रहा है किसी भी योजना में धर्म जाति क्षेत्र भाषा एवं अन्य किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं है ,यह विचार बृहस्पतिवार को विकास भवन के सरदार पटेल सभागार में आयोजित अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा ने व्यक्त किये। उन्हों ने कहा की अल्पसंख्यक समाज की प्रगति का मुख्य मंत्र शिक्षा है शिक्षा से ही किसी भी समाज और देश की प्रगति संभव हैं उन्हों ने सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओ का उल्लेख किया जिन योजनाओं से बहुसंख्यक तथा अल्पसंख्यक समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।कार्यक्रम में बोलते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नौशाद हुसैन ने कहा कि हम सभी को अपने समाज को शिक्षित करने की आवश्यकता है उन्हों ने यह भी कहा कि हर व्यक्ति अपने अधिकारों की बात तो करता है लेकिन अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भूल जाता है यदि हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों को याद रखे तो उसके अधिकार स्वत ही मि सकते हैं उन्हों ने शिक्षा के क्षेत्र में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों की भूमिका को अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही गली मुहल्लों में सड़कों पर खेलने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की अपील की ।मौलाना रजा काजिम प्रधानाचार्य मदरसा सैय्यद उल मदारिस ने कहा की सरकार ने मदारिस को ▪न सी आर टी की किताबे पढ़ाने का आदेश तो दे दिया लेकिन उनकी समयबद्ध आपूर्ति न होने से छात्रों को कितनी परेशानी का समाना करना पड़ता है इस का अनुमान इन छात्रों और मदरसा अध्यापकों को ही हो सकता है उन्हों ने मदरसा छात्रों को छात्रवृति न मिलने ,मिड डे मील न मिलने समेत अन्य समस्याओं पर सरकार का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया। मदरसा इस्लामिया हुसैनिया चिल्ला के प्रधनाचार्य मुफ़्ती मुहम्मद मुंसिफ ने कहा अल्पसंख्यकों को यदि संविधान

में प्रदत अधिकार पूरी ईमानदारी से दिए जाएँ तो काफी समस्यांए हल हो जायें कोई भी देश विशेष रूप से तब ही पूर्ण रूप से सफल हो सकता हैं जब उस में बैठे पुलिस प्रशासनिक अधिकारी पूरी निष्ठां से सभी नागरिकों के साथ न्यायसंगत कार्रवाई करें।मदरसा बाब उल इल्म के बशारत हुसैन और मौलाना गजनफर अली ने अल्पसंख्यकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की और मांग रखी की इन समस्याओं को सरकार तक पहुंचा दें।नायाब अब्बासी डिग्री कालिज के प्रवक्ता डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि देश की आजादी में अल्पसंख्यक समाज की भूमिका अविस्मरणीय रही है ,और देश को विभिन्न विधाओं जैसे मिजाइल बनाना ,शहनाई वादक ,तबला वादक ,साहित्यकार और शायरी आदि में भी अल्पसंख्यक समाज का विशेष योगदान रहा है उनकी कलाओं से देश को विश्व में पहचान मिली है. शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रयास किए जा रहे हैं जिन को तेज करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह ,सुश्री पंखुड़ी जैन जिला समाज कल्याण अधिकारी भी मौजूद थीं।कार्यक्रम में शबाहत अब्बास ,मुहम्मद अनवर,सय्यद अली नकी ,एजाज हैदर हुसैनी ,अब्दुल कादिर ,वसीम अहमद ,इमरान हैदर ,मेहर अब्बास ,मुहम्मद मुस्तफा, ताजदार काजमी ,अब्दुल कलाम ,मुहम्मद मुस्तकीम समेत काफी संख्या में अध्यापक गण व अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. महताब अमरोहवी ने किया।

विधान परिषद में विपक्ष ने अनुपूरक बजट को किया खारिज

नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार ने लोगों को दिया धोखा

लखनऊ। विधान परिषद में विपक्ष ने अनुपूरक बजट को खारिज कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि जब विभिन्न विभाग मूल बजट में दी गई राशि का 50 प्रतिशत भी खर्च नहीं कर सके हैं तो अनुपूरक बजट का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अनुपूरक बजट पेश करके लोगों को धोखा दिया है। वहीं सत्ता पक्ष व सहयोगी दलों ने अनुपूरक बजट का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार गरीबों के हितों के कार्य कर रही है।

बुधवार को विधान परिषद में भोजनावकाश के बाद अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष ने 37 मिनट के संबोधन में कहा कि ऊर्जा विभाग मूल बजट में से 29 प्रतिशत राशि ही खर्च कर सका है। इसी प्रकार कृषि विभाग 43.78 प्रतिशत, मत्स्य विभाग 19.16 प्रतिशत व खेल विभाग 28.40 प्रतिशत राशि ही खर्च कर सका है। पीटी शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग मूल बजट का 43 प्रतिशत हिस्सा ही खर्च कर सका है।

गांवों की सड़कों का बुरा हाल

108 एंबुलेंस खड़े-खड़े कबाड़ हो रही हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य पर मूल बजट में से 33.08 प्रतिशत हिस्सा ही खर्च किया जा सका है। परिवहन विभाग मूल बजट का केवल 34.75 प्रतिशत, पर्यटन विभाग 32.39 प्रतिशत, लोक निर्माण विभाग 23 प्रतिशत राशि ही मूल बजट से खर्च कर सका है। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कें तो सही हैं, लेकिन गांवों की सड़कों का बुरा हाल है।

टूटी सड़कों की वजह से लोगों की साइकिल भी टूट रही है। उनके इस कथन पर सत्ता पक्ष ने तंज कसा कि समाजवादी पार्टी की साइकिल तो पहले से ही टूटी हुई है। उन्होंने कहा पर्यावरण पर काम करने की जरूरत है, लेकिन अनुपूरक बजट में इसके लिए एक रुपये भी नहीं रखा गया है। उन्होंने कानून व्यवस्था और जीएसटी को लेकर सरकार को घेरा।

राज बहादुर सिंह चंदेल ने कहा कि शिक्षा व स्वास्थ्य पर और राशि खर्च करने की जरूरत है। गांवों में विद्यालय नहीं है। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के 25 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त हैं। अस्पतालों में डाक्टरों व अन्य स्टाफ की भर्ती होनी चाहिए।

रालोद ने अनुपूरक बजट का किया स्वागत

राष्ट्रीय लोक दल के योगेश चौधरी ने अनुपूरक बजट का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन गया है। सुभासपा के विच्छे लाल राम ने भी अनुपूरक बजट का स्वागत किया। कहा कि एक यूनिट वाले राशन कार्ड धारकों को भी आयुष्मान कार्ड की सुविधा मिलनी चाहिए। अंग प्रत्यारोपण के मामलों में गरीबों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने तथा तहसील स्तर पर राजस्व थानों की स्थापना करने का सुझाव भी उन्होंने दिया।

वाराणसी में चार दशक से बंद पड़े एक मंदिर को खुलवाने की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी ।वाराणसी में चार दशकों से बंद पड़े एक मंदिर को लोगो द्वारा फिर से खुलवाने की मांग करने के बाद, जिला प्रशासन ने मंदिर के स्वामित्व के दस्तावेजों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की एक टीम मंगलवार को मंदिर पहुंची।

अपर जिलाधिकारी (शहर) आलोक वर्मा ने कहा, ह्यहमें इस मंदिर के बारे में समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला। अगले तीन-चार दिनों में हम इसकी जांच करेंगे। हमारे कानूनी सलाहकारों की टीम मंदिर के स्वामित्व की जांच कर रही है। अगर इसे सार्वजनिक संपत्ति घोषित किया जाता है तो मंदिर सभी के लिए खोल दिया जाएगा। पुलिस उपायुक्त काशी जोन

गौरव बंसवाल ने कहा कि इस मंदिर के बारे में सभी जानते हैं और यह कई सालों से बंद है। उन्होंने कहा,ह्लस्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर करीब 40 वर्षों से बंद है। यह पता नहीं चल पाया है कि मंदिर के ताले की चाबी किसके पास है। अब कुछ संगठनों ने मंदिर का ताला खोलकर वहां पूजा शुरू करने की मांग की है। राजस्व और प्रशासन की टीमें वहां जांच कर रही हैं।

उन्होंने कहा, पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को मंदिर खोले जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से वहां पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं और लगातार गश्त की जा रही है। सोमवार को मदनपुरा इलाके में करीब चार दशक से बंद पड़े मंदिर को खोलने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। इस समूह का नेतृत्व सनातन रक्षा दल के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि मंदिर को खोलने का प्रयास किसी विवाद या संघर्ष के कारण नहीं है। शर्मा ने कहा, ह्यमंदिर, जो अब मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय के लोगों के निवास वाले क्षेत्र में स्थित है, वर्षों से उपेक्षित रहा है। परिसर गंदगी और मलबे से भरा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आसपास की जमीन, जो कभी हिंदुओं के स्वामित्व में थी, मुस्लिम परिवारों ने खरीद ली, जिसके कारण समय के साथ मंदिर खाली हो गया।

उन्होंने कहा, मंदिर को फिर से खोलने को लेकर कोई विरोध या विवाद नहीं है। पुलिस ने अपना सहयोग बढ़ाया है और महापौर से भी चर्चा हुई है। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय अधिकारियों की देखरेख में मंदिर की सफाई जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा में निर्माणाधीन सोसायटी में काम कर रहा श्रमिक आठवीं मंजिल से नीचे गिरा, मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र में निर्माणाधीन सोसाइटी में काम कर रहा एक श्रमिक आठवीं मंजिल से नीचे गिर गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं थाना कासना क्षेत्र के सिरसा गांव में रहने वाला एक व्यक्ति सीढ़ियों से नीचे गिर गया। इस घटना में उसे गंभीर चोट आई। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि अखिलेश पुत्र रामकृष्ण उम्र 24 वर्ष थाना बिसरख क्षेत्र में निर्माणाधीन एक सोसायटी में काम कर रहा था। काम करते समय वह आठवीं मंजिल से नीचे गिर गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सरकार ने पेश किया 17865 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट, पढ़िए किसे मिला कितना पैसा

प्रात: किरण, संवाददाता

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17865.72 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। ऊर्जा विभाग को 8587.27 करोड़ रुपये आयुष्मान योजना के लिए 1500 करोड़ और अच्छी सड़कों के लिए 805 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी छुट्टा गोवंश रखरखाव और महाकुंभ आयोजन को भी धनराशि दी गई। 17 ऊगृ 2024 06:48 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व अन्य। जागरण दूसरे अनुपूरक बजट में हैं 790.49 करोड़ रुपये की नई योजनाएं, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार परिवार कल्याण को 1592 करोड़, पशुधन के लिए 1001 करोड़ व पीडब्ल्यूडी के लिए 805 करोड़ रुपये राज्य ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश के विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए मंगलवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। यह बजट कुल 17,865.72 करोड़ रुपये का है। इसमें 790.49 करोड़

रुपये के नए प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। अनुपूरक बजट मूल बजट (7,36,437.71 करोड़ रुपये) का 2.42 प्रतिशत है। इससे पहले जुलाई को भी सरकार 12,209.93 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट ला चुकी है। दोनों अनुपूरक बजट मिलाकर वित्तीय वर्ष 2024-25 का अब कुल बजट 7,66,513.36 करोड़ रुपये हो गया है। विधानसभा में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना व विधान परिषद में नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अनुपूरक बजट पेश किया। सुरेश खन्ना ने बजट पेश करते हुए कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट 17,865.72 करोड़ रुपये का है। यह विडियो भी देखें इसमें केंद्रीय योजनाओं में 422.56 करोड़ रुपये के केंद्रांश की राशि भी अनुमानित है। इसमें ऊर्जा विभाग को सबसे अधिक 8,587.27 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। इससे प्रदेश की बिजली व्यवस्था और बेहतर की जाएगी। बजट के अभाव में जो कार्य रुके हुए थे उन्हें भी अनुपूरक बजट से रफ्तार मिलेगी। अच्छी सड़कों के लिए कितना बजट? अनुपूरक बजट में वित्त विभाग को 2438.63 करोड़ रुपये, परिवार कल्याण विभाग को 1592.28 करोड़, पशुधन विभाग के लिए 1001 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सरकार ने अच्छी सड़कों के लिए लोक निर्माण विभाग के लिए 805 करोड़ और दिए हैं। प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिए 515 करोड़, सूचना विभाग के लिए 505 करोड़, पंचायती राज विभाग के लिए 454.01 करोड़ और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए 354.54 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के लिए 454 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। छुट्टा गोवंश के रखरखाव के लिए भी सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए हैं। सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए अनुदान योजना सरकार फिर शुरू करने जा रही है। इसके लिए 20 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़कों की मरम्मत के लिए भी 20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद में तेज रफ्तार ऑटो पलटा, बच्चे की मौत

फरीदाबाद, । फरीदाबाद के धौज थाना क्षेत्र में बुधवार को ऑटो पलटने से एक पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। इस हादसे में उसकी नानी गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव धौज के रहने वाले जाहिद ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका बेटा सुहैल अपनी नानी समरुद्दीन के साथ ऑटो में धौज से खोरी जमालपुर जा रहे थे। रास्ते में एक मोड पर ऑटो चालक ने तेज रफ्तार में ही ऑटो मोड़ दिया। संतुलन बिगड़ की वजह से ऑटो पलट गया। बताया गया कि हादसे के बाद उनके बेटे सुहैल और उसकी नानी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सुहैल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया वाहन चोर, कई वाहन बरामद

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में पुलिस ने गाड़ी चोरी करने वाला आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से स्कूटी और स्विफ्ट कार मिली है। फरवरी में थाना एनआईटी फरीदाबाद में रूशील निवासी हाल किरायदार एनआईटी नंबर पांच ने शिकायत में बताया कि 7 फरवरी को रात के समय उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह उठकर देखा तो स्कूटी वहां नहीं मिली। जिस पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा 65 की टीम ने आरोपी अनिल वासी मकान न. 640 जीवन नगर गोंछी फरीदाबाद को पुलिस प्रोडक्शन पर लेकर पूछताछ के दौरान स्कूटी बरामद की। आरोपी अन्य वाहन चोरी के मामले में जेल में बंद था। आरोपी पर पहले भी में 17 मामले फरीदाबाद और 8 गुरुग्राम में चोरी और अवैध हथियार के दर्ज है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

पलवल में चोरों ने दुकान से लाखों का सामान चुराया

पलवल, । पलवल जिले में बीती रात चोरों ने कपड़े की दुकान में शटर का ताला तोड़कर चार लाख के कपड़े व अन्य सामान चोरी कर लिया। सूचना मिलने पर टउावड थाना पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। टउावड़ थाना प्रभारी हरी किशन ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि ढकलपुर गांव निवासी मुशर्रफ ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसने टउावड़ चौक के नजदीक कपडों की दुकान खोली हुई है। सोमवार की रात वह अपनी दुकान बंद करने के बाद घर चला गया। मंगलवार की सुबह उसे सूचना मिली कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह दुकान पर पहुंचा, तो उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ था और दुकान का सामान फैला पड़ा था। जिसकी सूचना उसने तुरंत 112 पर पुलिस को दी, पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान का मौका मुआयना किया। जिसके बाद उससे टउावड़ थाना में लिखित शिकायत देने की बात कहकर पुलिस लौट गई। उसने दुकान में सामान की जांच की, तो दुकान से चोर करीब 4 लाख रुपए कीमत के कपड़ों को चोरी कर ले गए और दुकान में लगे डबल बैटरी के इन्वर्टर सहित अन्य सामान को भी चोरी कर ले गए। सामान की लिस्ट के साथ उसने लिखित शिकायत टउावड़ थाना पुलिस को दे दी। पुलिस ने दुकान मालिक ढकलपुर गांव निवासी मुशर्रफ की शिकायत पर चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों का सुराग लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पलवल में तीन बच्चों की मां की मौत, भाई का आरोप ससुरालियों ने की हत्या

पलवल, । पलवल में तीन बच्चों की मां की संदिग्ध हालत में मौत होने का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पति की मौत के बाद देवर से शादी हुई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मृतक महिला की पहचान पूजा निवासी चांदहट गांव के नाम से हुई है। जिला नागरिक अस्पताल में मृतका के भाई बॉस मोहल्ला पलवल निवासी सन्नी ने बताया कि उसकी बहन पूजा चांदहट गांव में शादीशुदा थी। पूजा के पति की सड़क दुर्घटना में मौत होने के बाद करीब चार वर्ष दोनों पक्षों की रजामंदी से पूजा की शादी उसके देवर धर्मेंद्र के साथ कर दी थी। सन्नी ने बताया कि मंगलवार को उसकी बहन पूजा की उसके घर फोन से बात हुई थी और वह ठीक-ठाक दी। लेकिन अगले ही दिन उसकी बहन की मौत हो गई। उन्होंने शक है कि उसकी बहन की हत्या की गई है। जिसके लिए उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को फोन कर पुलिस बुला लिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले आई।

सीएम योगी के नेतृत्व में सौर ऊर्जा से जगमग हो रहा उत्तर प्रदेश, तेजी से लगाए जा रहे सोलर रूफटॉप पैनल

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पीएम सूर्य घर योजना को यूपी में नए आयाम मिल रहे हैं। केंद्र की योजनाओं को प्रदेश के विकास से जोड़ते हुए योगी सरकार ने यूपी को सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शीर्ष राज्यों में ला खड़ा किया है। बिजली बचत, आय वृद्धि और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को पूरा करने वाली इस योजना से प्रदेश के लाखों घर लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, सोलर रूफ टॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद देशभर में तीसरे स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 53 हजार से अधिक सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 25 लाख सोलर रूफ टॉप पैनल लगाने का है। योजना को जनता तक पहुंचाने में मिली सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 18 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं, जिनमें से 32 हजार से अधिक घरों में पैनल का इंस्टालेशन भी पूरा कर लिया गया है। ह्यपीएम सूर्य घर योजनाह्ल के तहत सरकार सोलर रूफटॉप लगाने के लिए आकर्षक सब्सिडी प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट क्षमता के पैनल के लिए केंद्र सरकार 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार 15 हजार रुपए की सहायता देती है, यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी। इसी तरह, 2 किलोवॉट के पैनल के लिए केंद्र सरकार द्वारा 60 हजार और योगी सरकार द्वारा 30 हजार, कुल 90 हजार रुपए की सहायता लाभार्थियों को दी जा रही है। वहीं, 3 किलोवॉट या उससे ऊपर के पैनल के लिए केंद्र की ओर से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए की सब्सिडी मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की सहायता दी जा रही है। इस योजना का सीधा फायदा उन घरों को मिल रहा है जो बिजली बिल के बोझ से राहत पाना चाहते हैं। सोलर पैनल लगवाने से न केवल बिजली के बिलों में भारी कमी आ रही है, बल्कि लोग अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग करके आय में वृद्धि भी कर रहे हैं। खास बात यह है कि सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण को भी स्वच्छ और हरित बनाया जा रहा है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में 25 लाख सोलर रूफटॉप पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रदेश के सातों डिस्कॉम और हर जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरईसी, डिस्कॉम्स और वेंडर्स के साथ समन्वय स्थापित कर इस योजना में आने वाली हर चुनौती का समाधान किया जा रहा है। यह योजना न केवल बिजली के संकट को दूर करने में सहायक है, बल्कि इससे प्रदेश को आत्मनिर्भर और हरित ऊर्जा से संपन्न राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। ह्यपीएम सूर्य घर योजनाह्ल के तहत न केवल बिजली बचत की दिशा में सफलता मिल रही है, बल्कि यह योजना रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही है। सोलर पैनल इंस्टालेशन से तकनीकी विशेषज्ञों, श्रमिकों और अन्य संबंधित क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए रोजगार के द्वार खुले हैं। इसके अलावा, सौर ऊर्जा के उपयोग से प्रदेश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिल रही है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह योजना एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जनता को राहत, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के इस अद्भुत संगम से यूपी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

जियाउर्रहमान बर्क ने अपनी गिरफ्तारी पर रोक के लिए पहुंचे इलाहाबाद हाईकोर्ट, दायर की याचिका

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बुधवार को संभल हिंसा मामले में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अपनी याचिका में उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। बर्क ने दलील दी कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो यह अपूरणीय क्षति साबित होगी। संभल हिंसा में जिलाउर्रहमान बर्क आरोपी हैं। अब शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई होगी। बता दें कि संभल हिंसा को लेकर सात एफआईआर दर्ज की गई हैं। सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। दोनों पर संभल हिंसा भड़काने का आरोप है। एसपी कृष्णा बिश्नोई ने बताया था कि संभल हिंसा मामले में अब तक 27,00 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। संभल के समाजवादी पार्टी से सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज है। बर्क ने 29 नवंबर को एक मीडिया संस्थान से बातचीत में कहा था, हम सर्वोच्च न्यायालय इसलिए गए थे, क्योंकि हमें उम्मीद थी कि इंसाफ जरूर मिलेगा। कोर्ट ने अच्छा आदेश दिया है। निचली अदालतों में सुनवाई पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, सर्वे की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने को कहा गया है। प्रशासन को हिदायत दी गई है कि वह पूरे मामले में तटस्थ रहे।ह्व सपा सांसद ने कहा था, अब हम इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका डालेंगे, जिसमें यह मांग करेंगे कि सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज के नेतृत्व में आयोग गठित कर इस मामले की जांच की जाए, क्योंकि प्रशासन द्वारा गठित आयोग से हम लोग संतुष्ट नहीं हैं। 24 नवंबर को संभल स्थित शाही जामा मस्जिद में सर्वे करने पहुंची टीम और पुलिसकर्मियों पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया था। इसके बाद स्थिति हिंसात्मक हो गई थी। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई थी।

कांग्रेस के विधानसभा घेराव ऐलान के बाद पुलिस ने चौकसी बढ़ाई, अजय राय ने कहा- हम पीछे नहीं हटेंगे

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश कांग्रेस शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस ने विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। प्रदर्शन की घोषणा को देखते हुए कांग्रेस नेताओं के घरों पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। साथ ही पहले से नोटिस भेजकर नेताओं को अलर्ट किया है लखनऊ में विधानसभा घेराव के लिए कांग्रेसी नेहरू भवन पहुंच गए हैं। एकजुट कांग्रेसी विधानसभ का घेराव करेंगे। उधर, पुलिस ने विधानसभा के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा घेराव को लेकर कमर कस ली है। उनका कहना है कि सरकार की जनविरोधी नीतियों और महंगाई जैसे मुद्दों पर आवाज उठाना उनका अधिकार है। वहीं, प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रदर्शन के ऐलान के चलते सुरक्षा के इंतजामों को कड़ा किया गया है। सड़कों पर बैरिकेडिंग के लिए बल्लियां लगाई गई हैं। प्रमुख सुरक्षा इंतजाम में कांग्रेस दफ्तर के बाहर रात से ही भारी पुलिस बल तैनात है। कांग्रेस दफ्तर जाने वाले मार्गों पर नाकाबंदी कर दी गई है। जिला प्रशासन प्रदर्शन को लेकर खास सतर्कता बरत रहा है। उधर पुलिस की ओर से भेजे नोटिस में कहा गया है कि विधानसभा का तृतीय सत्र चल रहा है। इसमें घेराव से कानून व्यवस्था व विशिष्ट लोगों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता प्रभावी है। ऐसे में कोई घेराव, धरना व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जाता है तो आपके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी को देखते हुए विधानसभा घेराव का कार्यक्रम तय किया गया है। विभिन्न जिलों से हजारों कार्यकर्ता लखनऊ पहुंच चुके हैं। वे पुलिस प्रशासन के इस दमनकारी रवैये से पीछे नहीं हटेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस के 18 दिसंबर के विधानसभा घेराव से डरी डबल इंजन सरकार ने अपना अहंकारी तानाशाह चेहरा दिखाते हुए नोटिस भेजा है। क्या लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना गुनाह है?

गरीबों के लिए सरकार बनाए योजना, ये महाकुंभ का होगा बड़ा उपहार : मायावती

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने विधानसभा सत्र में सरकार से गरीबी से राहत की योजनाएं चलाने की अपील की है। साथ ही कहा कि अगर ऐसा होता है तो ये प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ का बड़ा उपहार होगा। बसपा मुखिया मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से लिखा कि यूपी में भी गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि से त्रस्त लोगों के हितों में यहां चल रहे विधानसभा सत्र में सरकार को कुछ ऐसी योजनाओं को भी शुरू करना चाहिए जिससे इनको थोड़ी राहत मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा किए जाने पर फिर सरकार का यहां प्रयागराज के महाकुंभ का इनके लिए बहुत बड़ा उपहार होगा। इससे फिर इनको कुछ हद तक राहत जरूर मिलेगी। इनकी ओर से पार्टी की यह खास अपील। ज्ञात हो कि प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। इस बार महाकुंभ की शुरूआत 13 जनवरी से हो रही है। वहीं, इसका समापन 26 फरवरी को होगा। प्रयागराज में शुरू होने जा रहा महाकुंभ का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। यह संगम विश्वभर में प्रसिद्ध है। हर 12 वर्ष पर विशेष रूप से चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में आयोजित होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस आयोजन में पवित्र नदियों में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

यूपी विधानसभा घेराव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव की चुटकी, कहा- कांग्रेस और सपा बंटे नजर आ रहे हैं

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । यूपी कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा में फूट हो चुकी है। संभल मामले में भी दो धाराओं में सपा और कांग्रेस बंटे नजर आ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को विधानसभा सत्र में भाग लेने से पहले पत्रकारों से कहा कि सपा कह रही है कि लोकसभा चुनाव में जीत उनके कारण मिली है। वहीं कांग्रेस का कहना वह उनके कारण जीते हैं। दोनों अपने अपने महत्व को दर्शाना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस मुक्त उत्तर प्रदेश और समाजवादी पार्टी का समाप्तवादी होना तय हैं। इसलिए 2027 में 2017 की तरह ही भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। यह प्रदर्शन खोखला है। न इनके पास कोई नेता है न ही नीति है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और मांग की है संभल घटना के दौरान जो उनके ऊपर एफआईआर है, उसे हटाया जाए क्योंकि वह घटना के दौरान मौजूद नहीं थे इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है। इस पर कोई टिप्पणी नहीं है। लेकिन तथ्य इस प्रकार मिले हैं कि सपा सांसद और विधायक और सपा के दंगाई कार्यकर्ता संभल मामले में दोषी हैं तो जांच के अनुसार उन पर कठोर कार्रवाई होगी। उधर, कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार है। प्रदर्शन में सपा के साथ होने की बात पर उन्होंने कहा इस बारे में हमसे मत पूछें। ज्ञात हो कि कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव के ऐलान के बाद कांग्रेसी नेताओं का लखनऊ पहुंचना शुरू हो गया है। इस दौरान उन्हें रोकने के लिए जिलों में कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है और जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी गई है। वहीं, लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) के जवानों की तैनाती कर दी गई है।

कोल्ड वेव, फाग और प्रदूषण की तिहरी मार झेल रहा है एनसीआर

नोएडा, । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक तरफ जहां ठंड बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण से हवा जहरीली होती जा रही है। ग्रेप 4 के नियम लागू कर दिए गए हैं और बुधवार सुबह से एनसीआर के लोगों का सामना घने कोहरे से भी हुआ। पहले बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सोमवार शाम को ग्रेप 3 लागू किया गया था लेकिन रात तक ग्रेप 4 लागू करने का निर्णय ले लिया गया। मौसम विभाग की मानें तो अब न्यूनतम तापमान के साथ-साथ अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। बढ़ती ठंड को देखते हुए नोएडा में जिलाधिकारी के आदेश के बाद स्कूलों का समय 9 बजे का कर दिया गया है। बुधवार सुबह घने कोहरे की चादर ने पूरे एनसीआर को ढक रखा था और वाहन चालकों की रफ्तार पर लगाम लग गई थी। विजिबिलिटी काफी कम होने की वजह से वाहन चालकों को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले तीन से चार दिनों तक घना कोहरा एनसीआर में छाने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक कोल्ड वेव की वजह से न्यूनतम तापमान के साथ-साथ अब अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ ग्रेप 4 की पाबंदियां लागू होने के बाद खुले में कचरा जलाने पर रोक रहेगी। बीएस 6 डीजल, इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों को छोड़कर एनसीआर के रास्ते दूसरे राज्यों से दिल्ली में आने वाली डीजल बसों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक रहेगी।

हत्या के मामले में वांछित एक लाख के इनामी बदमाश को नोएडा एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा, । नोएडा एसटीएफ की टीम ने हत्या की घटना में थाना हस्तिनापुर, जनपद मेरठ से वांछित 1 लाख का पुरस्कार घोषित शातिर अपराधी मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ टीम ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी को गिरफ्तार करने के बाद उसके पास से 1 पिस्टल 30 बोर, 7 जिंदा कारतूस 30 बोर बरामद हुए हैं। एसटीएफ ने बताया है कि 17 दिसंबर को सूचना मिली थी कि मनप्रीत उर्फ सन्नी अपने गांव के सरपंच की हत्या करने के लिए अपने साथी से मिलने हस्तिनापुर, मेरठ क्षेत्र में आने वाला है। इसके बाद एसटीएफ टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी (31) ने पूछताछ में बताया है कि वह कक्षा आठ पास है। साल 2012-13 में वह अपने गांव के लड़कों के साथ काम करने के लिए दिल्ली गया था। जहां पर वह मोटर साइकिल चोरी एवं मोबाइल छीनने का काम करने लगा। इसके बाद वह जनवरी-2014 में अपने साथी कुलजीत सिंह के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया था और जेल गया था। लगभग 4 महीने बाद जेल में रहने के साथ जमानत पर बाहर आया। जेल से छूटने के बाद दिल्ली में रहकर वाहन चोरी की घटनाएं करता रहा और दिल्ली पुलिस ने उसे 2016 में चोरी के अपराध में जेल भेजा दिया। इसके बाद फिर उसे 2017-18 में वाहन चोरी के अपराध में जेल भेजा गया। मनप्रीत ने सीएफ टीम को बताया कि ग्राम की प्रधानी के चुनाव में दिलदार सिंह प्रत्याशी थे, जिनका मनप्रीत समर्थन कर प्रचार कर रहा था। दिलदार सिंह चुनाव जीतकर प्रधान बन गए थे। किन्तु बाद में गांव में कुछ कामों को लेकर दिलदार सिंह और मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी के बीच आपस में रंजिश हो गई थी। जिसके चलते दिलदार सिंह के करीबी रिश्तेदार तीरथ सिंह की हत्या मनप्रीत सिंह ने अपने साथी कुलदीप सिंह के साथ मिलकर कर दी थी। इसके बाद मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी ने दिलदार सिंह को भी मारने की योजना बना रखी थी और सज्जन नामक व्यक्ति ने मनप्रीत को हथियार खरीदने के लिए पैसे दिये थे। जिनसे उसने इंदौर मध्य प्रदेश से पिस्टल खरीदी थी। इसी हत्या की घटना के संबंध में थाना हस्तिनापुर, जनपद मेरठ में दर्ज मुकदमे में मनप्रीत सिंह उर्फ सन्नी वांछित चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन ने 1 लाख का पुरस्कार घोषित किया था।

प्ले स्कूल के मालिक ने लगाया टीचरों के वॉशरूम में हिडन कैमरा, गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा, । नोएडा पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी एक प्ले स्कूल का मालिक है और उसने अपने प्ले स्कूल में टीचरों के बाथरूम में एक हिडन कैमरा लगा रखा था। जिसकी शिकायत होने के बाद पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। तब से यह फरार चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने इसे अब गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना फेस 3 पर आईटी एक्ट में दर्ज एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी नवनिश सहाय, निवासी कंचनजंगा टावर कौशांबी गाजियाबाद का रहने वाला है। जिसको नोएडा के सेक्टर 70 से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि उसने एक किराये की बिल्डिंग में एक प्ले स्कूल खोल रखा है। यह स्कूल इसने माह अप्रैल 2024 से प्रारंभ किया था। उसने एक कैमरा ऑनलाइन मंगवाया था। यह एक हिडन कैमरा था। जिसमें किसी प्रकार की रिकॉर्डिंग नही होती थी लेकिन ये उसकी लाइव फीड देख सकता था। उस कैमरे को इसने बल्ब के होल्डर में लगवाकर दीवार पर लगा दिया था। इसलिए उसकी जानकारी गार्ड व अन्य किसी को नहीं थी। यह कैमरा टीचर्स के इस्तेमाल होने वाले वॉशरूम में लगा था। दरअसल एक टीचर को इस मामले में शक हुआ और उन्होंने इसकी जांच पड़ताल की। उसके बाद उसने पुलिस को एक शिकायत दर्ज कराई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच शुरू की तो उन्हें बाथरूम से वह हिडन कैमरा मिल गया। पुलिस के आने के बाद से ही यह आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने इस आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया था। उन्होंने इसे इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की सहायता से गिरफ्तार किया है।

भगवान कृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव धूम धाम से मनाया गया

प्रात: किरण, संवाददाता

खोड़ा, हिमालय इंक्लेव स्थिति प्राचीन शिव शक्ति दुर्गा मन्दिर सेवा समिति ट्रस्ट के प्रांगण में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन, कथा वाचक आचार्य विष्णु शरण भरद्वाज जी ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनाया। इसी दिन भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव भी बड़े धूम धाम से मनाया गया। भगवान कृष्ण का जन्म भांदो मास की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में कंस की जेल में हुआ था। भगवान कृष्ण के जन्म के पहले वामन भगवान और भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन, चरित्र का वर्णन एवं आदर्श स्थापित करने का वर्णन मार्मिक ढंग से बताया। भगवान कृष्ण का जन्म होते ही पंडाल में मौजूद सभी श्रद्धालु हर्षित होकर ह्यनन्द घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल कीह्ल, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, एवं ह्यखोडा में जन्मे कन्हैया घर घर बाजे बधाईयाँ, आदि सोहर एवं भजनों पर झूम उठे। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी श्री संतोष मिश्रा जी ने बताया कि इस मौके पर मन्दिर समिति के अध्यक्ष श्री विनोद तिवारी, विनोद कुमार नागर, तेजपाल गुप्ता, डी. पी. उपाध्याय, सूरज सिंह कुशवाह, परमात्मा यादव, पं. शेष नारायण मिश्र (मन्दिर पुजारी), हृदयराम मिश्रा, कृष्ण स्वरूप वर्मा, संतोष वर्मा, लोकेंद्र सिंह, संतोष मिश्रा, मनमोहन तिवारी, संदीप मिश्रा, संजय कुमार, सत्य नारायण गुप्ता, राम अनुज मिश्र, नारायण सिंह कुशवाह, दिलीप सिंह कुशवाह, जंगबीर सिंह, विजय चौधरी, मनोज चौहान, डॉ. चंदन कुमार, विमल कान्त मिश्रा, पिंटू पांडेय, शंकर लाल पटेल, शिवराम सिंह, समरपाल सिंह, डब्बु कुमार, दीपान्शु, अनुराग, हिमांशु सहित हजारों लोग मौजूद थे।

पत्नी शोभिता से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को क्यों कहते हैं नागा? बताई वजह

अभिनेता नागा चैतन्य ने हाल ही में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला के साथ विवाह किया है। 04 दिसंबर को पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ इन्होंने शादी की। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। नागा हाल ही में अपनी शादीशुदा जिंदगी पर बात करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी शोभिता को खुद से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को कहा है। इसकी वजह भी बताई है।

तेलुगु भाषा से है लगाव

नागा चैतन्य ने अपनी पत्नी शोभिता से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को क्यों कहते हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से ही तेलुगु भाषा से लगाव रहा है, इसलिए वे ऐसा कहते हैं। नागा चैतन्य ने बताया कि भले ही वे कई अलग-अलग बोलियां बोलने वाले लोगों से मिले हों, लेकिन तेलुगु बोली ने उन्हें हमेशा अपनी ओर खींचा है।

शोभिता से करते हैं गुजारिश

नागा ने बताया कि वे अपनी पत्नी से अक्सर एक अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में हम अलग-अलग भाषाओं के लोगों से मिलते हैं। इस दौरान एक भाषा (तेलुगु) सुनना और किसी से बात करते समय वही गर्मजोशी महसूस करना, मुझे लगता है कि इसी लगाव ने मुझे इस भाषा के करीब खींचा है। मैं शोभिता से कहता रहता हूं कि वे मुझसे तेलुगु में बात करती रहें, जिससे कि इस भाषा में मैं बेहतर होता रहूं।

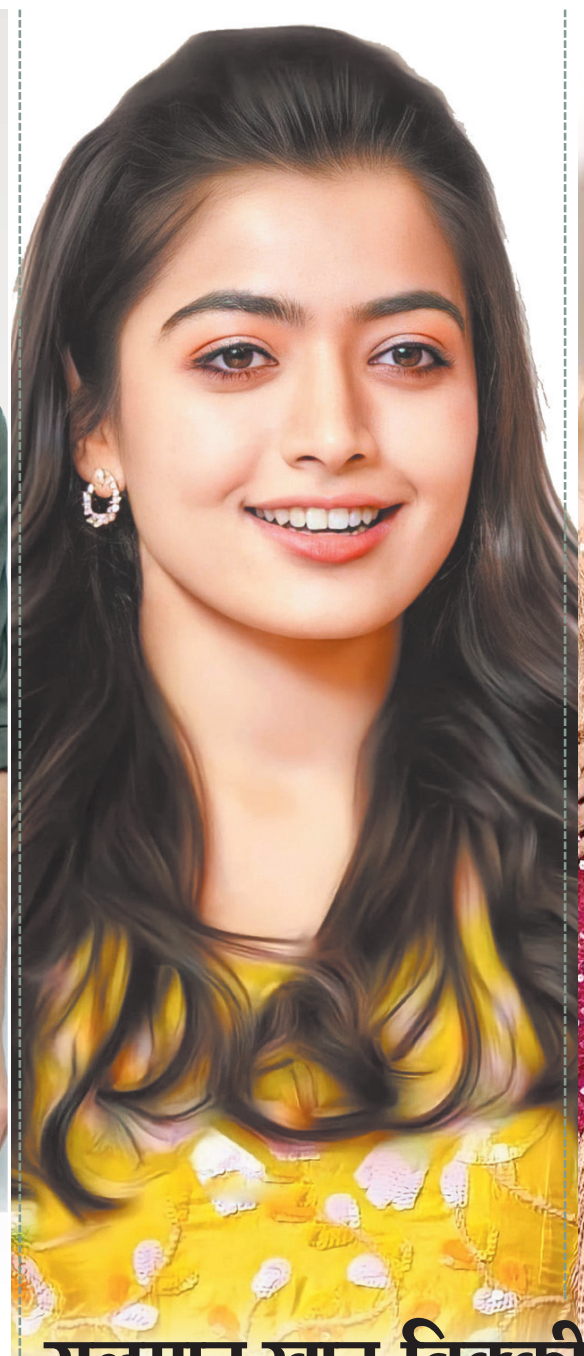

सलमान खान-विक्की में से किसके साथ रश्मिका की है स्पेशल बॉन्डिंग

छावा-सिकंदर में आएंगी नजर

रश्मिका मंदाना अपनी हालिया रिलीज पुष्पा 2 द रूल की सफलता का आनंद ले रही हैं। रश्मिका अब अपने आगामी बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं, जिसमें सलमान खान की सिकंदर और विक्की कौशल की छावा शामिल हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, उन्होंने दोनों अभिनेताओं के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बातचीत की।

रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म सिकंदर में अपने को-स्टार सलमान खान को लेकर खुलकर बातचीत की और कहा, सलमान सर और मैं जो भी बात करते हैं वह हमेशा हमारे बीच ही रहेगी। मुझे लगता है कि इन रिश्तों को बिना, दिखावा किए बिना, इन्हें बनाए रखना महत्वपूर्ण है। एनिमल फिल्म में रणबीर कपूर के साथ बेहतरीन अभिनय के बाद नेशनल क्रश अब पुष्पा 2 द रूल के बाद क्रशमिका बन चुकी हैं। रश्मिका ने सलमान खान और विक्की कौशल के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। रश्मिका ने कहा, (सलमान खान) और (विक्की कौशल) दोनों ही पूरी तरह से अलग हैं, लेकिन वे दोनों ही दयालु हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा है और वे वास्तव में अच्छे इंसान हैं, जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता हैं।

रश्मिका ने यह भी बताया कि वह अपने सभ को-स्टार से सीखी गई अनोखी बातों को महत्व देती हैं, जो लिए काफी लाभकारी भी होता है। उन्होंने बताया कि अपने सहकर्मियों के साथ बिताए गए पल और बातचीत को हमेशा छुपाकर रखना सही रहता है। सलमान खान का जिक्र करते हुए रश्मिका ने कहा कि वे दोनों जो भी आपस में बात करते हैं, वह हमेशा उन दोनों के बीच ही रहेगी। उन्होंने सलमान के साथ की हुई बातचीत को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह उनके लिए बहुत कीमती चीज है। रश्मिका ने सलमान खान और विक्की कौशल द्वारा उनके प्रति दिखाई गई दयालुता और गर्मजोशी खास रही है और वह उन रिश्तों के लिए आभारी हैं। सिकंदर, ईद 2025 पर रिलीज होगी। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका के अलावा प्रतीक बब्बर, सत्यराज, शरमन जोशी और बाकी कलाकार भूमिकाओं में हैं।

लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित छावा में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के अलावा अक्षय खन्ना भी इस ऐतिहासिक कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करते नजर आएंगे। शुरुआत में बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 द रूल के साथ टकराव की वजह से ही छावा की रिलीज डेट बदल दी गई है। अब फिल्म छावा 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी।

डकैत में श्रुति हासन को मृणाल ठाकुर ने किया रिप्लेस

आगामी एक्शन ड्रामा डकैत- ए लव स्टोरी से श्रुति हासन के बाहर होने की खबर पर जल्द ही मुहर लगने वाली है। वहीं, नए पोस्टर से साफ हो गया कि किस अभिनेत्री ने श्रुति को रिप्लेस किया है। मृणाल ठाकुर आगामी एक्शन ड्रामा डकैत- ए लव स्टोरी में श्रुति हासन की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह जानकारी हासन के प्रोजेक्ट से बाहर होने की अफवाहों के बाद आई है। फिल्म में आदिवि शेष भी मुख्य भूमिका में हैं। कास्टिंग परिवर्तन के संबंध में एक आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, शेष द्वारा साझा किए गए नए पोस्टर में मृणाल नजर आ रही हैं और यह फिल्म में उनके होने की पुष्टि करता है। आदिवि शेष ने हाल ही में एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की। इसने मृणाल ठाकुर के जरिए श्रुति हासन को रिप्लेस किए जाने की अटकलों को जन्म दे दिया है।

फिल्म से बाहर क्यों हुई श्रुति

पहले की रिपोर्टों से पता चला था कि श्रुति हासन ने निर्माताओं के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण यह फ़िल्म छोड़ दी थी। कुछ सूत्रों ने यह भी दावा किया कि फिल्म के निर्देशन पर शेष के नियंत्रण के कारण उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। हालांकि, इन रिपोर्ट्स के बारे में श्रुति हासन या फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 में इमरोज बने अर्जुन रामपाल

बंदिश बैंडिट्स का दूसरा सीजन जल्द ओटीटी पर वापस आने वाला है। इस म्यूजिकल ड्रामा को 13 दिसंबर को प्रीमियर के बाद दर्शकों और आलोचकों की समीक्षा मिल रही है। राधे और तमन्ना की इस म्यूजिकल कहानी को फैंस ने पसंद किया है। कहानी में कई सारे ट्विस्ट शामिल हैं। दूसरे सीजन में कुछ नए कलाकारों को भी शामिल किया गया है। इसमें अर्जुन रामपाल का नाम शामिल है।एक आकर्षक लेखक के रूप में रामपाल का कैमियो दर्शकों के दिलों पर कब्जा करना जारी रखता है। इस ड्रामा के दूसरे सीजन में अर्जुन रामपाल के किरदार को लेकर निर्देशक आनंद तिवारी ने चरित्र के बारे में जानकारी साझा की है।

अर्जुन रामपाल के लिए बोले निर्देशक

निर्देशक आनंद तिवारी ने कहा, हम अक्सर लेखकों को कुर्ता-पजामा पहने, नंगे पांव, बैग लेकर चलते देखते हैं। हालांकि वे कोई भी हो सकते हैं। संगीत विद्यालय से भी आ सकते हैं। मैं चाहता था कि इमरोज देहलवी का किरदार दर्शकों को आश्चर्यचकित करें। अर्जुन रामपाल को उस कवि के रूप में देखना निश्चित रूप से रूढ़िवादिता को तोड़ता है। अर्जुन को लेकर उन्होंने कहा, उनकी गहराई, सुरक्षा और गंभीरता ऐसे गुण हैं जिन्हें मैंने उन्हें कई फिल्मों में निभाते हुए देखा है। नए सीजन में ऋत्विक भौमिक, श्रेया चौधरी, शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर जैसे शानदार कलाकारों की टुकड़ी है, साथ ही दिव्या दत्ता, रोहन गुरबक्सनी, यशस्विनी दायमा, आलिया कुरैशी और सौरभ नैयर जैसे नए कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 अब भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से स्ट्रीमिंग कर रहा है।

मॉर्शल आर्टिस्ट से अभिनेत्री बनी रितिका सिंह

अभिनेत्री रितिका सिंह दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों में अभिनय करती हैं। छोटे से करियर में ही उन्होंने बतौर अभिनेत्री अपने लिए एक खास जगह सिनेमा जगत में बना ली है। रितिका सिंह अब तक कई दिग्गज कलाकारों के साथ बड़े पर्दे पर नजर आ चुकी हैं। रितिका सिंह को बनना तो किक बॉक्सर या मिक्स मॉर्शल आर्टिस्ट था लेकिन उनकी किस्मत में सिनेमा जगत का हिस्सा बनना लिखा था।

बचपन से ही किक बॉक्सिंग, मॉर्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेने वाली रितिका ने सुपर फाइट लीग जैसे कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। इस कॉम्पिटिशन के एक एड पोस्टर में उन्हें निर्देशक सुधा कोंगरा ने देखा। वह उस दौरान एक फिल्म बनाने जा रही थीं। रितिका को एड पोस्टर पर देखकर उन्हें लगा कि उनकी फिल्म के लिए यही लड़की सही है। रितिका से संपर्क किया गया, उन्होंने ऑडिशन दिया और फिल्म के लिए सेलेक्ट हो गई। पहली ही फिल्म में रितिका ने अपने अभिनय से सबको हैरान कर दिया।

स्पोर्ट्स फिल्म से ही शुरुआत

रितिका का सेलेक्शन तमिल फिल्म 'इरुधि सुत्रु (2016)' के लिए हुआ था। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म थी। फिल्म की कहानी बॉक्सिंग पर ही आधारित थी। इस फिल्म के लिए रितिका का सेलेक्शन इसलिए ही हुआ, क्योंकि वह एक प्रोफेशनल किक बॉक्सर रही हैं। फिल्म में रितिका ने एक बॉक्सर का रोल किया और उनके कोच की भूमिका में आर. माधवन नजर आए थे। इस फिल्म को हिंदी में 'साला खडूस' नाम से रिलीज किया गया था।

पहली ही फिल्म के लिए मिला नेशनल अवॉर्ड

फिल्म 'इरुधि सुत्रु' के लिए रितिका को कई अवॉर्ड मिले। साथ ही नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी रितिका के हिस्से आया। स्पेशल मेंशन कैटेगिरी (63वें राष्ट्रीय पुरस्कार) में रितिका सिंह को अवॉर्ड मिला। फिल्म 'इरुधि सुत्रु' को 2017 में तेलुगू भाषा में 'गुरु' नाम से भी बनाया, इसमें भी रितिका ने ही मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद रितिका कई और दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों में नजर आई, जिसमें 'शिवलिंगा', 'ओह माय कडवुले' और 'इन कार' शामिल हैं। वह कुछ बेहतरीन वेब सीरीज का भी हिस्सा बनीं।

रजनीकांत-अमिताभ के साथ किया काम

साल 2024 में रितिका सिंह एक दक्षिण भारतीय फिल्म 'वैट्टेयान' में भी नजर आईं। इस फिल्म में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई। रितिका को भी इन कलाकारों के साथ एक्टिंग करने का मौका मिला। फिल्म में रितिका सिंह के अभिनय को भी खूब सराहा गया।

फौजी के सेट पर चोटिल हुए प्रभास

प्रभास ने नाग अश्विन द्वारा निर्देशित अपनी आखिरी रिलीज कल्कि 2898 एडी के साथ शानदार प्रदर्शन किया। देश समेत दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस फिल्म का प्रीमियर अब जापान में होना है। पहले प्रभास इस इवेंट का हिस्सा बनने वाले थे लेकिन अब ऐसा मुमकिन नहीं है। अभिनेता के लेटेस्ट बयान से साफ हो रहा है कि वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए हैं, जिसके कारण वह जापान नहीं जा सके।

कल्कि के जापान प्रीमियर का हिस्सा नहीं होंगे प्रभास

सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में, प्रभास ने विदेशी दर्शकों द्वारा उन्हें और उनकी फिल्म को मिले अपार प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने टिप्पणी की कि वह लंबे समय से जापान का दौरा करने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, अभिनेता ने बताया कि वह जापान के कल्कि 2898 एडी के प्रीमियर शो का हिस्सा नहीं बन पाएंगे क्योंकि आगामी फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके टखने में चोट लग गई है।

जापान के लोगों से मांगी माफी

प्रभास ने लिखा, मुझ पर और मेरे काम पर हमेशा इतना प्यार बरसाने के लिए धन्यवाद। मैं काफी समय से जापान जाने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है कि फिल्मांकन के दौरान मेरे टखने में मोच आ गई और मैं इवेंट का हिस्सा नहीं बन पाऊंगा। हमारे वितरक, ट्विन, बेहद सहायक रहे हैं और हम कल्कि 2898 एडी को शुक्रवार, 3 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार करने में उनके सभी प्रयासों के लिए आभारी हैं। मुझे आशा है कि आपसे शीघ्र मुलाकात होगी। प्रभास। जापान में फिल्म 'कल्कि 2898 ई.'का प्रीमियर 18 दिसंबर को होना है।

फौजी के सेट पर लगी चोट

प्रभास वर्तमान में निर्देशक हनु राघवपुडी की फिल्म फौजी (अस्थायी शीर्षक) की शूटिंग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐतिहासिक युद्ध ड्रामा की शूटिंग के दौरान प्रभास को टखने में चोट लग गई। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है और रिपोर्ट्स में कहा गया है कि प्रभास ने फिलहाल के लिए शूटिंग रद्द कर दी है।

प्रभास का वर्कफ्रंट

फौजी साल 2025 के अंत में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा अभिनेता के पास कई प्रोजेक्ट कतार में हैं। इनमें उनकी 2023 की फिल्म सलार का सीक्वल सलार 2 भी शामिल है। अन्य परियोजनाओं में संदीप रेड्डी वांगा की अत्यधिक महत्वाकांक्षी परियोजना स्पिरिट है। प्रभास विष्णु मांचू की कन्नप्पा में भी एक विशेष भूमिका निभाएंगे।

रश्मिका मंदाना के साथ काम करना चाहते हैं कार्तिक आर्यन

रश्मिका मंदाना इन दिनों पुष्पा 2 द रूल की सफलता का जश्न मना रही हैं। रश्मिका अगली बार विक्की कौशल के साथ बॉलीवुड फिल्म छावा में भी नजर आएंगी। अब बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता ने रश्मिका के साथ काम करने की इच्छा जताई है। वह कोई और नहीं, बल्कि कार्तिक आर्यन हैं, कार्तिक अब रश्मिका के साथ भी फिल्म करना चाहते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में कार्तिक से पूछा गया था कि वह किस अभिनेत्री के साथ काम करना चाहते हैं। कार्तिक ने कहा कि पुष्पा 2 में रश्मिका का अभिनय देखने के बाद अब वह उनके साथ काम करना चाहते हैं। कार्तिक इन दिनों भूल भुलैया 3 की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं, फिल्म में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी भी थीं।

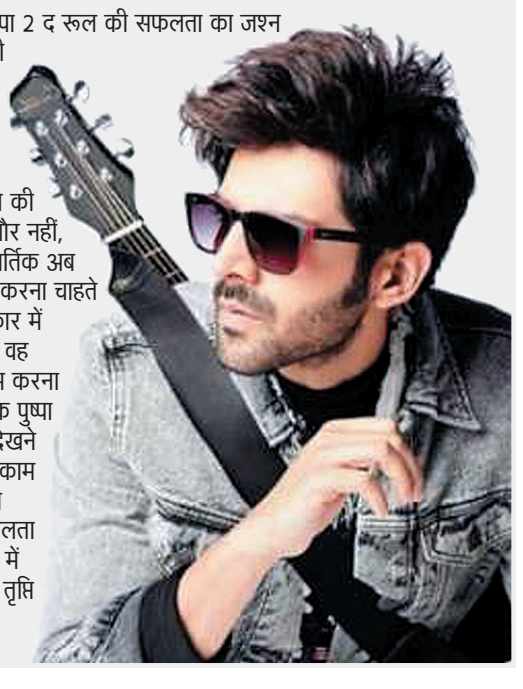

संक्षिप्त खबरें

भारत में इस साल रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

मुंबई। भारत में मजबूत ग्रोथ और राजनीतिक स्थिरता के कारण रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 2024 में बढ़कर रिकॉर्ड हाई 8.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस दौरान डील्स की संख्या 78 थी। यह 2007 के पिछले रिकॉर्ड निवेश 8.4 अरब डॉलर से 6 प्रतिशत ज्यादा है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।ग्लोबल कमर्शियल रियल एस्टेट और इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट फर्म जेएलएल ने कहा कि रियल एस्टेट संस्थागत निवेश में सालान आधार पर 51 प्रतिशत की बढ़त हुई है, 2023 में यह आंकड़ा 5.8 अरब डॉलर था। साथ ही डील की संख्या में 47 प्रतिशत की बढ़त हुई है। रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश में 63 प्रतिशत हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों और 37 प्रतिशत हिस्सेदारी घरेलू निवेशकों की थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इसके अतिरिक्त 2024 में प्लेटफॉर्म प्रतिबद्धताएं कुल 2.4 अरब डॉलर की रही है। इन फंड्स को आने वाले 3-5 वर्षों में निवेश किया जाएगा। रियल एस्टेट में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के सरकारी प्रयासों ने पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) एक महत्वपूर्ण फंडिंग स्रोत के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर में 2.7 अरब डॉलर का निवेश किया है। भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) में हाल ही में गतिविधि में काफी उछाल देखा गया है। 2024 में आरईआईटी में निवेश 800 मिलियन डॉलर के आसपास पहुंच गया था, जो कि 2023 के आंकड़े से तीन गुणा है। जेएलएल की भारत में वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और पूंजी बाजार की प्रमुख लता पिल्लई ने कहा, मजबूत विकास, राजनीतिक स्थिरता और विविध निवेश अवसरों ने भारत को वैश्विक आर्थिक संदर्भ में अनुकूल स्थिति में ला खड़ा किया है। रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश में उछाल देखा गया है। प्लेटफॉर्म प्रतिबद्धताओं के साथ, 2024 में निवेश का आंकड़ा 11 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष आवासीय क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश हुआ, जो कुल निवेश का 45 प्रतिशत था, उसके बाद कार्यालय क्षेत्र में 28 प्रतिशत निवेश हुआ है।

वित्तर वर्ष 2023-24 के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित आईटीआर करें दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में जानकारी देने के लिए एक विशेष अभियान चला रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है।आयकर विभाग ने बुधवार को ह्यएक्सतह्लपोस्टि पर जारी एक बयान में करदाताओं से कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आपके एआईएस और आईटीआर में दर्ज आय के बीच बेमेल के लिए कृपया अपने वार्षिक सूचना विवरण की समीक्षा करें। विभाग ने करदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि कृपया ध्यान दें। 31 दिसंबर, 2024 तक संशोधित या विलंबित आईटीआर दाखिल करें और इस अवसर को न चूकें! उल्लेकखनीय है कि आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए एक अभियान चला रहा है। विभाग आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर करदाताओं और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा है। यह एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेजा जा रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एआईएस और लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी फेडरल रिजर्व आज नीतिगत ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करने वाला है। इसके पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स लगातार नौवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले 9 कारोबारी दिनों के दौरान डाउ जॉन्स में अभी तक 1,600 अंक से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,053.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जबकि नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत टूट कर 20,108.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 43,505.80 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

बिहार में डेटा खपत में 15 गुना वृद्धि, बुनियादी ढांचे पर बड़े काम हुए : राज्य के मुख्य सचिव ने कहा

बिहार ने बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। राज्य का सड़क घनत्व देश में तीसरे स्थान पर आता है जो व्यापार तथा परिवहन को सुविधाजनक बनाता है। इसका बिजली उत्पादन 700 मेगावाट से बढ़कर 7,000 मेगावाट हो गया है। राज्य में आईटी पार्क बनाए गए हैं और डेटा सेंटर भी बनाए जा रहे हैं।

प्रात: किरण/ एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि राज्य में पिछले पांच वर्षों में डेटा खपत में 15 गुना वृद्धि हुई है। साथ ही राज्य बुनियादी ढांचे के विकास, संपर्क में निवेश और रेल तथा सड़क तंत्र के निर्माण को लेकर कई बड़े कदम उठा रहा है।

बिहार ने बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। राज्य का सड़क घनत्व देश में तीसरे स्थान पर आता है जो व्यापार तथा परिवहन को सुविधाजनक बनाता है। इसका बिजली उत्पादन 700 मेगावाट से बढ़कर 7,000 मेगावाट हो गया है। राज्य में आईटी पार्क बनाए गए हैं और डेटा सेंटर भी बनाए जा रहे हैं।बिहार सरकार में शीर्ष नौकरशाह मीणा ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और पिछले दो दशकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में भारी निवेश किया गया है। उन्होंने कहा, अगर मैं सड़क क्षेत्र की बात करूं तो हमारे पास 1.2 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क है। इसे पिछले 20 वर्षों में बनाया गया है। हमारे पास राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और प्रमुख जिला सड़कों का एक बहुत मजबूत नेटवर्क है। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले 10 वर्षों में राजमार्ग नेटवर्क, राष्ट्रीय तथा राज्य राजमार्ग दोनों में जबरदस्त वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष के बजट में सिलीगड़ी से गोरखपुर, रक्सौल से हल्दिया, पटना-पूर्णिया तथा आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे से राजगीर, बोधगया और दरभंगा तक चार एक्सप्रेस राजमार्ग की घोषणा की थी। इसके अलावा वाराणसी-कोलकाता परियोजना भी जारी है, जिसका 153 किलोमीटर हिस्सा बिहार के चार जिलों से होकर गुजरता है। उन्होंने बताया कि गैस के मामले में बिहार में 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी गैस पाइपलाइन है। अब सभी 38 जिले शहरी गैस वितरण के दायरे में हैं। अब सभी उद्योग गैस आधारित उद्योग लगाने की योजना बना सकते हैं।उन्होंने साथ ही कहा, अगर मैं दूरसंचार की बात करूं तो 2019 में करीब छह करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता थे। अब करीब 7.25 करोड़ हैं। 2019 में प्रति माह औसतन 1.67 गीगाबाइट डेटा का इस्तेमाल होता था। अब यह 27 गीगाबाइट है। इसी बिहार में 45,000 से अधिक मोबाइल टावर हैं। बिहार के मुख्य सचिव ने कहा कि सभी पंचायतें अब ऑप्टिकल फाइबर केबल से जुड़ चुकी हैं। दूरदराज के इलाकों सहित सभी गांव जुड़ चुके हैं। 2005 में बिजली की खपत केवल 700-800 मेगावाट थी, इस साल राज्य में बिजली की खपत 8,000 मेगावाट तक पहुंच गई। वित्त पोषण पर उन्होंने कहा कि 2015 में वाणिज्यिक बैंकों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सालाना 8,000 करोड़ रुपये का ऋण प्रवाह मिलता था। 2023-24 में वाणिज्यिक बैंकों से एमएसएमई को 77,000 करोड़ रुपये का ऋण मिला।

कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपुरा के चुनिंदा सीमावर्ती गांवों को जोड़ने वाली पहली निजी दूरसंचार कंपनी बनी एयरटेल

प्रात: किरण/ एजेंसी

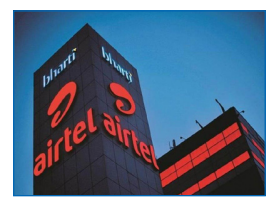

नई दिल्ली। भारती एयरटेल जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों के करीब सात सीमावर्ती गांवों में मोबाइल सेवाएं शुरू करने वाली पहली निजी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत एयरटेल ने कच्छल, बलबीर, राजदान दर्रा ताया टॉप, उस्ताद, काठी और चीमा जैसे गांवों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ा है। इसमें कहा गया, ये गांव केरन, मच्छल, तंगधार, गुरेज और उरी घाटी क्षेत्रों में स्थित हैं, जो कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में फैले आते हैं। एयरटेल इन क्षेत्रों में संचार सेवाएं प्रदान करने वाली एकमात्र निजी दूरसंचार संचालक है। कंपनी ने इन इलाकों में 15 मोबाइल टावर स्थापित किए हैं। इससे स्थानीय लोगों को फायदा मिलेगा और नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों को आवश्यक संचार सुविधा मिलेगी। बयान में कहा गया भारती एयरटेल ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों के गांवों में संपर्क स्थापित करने के लिए भारतीय सेना के साथ साझेदारी की है। एयरटेल ने सैन्य ठिकानों के दूरदराज क्षेत्रों में नेटवर्क सेवाओं में सुधार तथा संपर्क बढ़ाने के लिए भारतीय सेना के साथ सहयोग किया है। हाल ही में, कंपनी ने गलवान नदी क्षेत्र और दौलत बेग ओल्डी (बीडीओ) में सफलतापूर्वक संपर्क स्थापित किया था जिसे भारत की सबसे उत्तरी सैन्य चौकी कहा जाता है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई मौकों पर कहा है कि जून 2025 तक देश के सभी दूरदराज क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाएं पहुंच जाएंगी।

सेबी ने म्यूचुअल फंड रेगुलेशन में किया संशोधन, नए एसेट क्लास की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने एक नए एसेट क्लास स्पेशल इन्वेस्टमेंट फंड की शुरूआत के लिए नॉर्म्स नोटिफाई किए हैं। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं के बीच अंतर को पाटना है। सोमवार (16 दिसंबर) को जारी एक आफिशियल गजेट के अनुसार, इस साल सितंबर में नियामक की मंजूरी पाने वाले एसआईएफ की न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये होगी। नए एसेट क्लास के तहत, म्यूचुअल फंड को ओपन-एंडेड, क्लोज-एंडेड और इंटरवल इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजी को लॉन्च करने की अनुमति होगी, जिसमें सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन आवृत्ति का उचित रूप से प्रस्ताव दस्तावेज में खुलासा किया जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक एसआईएफ के तहत कोई भी योजना अपने एनएवी के 20 प्रतिशत से अधिक का निवेश डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स में नहीं करेगी, जिसमें एकल जारीकर्ता द्वारा जारी किए गए मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स और गैर-मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं, जिन्हें क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा निवेश ग्रेड से नीचे नहीं रेट किया गया है। हालांकि, निवेश सीमा को एसेट मैनेजमेंट कंपनी के न्यासी बोर्ड और निदेशक मंडल की पूर्व स्वीकृति के साथ निवेश रणनीति के एनएवी के 25 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है।

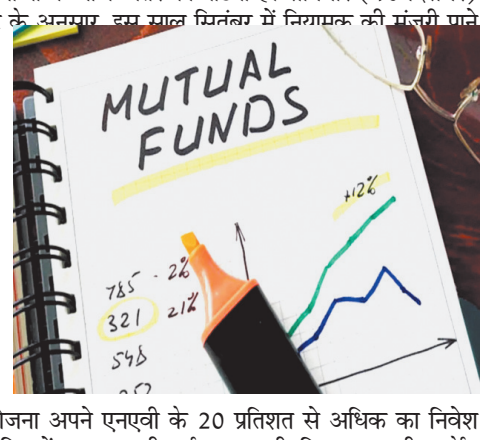

सरकार ने विजय माल्या और नीरव मोदी से वसूले 15,000 करोड़, सीतारमण ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे आर्थिक अपराधियों की 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां बैंकों और वैध दावेदारों को लौटाई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने पीड़ितों या सही दावेदारों को 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कर दी हैं और आर्थिक अपराधियों के खिलाफ लड़ाई निरंतर जारी रहेगी। सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भगोड़े विजय माल्या की 14,131.6 करोड़ रुपये की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि नीरव मोदी मामले में 1,052.58 करोड़ रुपये की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी बैंकों को वापस कर दी गई है। वित्त मंत्री के जवाब के अनुसार, मेहुल चोकसी मामले में 2,565.90 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं और उन्हें नीलाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड मामले में, धोखाधड़ी के शिकार वास्तविक निवेशकों को 17.47 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कर दी गईं।

उन्होंने कहा, 'पीएमएलए के मामले में, ईडी ने प्रमुख मामलों में कम से कम 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां सफलतापूर्वक वापस हासिल की हैं... हमने किसी को नहीं छोड़ा है, भले ही वे देश छोड़कर भाग गए हों, हम उनके पीछे पड़े हैं। ईडी ने यह पैसा इकट्ठा किया है और बैंकों को वापस दे दिया है। इसलिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि हमने आर्थिक अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा है। हम उनके पीछे पड़े हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो पैसा बैंकों में वापस जाना है, वह वापस आ जाए।' विदेशों में जमा काले धन के संबंध में कुछ सांसदों के सवालों पर वित्त मंत्री ने कहा कि 2015 का काला धन अधिनियम वास्तव में बहुत से करदाताओं पर निवारक प्रभाव डाल रहा है और वे अपनी विदेशी संपत्ति का खुलासा करने के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी संपत्ति का खुलासा करने वाले करदाताओं की संख्या 2021-22 में 60,467 से बढ़कर 2024-25 में दो लाख हो गई है।

एमएंडएम ने दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बनकर दुनिया को हैरान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मंगलवार को बताया कि जब भारत ने एक स्वतंत्र वाहन निर्माता के रूप में शुरुआत की थी, तो दुनिया का मानना था कि इसके सफल होने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने यह विचार उस समय व्यक्त किए जब वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बाजार पूंजीकरण के आधार पर दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी बनकर 43.12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

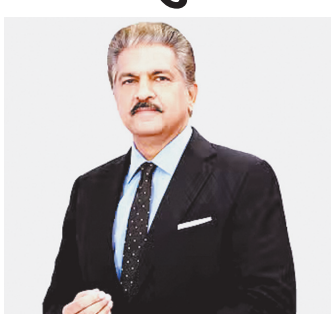

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स की ओर से जारी की गई सबसे मूल्यवान कार निर्माताओं की वैश्विक रैंकिंग में एमएंडएम को शामिल किया गया है। इस उपलब्धि पर बोलते आनंद महिंद्रा ने शुरुआती वर्षों में भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग के सामने आई चुनौतियों को याद किया। उन्होंने कहा, 1991 में जब भारतीय अर्थव्यवस्था खुली तो दुनिया को लगा कि एक स्वतंत्र वाहन निर्माता के रूप में हमारे अस्तित्व की संभावनाएं बहुत कम हैं। महिंद्रा ने इंजन विशेषज्ञता के लिए स्टेलेंटिस (प्यूजो) और आधुनिक कारों के निर्माण के लिए फोर्ड और रेनॉल्ट जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग के महत्व पर बल दिया। महिन्द्रा ने इन साझेदारियों के लिए आभार व्यक्त किया, और कहा कि इसके साथ साझेदारी से कंपनी को जानकारी प्राप्त करने और ऑटोमोटिव क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत करने में मदद मिली। वैश्विक रैंकिंग में टेस्ला 1.23 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर के चौंका देने वाले बाजार पूंजीकरण के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद टोयोटा 233.26 बिलियन अमरीकी डॉलर और बीवाईडी 107.52 बिलियन अमरीकी डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है। भारतीय वाहन निर्माताओं में मारुति सुजुकी इंडिया भी सूची में शामिल है, जिसने 41.81 बिलियन अमरीकी डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ 13वां स्थान हासिल किया है। आनंद महिंद्रा ने प्रतिबद्धता और गर्व के साथ कहा, हम भारत को गौरवान्वित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखेंगे। यह उपलब्धि न केवल कंपनी के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत के ऑटोमोटिव उद्योग की ताकत और क्षमता को भी जाहिर करती है।

चीन से निपटने के लिए ऐक्टिव हुई जापानी कंपनियां, होंडा, निसान और मित्सुबिशी का होगा मर्जर!

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की दो बड़ी ऑटो कंपनियां निसान मोटर और होंडा मोटर मर्जर की तैयारी में हैं। खासकर ईवी सेगमेंट में चीन से मिल रही कड़ी चुनौती ने जापान की दूसरे और तीसरे नंबर की ऑटो कंपनियों को मर्जर के लिए मजबूर किया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों कंपनियां एक होल्डिक कंपनी बनाने के लिए आपस में बातचीत कर रही हैं। इसमें मित्सुबिशी मोटर को भी शामिल किया जा सकता है। एकदूसरे से होड़ करने के बजाय ये कंपनियां आपस में मर्जर करना चाहती हैं। इससे उसकी लागत में कमी आएगी और मार्जिन बढ़ेगा। मंगलवार के बंद भाव पर इन कंपनियों का मार्केट कैप 50 अरब डॉलर है।

इस मर्जर से सबसे ज्यादा फायदा निसान को होगा। पिछले महीने कंपनी ने 9,000 नौकरियों में कटौती और मैन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी में 20 प्रतिशत कमी की घोषणा की थी। इसके बावजूद कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन के 0.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि होंडा कुछ बेहतर पोजीशन में है। उसका ऑपरेटिंग मार्जिन 4.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। मार्च में इन दोनों कंपनियों ने ईवी के लिए स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की संभावना तलाशने पर सहमति जताई थी। चीन में ईवी कारों के उत्पादन में बूम आने के बाद लोग पेट्रोल और डीजल कारों को छोड़कर इलेक्ट्रिक कारों का रुख कर रहे हैं।

दोनों कंपनियों का कहना है कि उनके बीच मर्जर के बारे में बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और डील तक पहुंचने की कोई गारंटी नहीं है। हालांकि जानकारों का कहना है कि होंडा और निसान के बीच मर्जर आसान नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि इससे बड़ी संख्या में लोगों की नौकरी जा सकती है। साथ ही इस पार्टनरशिप में मित्सुबिशी को भी शामिल किया जा सकता है। इस कंपनी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर निसान है। इस खबर के आने के बाद निसान के शेयरों में 20 प्रतिशत और मित्सुबिशी में 13 प्रतिशत उछाल आई है। होंडा के शेयरों में 2 प्रतिशत गिरावट आई है।

तुलना आईपीओ के तहत मोबिक्विक के शेयर 279 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे।

मोबिक्विक समेत पांच कंपनियों की स्टॉक मार्केट में एंट्री, चार कंपनियों ने कराया मुनाफा, एक के निवेशक निराश

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। मोबिक्विक, विशाल मेगा मार्ट, साई लाइफ साइंसेज समेत पांच कंपनियों के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए एंट्री हुई। इन पांच कंपनियों में से मोबिक्विक, साई लाइफ साइंसेज, विशाल मेगा मार्ट और पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को बढ़िया मुनाफा कराया, वहीं सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयरों की कमजोरी लिस्टिंग से इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान का सामना करना पड़ा।

मोबिक्विक के शेयरों ने आज शेयर बाजार में शानदार एंट्री की। आईपीओ के तहत मोबिक्विक के शेयर 279 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर 440 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही करीब 58 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे मोबिक्विक के शेयर 525 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहे थे।

इसी तरह देश की सबसे बड़े इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग आर्गेनाइजेशन्स में शामिल साई लाइफ साइंसेज के शेयरों की भी आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 549 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी 660 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 650 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। दोपहर 11 बजे कंपनी के शेयर 697.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 27.12 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। आज ही देश के कई राज्यों में फैले हाइपरमार्केट चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत विशाल मेगा मार्ट के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी 110 रुपये के भाव पर और एनएसई पर 104 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को करीब 34 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 111.19 रुपये के स्तर तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। सुबह 11 बजे विशाल मेगा मार्ट के शेयर 108.22 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों की भी आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर धांसू एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 126 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज इन शेयरों की लिस्टिंग 199 रुपये के भाव पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही 58 प्रतिशत का मुनाफा मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। थोड़ी ही देर में ये शेयर 208.95 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। आज ही हाउसकीपिंग और क्लीनिंग, डिसइंफेक्टिंग एंड सैनिटाइजिंग जैसी सर्विस देने वाली कंपनी सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयर भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। हालांकि कंपनी के शेयरों ने लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 76 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज इन शेयरों की लिस्टिंग 1 रुपये के नुकसान के साथ 75 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही आईपीओ निवेशकों को 1.32 प्रतिशत का नुकसान हो गया। लिस्टिंग के बाद भी निवेशकों को झटके का सामना करना पड़ा, क्योंकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर टूट कर 71.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 6.25 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा है।

इन्वेस्टेक ने अंबुजा सीमेंट्स को 950 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ दी 'बाय' रेटिंग

मुंबई। ग्लोबल बैंकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट ग्रुप इन्वेस्टेक ने बुधवार को अंबुजा सीमेंट्स को बाय रेटिंग दी है। साथ ही 950 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, जो कि अनुमानित मौजूदा प्राइस 577 रुपये से 65.1 प्रतिशत अधिक है। एक नोट में, इन्वेस्टेक ने लिखा कि उसे प्रबंधन में सहजता महसूस होती है, जो अपने विकास और,लागत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए चल रही पहलों की पुष्टि करता है। इन्वेस्टेक ने कहा, ग्रोथ पाइपलाइन, लीज एक्सपायर, एसीईएम (अंबुजा सीमेंट्स) में प्रमोटर की आर्थिक रुचि को ध्यान में रखते हुए, हम एसीसी के बजाय एसीईएम को प्राथमिकता देते हैं। हम इस क्षेत्र के लिए कंसोलिडेशन, सस्टेनेबिलिटी, ईएसजी को प्रमुख विषयों के रूप में उजागर करते हैं और पाते हैं कि एसीईएम लाभ प्राप्त करने के लिए सबसे उपयुक्त है। कंसोलिडेशन, स्ट्रीमलाइन ऑपरेशन और विशाल उत्पादन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, अंबुजा सीमेंट बाजार में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है और निवेशकों और हितधारकों के लिए एक बेहतर भविष्य आगे बना हुआ है। अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ने मंगलवार को अपनी हाल ही में अधिग्रहीत संस्थाओं सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विलय को अलग-अलग व्यवस्था योजनाओं के जरिए मंजूरी दे दी।

संक्षिप्त खबरें

बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच हुआ ड्रा

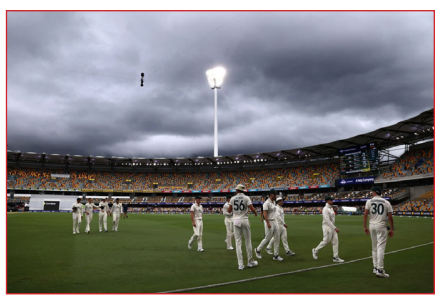

ब्रिसबेन, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरू हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैचसे नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था।ऑस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरू हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे।भारत ने सुबह के सत्र में आज नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरू किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर 185 रनों की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख़्वाजा (आठ), मार्नस लाबुशेन (एक) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (चार), मिचेल मार्श (दो) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (चार) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

बंगलादेश ने वेस्टइंडीज को 27 रनों से हराया

सेंट विंसेंट, एजेंसी। शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही बंगलादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। बांग्लादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18.3 ओवर में 102 रनों पर ढ़ेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाए। वेस्टइंडीज के शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट लिये। महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट मिले। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व से नवाजा गया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। कप्तान लिटन कुमार दास (तीन) और तंजिद हसन (दो) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गए। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुए। शमीम हुसैन ने बंगलादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली। बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 129 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने दो विकेट लिए। अकील हुसैन, रॉस्टन चेज, अल्जारी जोसेफ और ओबेद मकॉए ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे यूपी योद्धाज

प्रात : किरण/एजेंसी

पुणे। यूपी योद्धाज ने प्रो कबड्डी लीग में अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए हरियाणा स्टीलर्स को पटखनी दे डाली। यूपी ने इस मुकाबले में हरियाणा को 31-24 के अंतर से पराजित करते हुए अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। भावनी राजपूत ने सर्वाधिक 11 अंक हासिल किये। हरियाणा को छठी हार का सामना करना पड़ा है लेकिन इसका असर नहीं पड़ेगा क्योंकि टीम को पहले ही प्लेऑफ का टिकट मिल चुका है। हरियाणा का प्रदर्शन आज उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। इसका फायदा यूपी के डिफेंस और रेडिंग विभाग ने उठाया और जीत हासिल कर ली। हालांकि शुरूआत में यूपी को परेशानी हुई और हरियाणा ने 4-0 का स्कोर हासिल करते हुए लीड बनाई। इसके बाद यूपी ने जवाबी पकार्रवाई करते हुए स्कोर 6-5 कर दिया। यहाँ से दोनों टीमों के बीच लगभग बराबरी की टक्कर देखने को मिली। हाफ टाइम तक यूपी के पास दो अंकों की लीड थी और स्कोर 15-13 था। इसके बाद यूपी ने हरियाणा को आउट कर स्कोर 23-14 कर दिया। अब यूपी के पास अच्छी लीड थी। भवानी ने नियमित अंतराल पर पॉइंट्स लेते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि हरियाणा ने पीछा करने का प्यास किया लेकिन यूपी ने अंत तक दस पॉइंट्स की लीड हासिल कर ली थी। इसके बाद हरियाणा के लिए काम मुश्किल हो गया और हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ की शुरूआत में यूपी योद्धाज ने हरियाणा के डिफेंडर्स पर दबाव बनाया और अपनी बढ़त को और बढ़ाया। धीरे-धीरे हरियाणा की टीम दूसरी बार ऑलआउट होने के करीब पहुंची। भवानी राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही रेड में मनिकंदन और राहुल को आउट किया और हरियाणा को दूसरी बार ऑलआउट करने में सफलता हासिल की। हरियाणा ने वापसी की कोशिश की, लेकिन उनकी डिफेंसिव यूनिट ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। भवानी राजपूत ने कुछ शानदार मल्टी-पॉइंट रेड किए, जिससे यूपी की लीड और भी मजबूत हुई। इसके साथ ही उन्होंने प्रो कबड्डी में अपना सुपर 10 भी पूरा किया। अंत में, यूपी योद्धाज ने आसानी से इस मैच को जीत लिया, जबकि हरियाणा को सिर्फ एक अंक ही मिला।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने विश्व विजेता गुकेश को किया सम्मानित

चेस अकादमी की स्थापना का एलान किया

चेन्नई, एजेंसी। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने विश्व शतरंज विजेता पांच करोड़ रुपये का चेक थमाया और शॉल पहनाई। दुनिया के सबसे युवा शतरंज चैंपियन डी गुकेश को मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सम्मानित किया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने विश्व शतरंज विजेता पांच करोड़ रुपये का चेक थमाया और शॉल पहनाई। इस दौरान उन्होंने राज्य में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए और उन्हें तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी स्थापित करने का भी एलान किया।

शतरंज अकादमी की स्थापना की जाएगी – सीएम स्टालिन ने कहा, भारत के 85 में से 31 शतरंज ग्रैंडमास्टर तमिलनाडु के हैं। यह सम्मान केवल गुकेश के लिए ही नहीं बल्कि सभी उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उपलब्धि हासिल करने वालों को तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी की स्थापना की जाएगी।

स्टालिन ने आगे कहा, मैं 18 साल की छोटी उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने के लिए हमारे गुकेश की सराहना करता हूं। हमारे चेन्नई के लड़के ने एक रिकॉर्ड बनाया है और पूरी दुनिया उसकी सराहना कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गुकेश के माता-पिता को मंच पर आने के लिए कहा और उनकी मौजूदगी में चेक सौंपा।

कार्यक्रम में स्टालिन ने कहा कि गुकेश 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे और 18 साल की उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। उन्होंने कहा, इसलिए उन्हें अपनी प्रेरणा मानें और सफलता हासिल करें। हमें लाखों गुकेश बनाने चाहिए। स्टालिन ने कहा कि शतरंज के खेल की तरह जीवन में भी बड़ी जीत हासिल करने के लिए बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, शतरंज एक दिमागी खेल है। कभी-कभी हमें जीतने के लिए रानी का बलिदान करना पड़ता है। इसलिए जीवन में जीतने के लिए हमें बलिदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन अगर आप सावधानी से खेलते हैं तो प्यादे रानी की तरह शक्तिशाली बन सकते हैं। इसलिए जीवन में जीतने के लिए जो आवश्यक है, वह है धैर्य और दृढ़ संकल्प।

हम बहुत खुश हैं – उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जिस तरह गुकेश के माता-पिता उसकी उपलब्धि पर खुशी से अभिभूत हैं, उसी तरह मुख्यमंत्री और राज्य सरकार भी बहुत खुश है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु आज उनकी उपलब्धि का जश्न मना रहा है। गुकेश पूरे भारत और तमिलनाडु के लिए गर्व का स्रोत हैं। उनकी उपलब्धि ने पुष्टि की कि शतरंज का मतलब चेन्नई है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट ड्रॉ

राहुल-जडेजा और बुमराह ने फॉलोऑन से बचाया, सीरीज एक-एक से बराबर

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ड्रॉ हो गया है। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर बुधवार को मुकाबले के आखिरी दिन 25 ओवर ही डाले जा सके। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 275 रन का टारगेट दिया था, लेकिन बारिश के कारण दिन का खेल रद्द कर दिया गया। बारिश से पहले भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 8 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल 4-4 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाजों ने 89 रन पर ऑस्ट्रेलिया के 7 विकेट गिरा दिए थे, तभी कप्तान पैट कमिंस ने पारी घोषित कर दी। सुबह इंडियन टीम पहली पारी में 260 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी। यहां कंगारुओं को पहली पारी में 185 रन की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। इस ड्रॉ के बाद 5 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने पहला टेस्ट 295 रन, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट 10 विकेट से जीता था। चौथा मुकाबला मेलबर्न के एमसीजी मैदान पर 26 दिसंबर से खेला जाएगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भयंकर बदलाव, हैरी ब्रूक की कुर्सी छिनी, ये खिलाड़ी बन गया नंबर वन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने एक बार फिर से नई रैंकिंग जारी कर दी है। आज ही भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मुकाबला खत्म हुआ है। इसके बाद ही आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी कर दी है। हालांकि ये मैच चुंकि आज तक चला है, इसलिए उसके आंकडे रैंकिंग में नहीं जोड़े गए हैं। इसके बाद भी नई रैंकिंग में कई सारे फेरबदल हो गए हैं। खास तौर पर नंबर वन की कुर्सी में फिर से बदलाव हो गया है। हैरी ब्रूक इससे पहले नंबर एक बल्लेबाज थे, लेकिन अब वे नीचे आ गए हैं। जो रूट ने फिर से नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है।

● **जो रूट नंबर वन और हैरी ब्रूक दूसरे नंबर पर पहुंचे** – आईसीसी की ओर से जारी की गई नई टेस्ट रैंकिंग में जो रूट पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। जो रूट की रेटिंग इस वक्त बढ़कर 895 की हो गई है। वे इससे पहले दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अब वे फिर से टॉप की कुर्सी पर कब्जा जमाने में कामयाब हो गए हैं। इस बीच इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 876 की रेटिंग के साथ अब दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें हल्का सा नुकसान हुआ है। इस बीच केन विलियमसन ने अपने पिछले ही मुकाबले में सेंचुरी लगाई थी, इसलिए उनकी रेटिंग तो बढी है, लेकिन रैंकिंग में कोई असर नहीं पड़ा है।

रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

287 मैच में 765 विकेट लिए; भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं।

38 साल के अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उन्होंने कहा, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा – टेस्ट में 537 विकेट लिए अश्विन ने 2010 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए। उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 156 वनडे विकेट भी हासिल किए। टी-20 में अश्विन ने 72 विकेट चटकाए। अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल 6 टेस्ट शतक लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम कुल 8 शतक रहे।

सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल लेने वाले भारतीय अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल हैं, जो कि

किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए अश्विन ने करियर में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट मिलाकर 53 मैचों में खेले और 150 विकेट लिए। वहीं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसके खिलाफ अश्विन के 50 मैचों में 146 विकेट हैं। विदेश में ऑस्ट्रेलिया के मैदान पर सबसे ज्यादा विकेट लिए विदेश में अश्विन के सबसे ज्यादा विकेट ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने कंगारुओं के होम ग्राउंड पर तीनों फॉर्मेट में कुल 38 मुकाबले खेले और 71 विकेट लिए। इसके अलावा श्रीलंका में 16 मैच में उनके 49 विकेट हैं। भारत में अश्विन के 131 मैचों में 475 विकेट हैं।

चंडीगढ़ के अयान गुप्ता रहे बेस्ट गोल्फर

चंडीगढ़, एजेंसी। 123वीं आईजीयू ऑल इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप में चंडीगढ़ के अयान गुप्ता बेस्ट गोल्फर रहे। इंडियन ऑयल कारपोरेशन से स्पॉन्सर्ड अयान ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। चंडीगढ़ गोल्फ टूर्नामेंट में वे सेमीफाइनल तक पहुंचे और करीबी मुकाबले में उन्हें हार झेलनी पड़ी। अयान ने लगातार दो मैच जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसमें टॉप-8 गोल्फर्स खेल रहे थे। सेमीफाइनल में वरुण मुथप्पा को उन्होंने कड़ी चुनौती दी। 18 होल तक अपना बेस्ट करने के बाद उन्होंने प्लेऑफ में जगह बनाई। यहां करीबी अंतर से उन्हें 19वें होल पर हार का सामना करना पड़ा। वे अंत तक लड़ते रहे, लेकिन 1 अप शॉट की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा। इसके बाद भी उन्होंने बेस्ट सिटी गोल्फर का टैग अपने नाम कर लिया। वे 88 गोल्फर्स के बीच टॉप-5 में शामिल रहे। अयान की लगन और कड़ी मेहनत सराहनीय है। उन्हें अभी कई टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है और 2025 में वे खिताबी जीत के साथ प्रोफेशनल गोल्फ में कदम रखने की कोशिश करेंगे। वह हर जगह युवाओं के लिए एक आदर्श है, जो दिखाता है कि कड़ी मेहनत और लगन से कुछ भी संभव है।

तुलना अश्विन ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

गावस्कर ने अश्विन के बीच सीरीज में संन्यास लेने की तुलना धोनी के 2014-15 के फैसले से की

प्रात : किरण/ एजेंसी

ब्रिस्बेन, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के फैसले के टीम पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि इस ऑलराउंडर ने वैसा ही किया जैसा एमएस धोनी ने 2014-15 ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान किया था। अश्विन ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया में 2014-15 टेस्ट सीरीज के दौरान एमएस धोनी के बीच सीरीज में संन्यास लेने की तुलना करते हुए तर्क दिया कि ऐसे फैसले टीम की योजना को बाधित करते हैं।गावस्कर ने प्रसारकों से कहा, वह कह सकते थे कि सीरीज खत्म होने के बाद मैं भारत के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहूंगा। ऐसा ही होता है, इसी तरह जब एमएस धोनी 2014-15 सीरीज में तीसरे टेस्ट के अंत में रिटायर हुए, तो एक खिलाड़ी कम रह गया।उन्होंने कहा, चयन समिति ने एक दौरे के लिए कई खिलाड़ियों को एक उद्देश्य के साथ चुना है। अगर कोई चोटिल होता है तो वे टीम में रिजर्व खिलाड़ियों में से चयन कर सकते हैं। इसलिए, सिडनी ऐसी जगह है जहां स्पिनरों के लिए काफी सहायता उपलब्ध है। इसलिए भारत दो स्पिनरों के साथ खेल सकता था। आप कभी नहीं जानते। वह निश्चित रूप से वहां हो सकता था। मुझे नहीं पता कि मेलबर्न की पिच कैसी

होगी। आम तौर पर, आप सीरीज के अंत को देखते हैं। बस इतना ही। बीच में, यह सामान्य नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या अश्विन की जगह लेने के लिए वाशिंगटन सुंदर को तैयार किया जा रहा है, तो गावस्कर ने स्वीकार किया कि ऐसा होने की संभावना है। शायद वाशिंगटन सुंदर उनसे आगे हैं। रोहित ने उल्लेख किया कि सुंदर कल उड़ान भर रहे हैं। इसलिए, यह अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के रूप में अंत का प्रतीक है। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर रहे हैं। इसके अलावा, सुंदर ने ऑलराउंडर के संन्यास के बाद इंस्टाग्राम पर राज्य के साथी अश्विन के लिए एक भावपूर्ण पोस्ट किया। सिर्फ एक टीम के साथी से कहीं ज्यादा झ एश अन्ना, आप एक प्रेरणा, एक मार्गदर्शक और खेल के सच्चे चैंपियन रहे हैं। आपके साथ मैदान और ड्रेसिंग रूम साझा करना सम्मान की बात है। सुंदर ने अपनी पोस्ट में कहा, ह्यतमिलनाडु के एक ही राज्य से आने के कारण, मैं आपको चेपॉक के नजदीकी कोनों से खेलते हुए और आपके खिलाफ और आपके साथ खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं। हर पल एक विशेषाधिकार रहा है। मैदान पर और बाहर दोनों जगह से मिली सीख कुछ ऐसी है जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगा। आगे जो भी हो, उसके लिए आपको सफलता और खुशी की कामना करता हूं। अश्विन का संन्यास बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है, जहां गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। उनकी अनुपस्थिति से भारत के गेंदबाजी शस्त्रागार में एक खालीपन आ गया है, खासकर तब जब वे मेलबर्न और सिडनी में आगामी टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से स्पिनरों के अनुकूल स्थल हैं।

न्यूजीलैंड के वनडे और टी20 कप्तान बने मिचेल सैंटनर

वेलिंगटन/एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर को न्यूजीलैंड के सीमित ओवर टीमों का कप्तान बनाया गया है। वह औपचारिक तौर पर केन विलियमसन की जगह लेंगे, जिन्होंने जून में हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही यह पद छोड़ दिया था। सैंटनर ने 243 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है। अब वह वनडे और टी20 टीमों के स्थायी कप्तान के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वह 24 टी20 और 4 वनडे मैचों में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। सैंटनर पिछले महीने श्रीलंका गई न्यूजीलैंड की टी20 और वनडे टीमों के कप्तान बनाए गए थे, हालांकि यह नियुक्ति बस उस सीरीज के लिए थी। फि लहाल औपचारिक और आधिकारिक तौर पर उन्हें सीमित ओवर टीमों का कप्तान बना दिया गया है। 32 वर्षीय सैंटनर अपनी पूर्णकालिक कप्तानी की शुरूआत दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरूआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगे। इन दोनों सीरीज के साथ न्यूजीलैंड के लिए सफेद बॉल क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें फरवरी में पाकिस्तान में एक वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के घरेलू सीजन के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ एक टी20 और वनडे सीरीज शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

वानुअतु भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14

सिडनी। मंगलवार को वानुअतु में आए भीषण भूकंप में 14 लोग मारे गए जबकि सैकड़ों घायल हो गए। रेड क्रॉस ने बुधवार सुबह स्थानीय समयानुसार सरकारी सूत्रों के हवाले से मृतकों की संख्या संबंधी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार स्थानीय मीडिया ने पहले सात लोगों के मरने की सूचना दी थी। मंगलवार को वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे व्यापक स्तर पर क्षति हुई। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, प्रारंभिक भूकंप के बाद क्षेत्र में कई झटके महसूस किए गए, जिनमें बुधवार सुबह के समय आया 5.5 तीव्रता का एक झटका भी शामिल है। प्रशांत क्षेत्र में रेड क्रॉस की फिजी स्थित प्रमुख केटी ग्रीनवुड ने सोशल मीडिया पर बताया कि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के विदेश एवं व्यापार विभाग (डीएफएटी) ने कहा कि उसे इस क्षेत्र में कई ऑस्ट्रेलियाई लोगों के होने की जानकारी है, लेकिन उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने बुधवार को कहा कि ऐसा नहीं लगता कि कोई घायल हुआ है। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि भूकंप से काफी नुकसान हुआ है और ऑस्ट्रेलिया बुधवार को सहायता सामग्री भेजेगा। ऑस्ट्रेलिया के 9न्यूज नेटवर्क ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय ने कहा है कि पोर्ट विला में हवाई अड्डे और बंदरगाह तक पहुंचने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे सहायता पहुंचाने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं।

दक्षिण कोरिया : पेरेंटल लीव नहीं ले रहे लोग, टूटते विवाह वजह

सोल। दक्षिण कोरिया में पेरेंटल लीव लेने वालों की संख्या में साल 2023 में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक इसकी मुख्य वजह बिखरते परिवार एक बड़ी वजह है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के माने तो स्टैस्टिक्स कोरिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल कुल 195,986 श्रमिकों ने अपने बच्चों की देखभाल के लिए काम से छुट्टी ली या लेना शुरू कर दिया, जो एक साल पहले (2022) की तुलना में 3 प्रतिशत कम है। एजेंसी द्वारा 2010 में आंकड़ों का संकलन शुरू करने के बाद से यह पहली वार्षिक गिरावट है। आंकड़ों में लगातार वृद्धि देखी गई थी, जिसकी वजह कुछ सरकारी पहल थी। दक्षिण कोरियाई कानून के तहत 8 वर्ष या उससे कम आयु के बच्चों, या प्राथमिक विद्यालय की दूसरी कक्षा या उससे नीचे के बच्चों के माता-पिता एक वर्ष तक के मातृत्व या पितृत्व अवकाश के लिए पात्र हैं। देश में लम्बे समय से चली आ रही गिरते जन्म दर की समस्या से निपटने के लिए सरकार उन रोजगार बीमा ग्राहकों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जो पैतृक अवकाश लेते हैं।

डोभाल ने चीन के विदेश मंत्री के साथ की सीमा पर शांति, संबंधों को बहाल करने पर चर्चा

बीजिंग। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को यहां मुलाकात की और दोनों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने तथा पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार वर्ष से अधिक समय से तल्ख रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे डोभाल पांच साल के अंतराल के बाद हो रही विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे।

पाकिस्तान में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात तीन पुलिस अधिकारियों की बम धमाके में मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में मंगलवार को पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों को ले जा रहे एक वाहन के सड़क किनारे पड़े बम की चपेट में आने से तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस अधिकारी नासिर खान ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तुनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुई। वाहन सवार पुलिस अधिकारी अपने थाने की ओर लौट रहे थे। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे एक दिन पहले ही खैबर पख्तुनख्वा के कराक शहर में पोलियो कार्यकर्ताओं की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा एक कर्मचारी घायल हो गया था। पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही इस साल का अंतिम राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया है और इस अभियान का मकसद साढे चार करोड़ बच्चों को पोलियो से बचाना है।

सीरियाई लोगों की वतन वापसी को आसान बनाने के लिए तुर्की ने बॉर्डर पर किए अतिरिक्त इंतजाम

प्रात : किरण/एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की ने सीरियाई लोगों की वतन वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए बॉर्डर पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर किया। यह जानकारी सरकारी अनादोलु एजेंसी ने दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अनादोलु के हवाले से बताया कि व्यापार मंत्रालय हाटे प्रांत में सीरिया के साथ यायलादागी बॉर्डर गेट पर जरूरी प्रक्रियाएं और कामकाज की जिम्मेदारी संभाल रहा है। यात्री और माल परिवहन के लिए गेट के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया गया है। सीरिया लौटने की इच्छा रखने वालों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है।

अनादोलु ने कहा कि तुर्की के अधिकारी संबंधित संस्थानों के प्रयासों से थोड़े समय में कमर्शियल व्हीकल के आवागमन के लिए गेट खोलने की योजना बना रहे हैं। तुर्की ने 11 साल बंद रहने के बाद 10 दिसंबर को

यायलादागी बॉर्डर गेट को फिर से खोल दिया, ताकि घर लौटने की इच्छा रखने वाले सीरियाई शरणार्थियों की वजह से सीमा पर होने वाली संभावित भीड़भाड़ को कम किया जा सके। इस बीच, अनादोलु के अनुसार, सीरिया के साथ अन्य बॉर्डर गेट पर भी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की कोशिश टेक्नोलॉजी निवेश के माध्यम से जारी हैं। सिल्वेगोजू कस्टम्स गेट पर सेमी फिक्स्ड व्हीकल और कंटेनर स्कैनिंग सिस्टम को अपडेट किया गया है। रविवार को तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने घोषणा की कि बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद 9-13 दिसंबर के बीच 7,621 सीरियाई नागरिक स्वेच्छा से अपने वतन लौट आए। येरलिकाया ने कहा कि तुर्की में अभी भी करीब 2.95 मिलियन सीरियाई हैं। अस्थायी संरक्षण में रह रहे लोगों में से करीब 1.25 मिलियन मूल रूप से सीरिया के अलेप्पो क्षेत्र के हैं।

जब तक जरूरी होगा माउंट हरमोन के शिखर पर बनी रहेगी सेना : इजरायली रक्षा मंत्री

इजरायल कैट्ज ने मंगलवार को कहा, हम जब तक जरूरी होगा, तब तक यहां रहेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शिखर पर सैन्य मौजूदगी सुरक्षा को मजबूत करती है। रक्षा मंत्री ने कहा, माउंट हरमोन का शिखर निकट और दूर के खतरों की पहचान करने के लिए इजरायल की आंखें हैं।

प्रात : किरण/एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि इजरायली सेना सीरिया के माउंट हरमोन शिखर पर जब तक जरूरी होगा, तब तक रहेगी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया। इजरायल कैट्ज ने मंगलवार को कहा, हम जब तक जरूरी होगा, तब तक यहां रहेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शिखर पर सैन्य मौजूदगी सुरक्षा को मजबूत करती है।

रक्षा मंत्री ने कहा, माउंट हरमोन का शिखर निकट और दूर के खतरों की पहचान करने के लिए इजरायल की आंखें हैं। यहां से, हम दाईं ओर लेबनान में हिजबुल्लाह की स्थिति और बाईं ओर दमिश्क को देख सकते हैं। कैट्ज ने कहा, माउंट हरमोन शिखर इजरायल की आंखें हैं, जहां वह निकट और दूर के खतरों की पहचान कर सकता है। यहां से हम लेबनान

में हिजबुल्लाह पर और दमिश्क में पर नजर रख सकते हैं।

पिछले गुरुवार को जारी निर्देशों के बाद, कैट्ज ने कहा कि सेना को क्षेत्र में अपनी तैनाती तेजी से पूरी करनी चाहिए, जिसमें ह्याकिलेबंदी, रक्षात्मक उपाय, और लंबे समय तक रहने के लिए सैनिकों की स्थिति में सुधार करना शामिल है। गोलान हाइट्स में स्थित माउंट हर्मन को 1967 के मध्य पूर्व युद्ध के दौरान सीरिया से आंशिक रूप से इजरायल हथिया लिया था और 1981 में इसे अपने कब्जे में ले लिया गया।

इजरायल के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं दी गई। यह पर्वत सीरिया, लेबनान और इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स तक फैला हुआ है। इसकी सबसे ऊंची चोटी, 2,814 मीटर, सीरिया में स्थित है, जबकि दक्षिणी ढलान और निचला शिखर इजरायल के कब्जे वाले क्षेत्र में स्थित है। 8 दिसंबर को, इजरायली सेना ने बफर जोन पर कब्जा कर लिया, जो गोलान हाइट्स में एक गैससैनिक क्षेत्र है। इसकी निगरानी सीरिया-इजरायल के बीच 1974 के समझौते के बाद से संयुक्त राष्ट्र बल द्वारा की जाती है। इसी के साथ इजरायल ने माउंट हर्मन के शिखर पर एक सीरियाई सेना की चौकी पर भी कब्जा कर लिया। इस कदम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हुई।

फ्रांस में चक्रवात चिडो ने बरपाया कहर, पीएम मोदी ने हर संभव मदद का किया वादा, राष्ट्रपति मैक्रों ने जताया आभार

प्रात : किरण/एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के मायोट में आए विनाशकारी तूफान चिडो से मची तबाही पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। साथ ही उन्होंने हरसंभव मदद की पेशकश की। पीएम मोदी की संवेदनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आभार व्यक्त किया।

चिडो एक विनाशकारी तूफान था, जिसने शनिवार को फ्रांसीसी द्वीपसमूह मायोट में तबाही मचाई थी। फ्रांस के अनुसार, चक्रवात चिडो 90 से अधिक वर्षों में मायोट में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। प्रलयकारी हवाओं ने पूरे पड़ोस को तहस-नहस कर दिया, बिजली के ग्रिड को नष्ट कर दिया और अस्पतालों, स्कूलों और हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा था, मायोट में चक्रवात चिडो के कारण हुई तबाही से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के

साथ हैं। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में, फ्रांस इस त्रासदी को दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ दूर करेगा। भारत फ्रांस के साथ एकजुटता में खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी के संदेश का जवाब देते हुए, राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रिय नरेंद्र मोदी, आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद। श्रेणी 4 के तूफान, चक्रवात चिडो ने सप्ताहांत में दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में तबाही मचा दी। चक्रवात ने सबसे पहले उत्तरी मेडागास्कर को प्रभावित किया, फिर तेजी से 220 किमी प्रति घंटे (136 मील प्रति घंटे) से अधिक की हवा की गति के साथ मायोट में दस्तक दी। तूफान, जिसने 300,000 से अधिक निवासियों वाले द्वीपसमूह को प्रभावित किया, उत्तरी मोजाम्बिक में भी भारी तबाही मचाई। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने एक बैठक के दौरान टिप्पणी की, हर कोई समझता है कि यह एक ऐसा चक्रवात था जो अप्रत्याशित रूप से विनाशकारी था। चक्रवात से होने वाली मौतों की संख्या चौंका देने वाली है, अधिकारियों को डर है कि मरने वालों की संख्या हजारों में हो सकती है। प्रीफेक्ट फ्रेंकोइस-जेवियर बियुविल के अनुसार, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से कई सौ, शायद हम एक हजार या यहां तक कि कई हजार मौतें होंगी, जैसा कि प्रसारक मायोट ला प्रीमियर ने बताया है। प्रारंभिक रिपोर्टों ने 11 मौतों की पुष्टि की, लेकिन बचाव प्रयासों के जारी रहने के कारण संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने मंगलवार को मायोट में अपने 200 से अधिक स्वयंसेवकों के लापता होने पर चिंता व्यक्त की थी। आईएफआरसी ने एक्स पर कहा, चक्रवात चिडो के कारण 220 किमी/घंटा तक की हवाओं ने फ्रांसीसी विदेशी क्षेत्र मायोट को तबाह कर दिया है। यह आशंका है कि 200 से अधिक स्वयंसेवक लापता हैं।

कांगो में नौका पलटने से कम से कम 25 लोगों की मौत, कई लापता

प्रात : किरण/एजेंसी

किंशासा (कांगो), एजेंसी)। अफ्रीकी देश कांगो में मंगलवार को यात्रियों को ले जा रही एक नौका के नदी में पलटने से नौका सवार कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग लापता हैं। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि कांगो की राजधानी किंशासा के उत्तर-पूर्व में इनोंगो शहर से रवाना हुई इस नौका में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। यह हादसा फिमी नदी में हुआ। लापता लोगों की तलाश के लिए मंगलवार को अभियान प्रारंभ किया गया। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इनोंगो के ह्वारिवर कमिश्नर डेविड कालेम्बा ने कहा, नौका में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। अब तक कम से कम 25 शव बरामद किए जा चुके हैं। इलाके के निवासी एलेक्स म्बुम्बा के अनुसार नौका में काफी सामान भी था। म्बुम्बा ने कहा, मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं, लेकिन इस समय मृतकों की सही संख्या बता पाना मुश्किल है क्योंकि नौका में बहुत यात्री सवार थे।

चेन्नई में जन्मीं भारतीय-अमेरिकी ने जीता मिस इंडिया यूएसए 2024 का खिताब

वाशिंगटन/ एजेंसी। चेन्नई में जन्मीं भारतीय अमेरिकी किशोरी कैटलिन सैंड्रा नील ने न्यूजर्सी में आयोजित वार्षिक सौंदर्य प्रतियोगिता मिस इंडिया यूएसए 2024 जीती है। कैटलिन (19) डेविस के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहती हूं और महिला सशक्तीकरण तथा साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। कैटलिन का जन्म चेन्नई में हुआ था और वह पिछले 14 वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। वह वेब डिजाइनर बनने के अलावा मॉडलिंग तथा एक्टिंग में भी अपना करियर बनाना चाहती हैं।

बाइडन प्रशासन ने दी एच-1बी वीजा नियमों में ढील

प्रात : किरण/एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एच-1बी वीजा के नियमों में ढील दी है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करना आसान हो जाएगा और एफ-1 छात्र वीजा को आसानी से एच-1बी वीजा में तब्दील किया जा सकेगा। इस कदम से हजारों भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को फायदा होने की संभावना है।

सबसे अधिक मांग वाला एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति मिलती है, जिनमें व्यावसायिक या प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं। मंगलवार को होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा घोषित इस नियम का उद्देश्य विशेष पदों और गैर-लाभकारी व सरकारी अनुसंधान संगठनों के लिए परिभाषा और मानदंडों को आधुनिक बनाकर नियोक्ताओं तथा श्रमिकों को अधिक सुविधा प्रदान करना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन बदलावों से अमेरिकी नियोक्ताओं को अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्तियां करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। डीएचएस के अनुसार, इस नियम में एफ-1 वीजाधारक छात्रों के लिए कुछ सुविधा का भी प्रावधान है, जो अपने वीजा को एच-1बी में बदलना चाहते हैं।

अक्षरधाम मंदिर शाश्वत भेंट है, जो सभी के लिए शांति लायेगी : तुलसी गबार्ड

गबार्ड रविवार को न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं की एक सभा को संबोधित कर रही थीं।

प्रात : किरण/एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा खुफिया प्रमुख के पद के लिए चुनी गयीं तुलसी गबार्ड ने न्यू जर्सी में अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और इसे एक ऐसी शाश्वत भेंट बताया जो सभी के लिए शांति और खुशी लाएगी। उन्होंने कहा, प्यार, दया और एकता की भावना से एक साथ आए इतने सारे हाथों के काम के फलस्वरूप तैयार हुए इस अविश्वसनीय उत्पाद का वर्णन करने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं। स्वागत करने वाली वह भावना कुछ ऐसी है जिसे मैं यहां महसूस करती हूँ, जैसा कि मैं जानती हूँ कि लाखों अन्य लोग भी अक्षरधाम आने पर महसूस करते हैं। यह एक शाश्वस्त भेंट है जो यहां आने वाले सभी लोगों को शांति और खुशी देगी। गबार्ड रविवार को न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं की एक सभा को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति पद के चुनाव में शानदार जीत के बाद ट्रंप ने एफबीआई और सीआईए समेत 18 अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के कामकाज की निगरानी के लिए गबार्ड (43) को नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक नामित किया है। गबार्ड 2012 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली हिंदू अमेरिकी बनीं। 2020 में, उन्होंने कांग्रेस के लिए चुनाव नहीं लड़ा और इसके बजाय, डेमोक्रेटिक पार्टी में, राष्ट्रपति पद के लिए प्रायमरी (प्राथमिक चुनाव) में असफल कोशिश की। 2024 में वह रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गईं। उन्होंने अक्षरधाम मंदिर में अपने संबोधन में कहा, मैं आप सभी के बीच यहां आकर आभारी महसूस कर रही हूं और इस अविश्वसनीय स्वागत और उत्सव से मेरा दिल खुश हो गया है। यह मंदिर आध्यात्मिक नेता दिवंगत प्रमुख स्वामी महाराज की 103वीं जयंती समारोह मना रहा है।

दावा सीरियाई सरकार की देखरेख में धार्मिक और राजनीतिक गतिविधियां कर सकते हैं, लेकिन उन्हें सीरियाई क्षेत्र को इजराइल के खिलाफ सैन्य अभियानों ...

सूडान में बढ़ती लड़ाई के कारण नहीं पहुंच पा रही मानवीय सहायता : डब्ल्यूएफपी

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने डब्ल्यूएफपी के बयान का हवाला देते हुए बताया, उत्तरी कोर्डोफन के उम राववाबा में लड़ाई की वजह से काफिला उत्तर और दक्षिण कोर्डोफन के अकाल के जोखिम वाले क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाया, जिसमें कडुगली और डिलिंग भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ट्रकों को सुरक्षित स्थान पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। स्थिति अनुकूल होने पर ट्रक कों दक्षिण कोर्डोफन और ब्लू नाइल राज्य के अन्य सुगम्य क्षेत्रों में भेजे जाएगा। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि हाल के हफ्तों में लड़ाई और भीषण गोलाबारी के कारण उपलब्ध कॉरिडोर भी अधिक खतरनाक हो गए हैं।

प्रात : किरण, एजेंसी

खार्तूम। वर्ल्ड फूड कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा कि सूडान में बढ़ती लड़ाई के कारण अकालग्रस्त क्षेत्रों तक मानवीय मदद नहीं पहुंच पा रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने डब्ल्यूएफपी के बयान का हवाला देते हुए बताया, उत्तरी कोर्डोफन के उम राववाबा में लड़ाई की वजह से काफिला उत्तर और दक्षिण कोर्डोफन के अकाल के जोखिम वाले क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाया, जिसमें कडुगली और डिलिंग भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ट्रकों को सुरक्षित स्थान पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। स्थिति अनुकूल होने पर ट्रक कों दक्षिण कोर्डोफन और ब्लू नाइल राज्य के अन्य सुगम्य क्षेत्रों में भेजे जाएगा। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि हाल के हफ्तों में लड़ाई और भीषण गोलाबारी के कारण उपलब्ध कॉरिडोर भी अधिक खतरनाक हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र संगठन ने बताया कि अक्टूबर में इसने देश भर में 2.8 मिलियन लोगों को भोजन, नकद और पोषण संबंधी सहायता प्रदान की। अब यह 14 भूखमरी हॉटस्पॉट में भोजन और पोषण सहायता पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। इनमें कई डारफुर, कोर्डोफन, खार्तूम और गीजीरा के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएफपी स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से खार्तूम के क्षेत्रों में कम्युनिटी किचन को मदद दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संगठन ने बताया कि अक्टूबर में इसने देश भर में 2.8 मिलियन लोगों को भोजन, नकद और पोषण संबंधी सहायता प्रदान की। अब यह 14 भूखमरी हॉटस्पॉट में भोजन और पोषण सहायता पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। इनमें कई डारफुर, कोर्डोफन, खार्तूम और गीजीरा के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएफपी स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से खार्तूम के क्षेत्रों में कम्युनिटी किचन को मदद दे रहा है।

कम्युनिटी किचन का लक्ष्य हर महीने 100,000 तक होट मील वितरित करना है। डब्ल्यूएफपी अपनी नकद-आधारित सहायता का भी विस्तार कर रहा है, जिसमें खार्तूम के निवासियों के लिए नकद-आधारित सहायता के लिए सेल्फ-रजिस्ट्रेशन पायलट की शुरूआत भी शामिल है। सूडानी सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच चल रहे संघर्ष के कारण देश में 28.9 मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत है। यह संघर्ष अप्रैल 2023 के मध्य में शुरू हुआ था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129